ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक केंद्रीय दिशा-निर्देशों का पालन कर रहा है: सीएम सिद्धरामैया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 09 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-127

भारत सरकार की आधिकारिक घोषणा : ऑपरेशन सिंदूर जारी है

लाहौर में एयर डिफेंस सिस्टम तबाह, दो लड़ाकू विमान ढेर

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां/ब्यूरो)। पाकिस्तान द्वारा भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश नाकाम करने के बाद भारतीय सेना ने हार्पी ड्रोन से हमला कर लाहौर में स्थापित पाकिस्तानी सेना का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर दिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी वायुसेना के दो जेएफ17 थंडर लड़ाकू विमान को भी मार गिराया और पाकिस्तानी पायलटों को अपने कब्जे में लिया है। एक विमान अखनूर में मार गिराया गया तो दूसरा जैसलमेर में ढेर किया गया। जम्मू से लेकर पठानकोट और अन्य सीमाई इलाकों में पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया, लेकिन अधिकांश मिसाइलें और ड्रोन को भारतीय सेना ने आकाश में ही ध्वस्त कर दिया। आज दिल्ली में हुई सर्वदलीय बैठक में भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर यह ऐलान किया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है और अब तक पाकिस्तान पोषित सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए हैं। भारत सरकार ने लाहौर स्थित पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त किए जाने की भी आधिकारिक पुष्टि की है।

- ***पाकिस्तानी जेएफ17 लड़ाकू विमानों के दो पायलट गिरफ्त में***
- ***भारत ने नाकाम की 15 सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश***
- ***सर्वदलीय बैठक में केंद्र ने की पुष्टि, अब तक सौ आतंकी ढेर***
- ***हार्पी ड्रोन ने तबाह किया लाहौर स्थित एयर डिफेंस सिस्टम***

भारत सरकार ने बताया कि सीमा के गांवों में पाकिस्तान द्वारा की गई गोलीबारी में 3 महिलाओं और 5 बच्चों समेत 16 निर्दोष लोगों के मारे जाने और भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर ड्रोन से हमला करने की कोशिश के बाद भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। भारतीय सेना ने गोलीबारी का माकूल जवाब देने के साथ ही लाहौर में पाकिस्तानी सेना का महत्वपूर्ण ठिकाना ध्वस्त कर दिया।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान बुरी तरह बौखला गया है। उसने भारत के कई अग्रिम स्थानों पर गोलाबारी की और भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर ड्रोन से हमला करने की कोशिश की। भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान को इसका खामियाजा उठाना पड़ा। भारत की सीमा से सटे पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर लाहौर में उसे काफी नुकसान पहुंचा है। भारत ने लाहौर में पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। गुरुवार की शाम को भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने दोबारा प्रेस ब्रीफिंग कर यह जानकारी मीडिया के साथ साझा की। गुरुवार सुबह से पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से इस तरह की खबरें सामने आ रही थीं कि लाहौर में कुछ धमाके सुनाई दिए हैं। अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों से भी इसी तरह की खबरें सामने आ रही थीं। इसके बाद भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की तरफ से दोपहर 2:34 बजे आधिकारिक वक्तव्य जारी किया गया। इसमें कहा गया कि माहौल को और तनावपूर्ण बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को नाकाम कर दिया गया है। साथ ही भारत ने पाकिस्तान की हरकतों का माकूल जवाब दिया है।

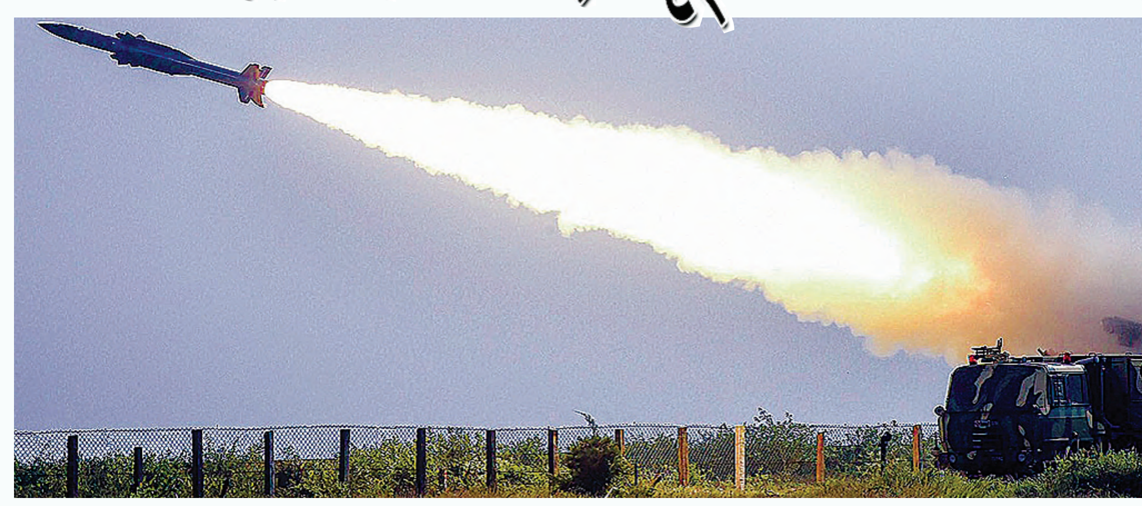

सरकार की तरफ से जारी वक्तव्य में कहा गया कि बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग के दौरान भारत ने यह स्पष्ट किया था कि हमारा जवाब संतुलित था और टकराव बढ़ाने के मकसद से नहीं था। ब्रीफिंग में यह स्पष्ट किया गया था कि हमने पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों को टारगेट नहीं किया है। लिहाजा, अगर भारत के सैन्य ठिकानों पर कोई हमला किया जाता है तो इसका उचित जवाब दिया जाएगा।

आधिकारिक वक्तव्य के मुताबिक, 7 और 8 मई की दरम्यानी रात को पाकिस्तान ने उत्तर और पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। इनमें अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, उत्तरलाई, नाल, फलौदी और भुज शामिल थे। पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों के जरिए इन स्थानों को निशाना बनाया। ▶10पर

पीएम मोदी ने सभी सचिवों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

आपात स्थितियों में व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर देश में परिचालन निरंतरता और संस्थागत मजबूती बनाए रखने के लिए मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया है। इस सिलसिले में प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार के सचिवों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की और स्थितियों की समीक्षा की। सचिवों के साथ बैठक करने के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल से ऑपरेशन सिंदूर के बाद की परिस्थितियों पर चर्चा की। उसके बाद केंद्रीय गृह सचिव ने प्रधानमंत्री से मिलकर उन्हें हालात की विस्तृत जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर राष्ट्रीय तैयारियों और अंतर-मंत्रालयी समन्वय की समीक्षा के लिए आज केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। सचिवों को अपने-अपने मंत्रालय के संचालन की व्यापक समीक्षा करने तथा तत्परता, आपातकालीन प्रतिक्रिया और आंतरिक संचार प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान देने के साथ आवश्यक प्रणालियों के त्रुटिहीन काम-काज को सुनिश्चित करने के निर्देश दिया गया है। सचिवों ने वर्तमान स्थिति में सरकार के समग्र दृष्टिकोण के साथ प्रधानमंत्री को अपनी योजना का ब्यौरा दिया है।

एनएसए ने पीएम मोदी को अद्यतन जानकारियां दीं

सभी मंत्रालयों ने संघर्ष के संबंध में अपनी कार्ययोजनाओं की पहचान की है और प्रक्रियाओं को मजबूत कर रहे हैं। मंत्रालय सभी प्रकार की उभरती स्थितियों से निपटने के लिए तैयार हैं। बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें नागरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना, गलत सूचना और फर्जी खबरों से निपटने के प्रयास और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल था। मंत्रालयों को राज्य अधिकारियों और जमीनी स्तर की संस्थाओं ▶10पर

पाकिस्तान और नेपाल सीमा के राज्यों की सुरक्षा समीक्षा

सीमाई राज्यों में व्यवस्था सुचारू रखने पर जोर

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पाकिस्तान और नेपाल के सीमावर्ती राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों के साथ सुरक्षा स्थितियों की समीक्षा की। बैठक में उपस्थित सभी मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और तीनों सेनाओं का अभिनंदन किया। बैठक में सीमाई राज्यों में अत्यावश्यक सेवाओं मसलन अस्पताल, अग्निशमन आदि के सुचारु संचालन की व्यवस्था दुरुस्त रखने और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने पर मंथन किया गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने सीमाई राज्यों से एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, होमगार्ड्स, एनसीसी आदि को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट रखने को कहा है। सोशल एवं अन्य मीडिया में अवांछनीय तत्वों द्वारा देश विरोधी दुष्प्रचार पर कड़ी नजर रखने और राज्य सरकारों और केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से इस पर त्वरित कार्रवाई किए जाने का निर्णय लिया गया। निर्बाध संवाद बनाए रखने और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को पुख्ता करने पर जोर दिया गया। बैठक में जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के

गृह मंत्री की बैठक में आए मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल

उपराज्यपाल और उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, गुजरात और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री और सिक्किम सरकार के प्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए शामिल हुए। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव, निदेशक, आसूचना ब्यूरो, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक सहित केंद्रीय गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि 22 अप्रैल, 2025 को कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि देश इस आतंकी हमले के गुनहगारों और आतंकवाद के समर्थकों को कड़ा जवाब देगा। ▶10पर

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच दिल्ली में कूटनीतिक हलचल

सऊदी अरब के मंत्री, ईरानी विदेश मंत्री भी आए

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव ने एक और जंग छिड़ने की आशंका पैदा कर दी है। इस वजह से दिल्ली में कूटनीतिक हलचल काफी बढ़ गई है। दुनियाभर के देश भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की कोशिशों में जुट गए हैं। इसी के तहत सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री गुरुवार को अचानक भारत दौरे पर पहुंचे। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी दिल्ली आए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। दुनियाभर के देश शांति बरतने की अपील कर रहे हैं। इस बीच सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री अदेल अलीजुबैर अचानक से दिल्ली पहुंचे हैं। सऊदी अरब के मंत्री के इस दौरे को भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। सऊदी अरब के मंत्री ने नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मुलाकात की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, आज सुबह सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री अदेल अलजुबैर के साथ अच्छी बैठक हुई। आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री के अलावा ईरान के विदेश मंत्री भी भारत दौरे पर पहुंचे हैं। ▶10पर

पाकिस्तान के इंटरटेनमेंट-बेस पर भी भारत की डिजिटल स्ट्राइक

ओटीटी पर पाकिस्तानी फिल्में और वेब सीरीज बैन

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने पाकिस्तान पर डिजिटल स्ट्राइक करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर चल रहे पाकिस्तानी वेबसीरीज, गाने और अन्य डिजिटल सामग्रियों को तुरंत बंद करने करने के निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि राष्ट्रहित में ओटीटी प्लेटफॉर्म से सभी तरह के पाकिस्तानी कंटेंट हटा दिए जाएं। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर किया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गुरुवार को जारी निर्देश में कहा कि भारत में हुए कई आतंकी हमलों में पाकिस्तान स्थित सरकारी और गैर-सरकारी तत्वों हाथ रहा है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में भारत में संचालित सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म, मीडिया स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को सलाह दी जाती है कि वे पाकिस्तान से आने वाली वेब-सीरीज, फिल्में, गाने, पॉडकास्ट और अन्य स्ट्रीमिंग मीडिया सामग्री को तत्काल प्रभाव से बंद कर दें, चाहे वे सदस्यता आधारित मॉडल पर ही क्यों न उपलब्ध हों। मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम-2021 के तहत आचार संहिता का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी सामग्री को प्रदर्शित करने से पहले विवेक और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। ऐसी सामग्री जो भारत की संप्रभुता और अखंडता को प्रभावित करती हो और जो राज्य की सुरक्षा को खतरे में डालती हो उसे सोशल मीडिया पर दिखाने से बचना चाहिए।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए केंद्र सरकार ने यह अहम निर्णय लिया है। सरकार ने सभी ओटीटी प्लेटफॉर्मों को निर्देश दिया है कि वे किसी भी तरह की पाकिस्तानी सामग्री जैसे गाने, पॉडकास्ट, वेब सीरीज, ▶10पर

300 करोड़ की लागत से बनी मिसाइल यूनिट तैयार

अब लखनऊ में शीघ्र बनेंगी ब्रह्मोस मिसाइलें

लखनऊ, 08 मई (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते भारत अब अपनी सामरिक क्षमता को और धार दे रहा है। दुनिया की सबसे विध्वंसक मानी जाने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का निर्माण अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में होगा। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर 11 मई को ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण यूनिट का उद्घाटन कराने की तैयारी है।

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना का संचालन कर रही यूपीडा के एसीईओ श्रीहरि प्रताप शाही ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरूप, प्रदेश सरकार की ओर से ब्रह्मोस मिसाइल की मैनुफैक्चरिंग के लिए भूमि निशुल्क उपलब्ध कराई गई है और यूनिट के विकास पर लगातार नजर रखी गई है। मात्र साढ़े तीन वर्ष में यह यूनिट बनकर उत्पादन के लिए तैयार है। लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस के साथ ही अन्य डिफेंस इक्विपमेंट्स बनाए जाने की तैयारी है, जो डिफेंस सेक्टर में लखनऊ और उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान देने का काम करेगा। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की यह यूनिट 300 करोड़ रुपए के निवेश से तैयार हुई है ▶10पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY

वी. कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी. कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की चौथे कार्यकाल की बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में सफलता पूर्वक आयोजित की गई। बैठक की शोभा जे.एल.डब्ल्यू. की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड की उपस्थिति ने बढ़ाई। बैठक की मुख्य वक्ता, वास्तु एस्ट्रोलॉजर शिखा जैन रहीं, जिन्होंने स्वर विज्ञान विषय पर प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक सत्र लिया।

उन्होंने इस प्राचीन विद्या के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आंतरिक शांति प्राप्त करने के प्रभावशाली उपाय साझा किए। सदस्य स्पॉटलाइट सेशन में निकिता जैन, संस्थापक कारवा स्टोर्स ने अपने ब्रांड की यात्रा साझा की और बताया कि किस प्रकार उनके डिजाइनों में रीसाइक्लिंग, अनुकूलन और बी2बी समाधान जैसे सिद्धांतों के माध्यम से फैशन में नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा दिया जा रहा है। बैठक में एक नए सदस्य का गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिससे समूह की शक्ति और विविधता में वृद्धि हुई। बैठक के अन्य मुख्य अंशों में सदस्यों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ 30-सेकंड पिच का खिताब मोक्षा सोलंकी को उनके प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण के लिए प्रदान किया गया। व्यवसायिक सहयोग की भावना को आगे बढ़ाते हुए, रंजना डोडिया ने सर्वाधिक व्यवसाय देकर उल्लेखनीय योगदान दिया। वहीं, पिंकी मेहता ने सबसे अधिक रेफरल देकर नेटवर्किंग की भावना को सशक्त किया और समूह के सामूहिक विकास में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया और रेफरल सचिव सुखदेवी जैन ने किया। बैठक का समापन राष्ट्रगान एवं खुले नेटवर्किंग सत्र के साथ हुआ, जिसने सदस्यों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत किया।

एसबीसी डिवीजन के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाए गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), दक्षिण पश्चिम रेलवे, बेंगलूरु डिवीजन और राजकीय रेलवे पुलिस ने डिवीजन भर के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा उपायों को सफलतापूर्वक लागू किया। यह बढ़ी हुई सुरक्षा व्यवस्था रेल मंत्रालय के निर्देशों के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य संभावित खतरों और आपात स्थितियों के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल की तैयारियों और प्रतिक्रिया तंत्र का आकलन और उसे मजबूत करना है। इस अभ्यास के मद्देनजर, एसबीसी डिवीजन में आरपीएफ ने केएसआर बेंगलूरु, यशवंतपुर, एसएमवीटी, बेंगलूरु कैंट, कृष्णराजपुरम, येलहंका, बांगरपेट, मांड्या, सत्य शांति प्रशांति निलयम और अन्य स्टेशनों सहित प्रमुख स्टेशनों के प्रवेश और निकास बिंदुओं पर गहन जांच और निगरानी की। त्वरित

प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) की तैनाती और स्टेशन परिसर में और उसके आसपास गश्त बढ़ाई गई और फ्लैग मार्च किया गया। हैंडहेल्ड और स्थिर स्कैनर का उपयोग करके रैंडम बैगेज स्क्रीनिंग की जा रही है।

स्टेशन की लाइव गतिविधि पर नजर रखने के लिए एकीकृत नियंत्रण कक्षों के माध्यम से सीसीटीवी निगरानी बढ़ाई गई। आरपीएफ, जीआरपी, स्थानीय पुलिस और स्टेशन कर्मचारियों के बीच समन्वय का मूल्यांकन करने के लिए नकली खतरे के परिदृश्य बनाए गए। यात्रियों के सहयोग और न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक घोषणाएँ और जागरूकता उपाय किए गए।

आरपीएफ ने सुनिश्चित किया कि सभी सुरक्षा संचालन यात्रियों को कम से कम असुविधा के साथ किए जाएँ, सुरक्षा और सेवा के बीच संतुलन बनाए रखें। इस अभ्यास ने परिचालन तत्परता के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल में सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने में मदद की। दक्षिण पश्चिम रेलवे, एसबीसी डिवीजन, यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, और रेलवे की संपत्तियों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में सतर्क और सक्रिय बना हुआ है।

आचार्य जी के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय श्री जैन श्वे मूर्तिपूजक युवक महा संघ के सदस्यों ने वैशाख सूद 11 जिन शासन स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में देवनहल्ली श्री पद्मावती प्राण दया ट्रस्ट गौशाला में गायों को घास खिलाया एवं सिद्धाचल स्थूलभद्र धाम जैन तीर्थ में आचार्य श्री चंद्रयश सूरीश्वर जी की निश्रा में शासन ध्वजः फहराया। साथ ही आचार्य जी के दर्शन वंदन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

कैलाश संखलेचा ने बताया कि सिद्धाचल धाम में परमात्मा की पूजा अर्चना कर दर्शन का लाभ भी लिया गया। इस शुभ अवसर पर युवक महा संघ के अध्यक्ष मनोज बाफना, मंत्री आशीष बाफना, मुकेश परलेचा, सुरेश लखानी, पदम भूरट, अशोक गांधी, दिलीप भंडारी, प्रवीण लुंकड़, कैलाश बाफना, सुरेश चौधरी, गौरव संचेती, गौरव भंडारी, निखिल भंडारी, पदम बाफना, भावना बाफना, सारिका लुंकड़, ममता लखानी, प्रेमा भूरट, त्रिशला बाफना आदि सदस्य मौजूद थे।

जियानी ब्लेजर्स ने जीता गजानन कप, महिलाओं में जियानी सुपर किंग्स ने बाजी मारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के पोरवाल जैन संघ द्वारा युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने हेतु आयोजित गजानन कप बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन पारितोषिक वितरण के साथ हुआ।

लगातार तीन सप्ताह तक चली इस प्रतियोगिता के पुरषों का खिताब जियानी ब्लेजर्स ने जियानी सुपर किंग्स को हराकर जीता। वहीं महिलाओं की श्रेणी में जियानी सुपर किंग ने नरेश फार्मा टीम को हराकर बाजी मारी। प्रतियोगिता के मुख्य आकर्षण किशोर श्रेणी में नरेश फार्मा टीम को सफलता मिली। पुरषों की श्रेणी में नमन जैन को बेस्ट बल्लेबाज, ऋषभ मरलेचा को बेस्ट गेंदबाज एवं विशाल राठौड़ को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया। वहीं महिलाओं की

श्रेणी में निशी पोरवाल को बेस्ट बल्लेबाज, देशना परमार को बेस्ट गेंदबाज व निशी पोरवाल को वूमेन ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। प्रतियोगिता के संचालन में पोरवाल संघ की युवा समीति का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह के आर रोड स्थित बेंगलूरु कॉलेज के सभागार में सूरत के स्ट्रिंग एंड स्टोरीज द्वारा रंगारंग प्रस्तुति के साथ आयोजित किया गया।

जिसमे बेंगलूरु के प्रबुद्ध गणमान्यों को आमंत्रित किया गया। पोरवाल संघ के अध्यक्ष जसवंतराज पोरवाल एवं मंत्री हीरालाल कोठारी ने प्रतियोगिता के चौथे संस्करण का मुख्य प्रायोजक बनने के लिये गजानन ग्रुप ऑफ कंपनीज के अशोक गजानन परिवार का आभार व्यक्त किया।

प्रतियोगिता के पांचवें संस्करण हेतु मुख्य प्रायोजक के रूप में डीके जैन के नाम की घोषणा भी की गई।

इस अवसर पर मुख्य प्रायोजक अशोक गजानन ने कहा कि समाज के युवाओं व महिलाओं के कौशल उत्थान के साथ अन्य जरूरी कार्यों में सहयोग के लिये उनका परिवार हमेशा सहयोग हेतु प्रतिबद्ध है। प्रतियोगिता में प्रायोजक के रूप में अवसर प्रदान करने के लिये उन्होंने संघ को धन्यवाद दिया। पारितोषिक वितरण समारोह में समाज सेवी प्रकाश सिंघवी, नरेश निबजिया एवं सिद्धार्थ बोहरा ने कविताओं व शायरी के माध्यम से लोगों का मन मोहा। संचालन सूरत की विधि जैन ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्याम मंदिर बेंगलूरु धाम में गुरुवार को बैशाखी मोहिनी एकादशी पर बाबा श्याम का फुलों से मनमोहक श्रृंगार किया गया। दोपहर 4.15 बजे से मन्दिर प्रांगण में भजनों की गंगा बही। जिसमें स्थानीय गायकों ने बाबा श्याम को भजनों से रिझाया। सायं 7.15 बजे आरती हुई। बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किए।

एक कदम स्वावलंबन की ओर त्रैमासिक साप्ताहिक कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा योजना उड़ान (सुनहरा भविष्य)- एक कदम स्वावलंबन की ओर त्रैमासिक साप्ताहिक कार्यशाला अकम्मा देवी आश्रम में कन्याओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। दिसंबर माह से प्रारंभ हुई कार्यशाला मार्च महीने तक चली। इसके अंतर्गत मेहंदी डिजाइन, कैंडल मेकिंग, स्क्रैपबुक मेकिंग, केक पेस्ट्री मेकिंग, चॉकलेट मेकिंग इत्यादि का प्रशिक्षण मोना मांडोत, तन्वी मांडोत, ज्योति पींचा, खुशी श्याम सुखा, उर्वशी पुगलिया द्वारा दिया गया। मंडल द्वारा प्रशिक्षण देने वालों का प्रशस्ति पत्र एवं जैन पट्ट से सम्मान किया गया।

साथ ही आश्रम द्वारा तेरापंथ महिला मंडल को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया तथा महिला मंडल के इस प्रयास की सराहना करते हुए भूरी- भूरी प्रशंसा की। प्रशिक्षण लेने वाली कन्याओं ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए महिला मंडल के प्रयास की सराहना की तथा प्रशिक्षण देने वाली कन्याओं ने भी अपने अनुभव साझा किये।

आश्रम द्वारा सम्मान पत्र एवं पट्ट उढाकर मंडल की अध्यक्षा मंजू गादियां एवं मंत्री दीपिका गोखरू का सम्मान किया गया। अध्यक्ष ने बताया कि मंडल की ओर से आश्रम को ओटीजी, ब्लेंडर और बटर पेपर दिया गया है, जिससे आश्रम की बहनें केक, बिस्किट, पेस्ट्री आदि बनाकर रोजगार प्रारंभ कर सकती हैं। इसके साथ ही अध्यक्ष ने प्रशिक्षण ग्रहण करने वाली बहनों से कहा कि आपने जो भी प्रशिक्षण लिया है उसे उपयोग करते हुए आत्मनिर्भर बने और आगे बढ़े। उन्होंने प्रशिक्षण देने वाली बहनों का भी धन्यवाद व्यापित करते हुए प्रेरणा दिया कि आगे भी वह इस तरह के कार्यों से निस्वार्थ भाव से जुड़ी रहे।

आश्रम की मेंटर शीला ने भी मंडल के कार्यों के लिये धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम में मंडल की उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया, मंत्री ललित डागा, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ आदि की उपस्थिति रही।

मातृछाया ने कामधेनु गौशाला में की गौ सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मातृछाया जैन महिला संगठन की सदस्याओं ने चिक्कमगलूरु के एक छोटे से गाँव हरीहरपुर में कामधेनु गौशाला का सर्वेक्षण किया। मौके पर उपस्थित होकर गौवंशों को चारा खिलाया और सेवा कार्य में भागीदारी निभाई। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य गौशाला की भौतिक स्थिति का मूल्यांकन करना, स्थानीय जनों की भागीदारी, गौमाता की सेवा में आ रही चुनौतियों और भावी सुधारात्मक उपायों को समझना था। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि मातृछाया ने संपूर्ण परिसर का निरीक्षण किया और प्रबंधन शैलेष होला से संवाद कर प्रमुख जरूरतों को रेखांकित किया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि कामधेनु गौशाला में गायों की एक ही प्रजाति मलेनाडु गीडा सैकड़ों गौमाताओं का आश्रय स्थल है। गाये कद में छोटी व एकदम कमजोर नस्ल वाली हैं। सांस्कृतिक और जैविक परंपरा की धरोहर भी है। मातृछाया ने आगामी एक वर्ष तक चारा, पानी और आश्रय स्थल का दायित्व स्वीकार किया। गौशाला के प्रबंधन ने मातृछाया के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग इस केंद्र को और अधिक सक्षम, स्वावलंबी और सेवामुखी बनाएगा। इस अवसर पर ललीता नागोरी, पुष्पा, मीना सोलंकी, त्रिशला कोठारी समेत अन्य सदस्याएं मौजूद थी।

आठ वर्षीय लड़के की हत्या के आरोप में सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि 36 वर्षीय सुरक्षा गार्ड को अपने पड़ोसियों से बदला लेने के लिए कथित तौर पर आठ वर्षीय लड़के की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान चंदेश्वर माटुर के रूप में हुई है, जो बिहार का रहने वाला है और रायसांद्रा में एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में काम करता था। पीड़ित रामानंद भी बिहार का ही रहने वाला है और अपने परिवार के साथ उसी इलाके में रहता था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, घटना तब सामने आई जब बुधवार शाम करीब 7 बजे रामानंद लापता हो गया। उसके परिवार ने स्थानीय लोगों की मदद से उसकी तलाश शुरू की और पड़ोसियों के साथ पिछले झगड़ों का हवाला देते हुए चंदेश्वर की संलिप्तता पर संदेह जताया। अधिकारी ने कहा हमने चंदेश्वर सहित कई लोगों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने अपना अपराध कबूल कर लिया और बताया कि उसने शव को रायसांद्रा झील में फेंक दिया था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रामानंद अक्सर चंदेश्वर की स्कूल जाने वाली बेटियों से झगड़ा करता था। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद, लड़के ने कथित तौर पर उन्हें परेशान करना जारी रखा, जिससे चंदेश्वर नाराज हो गया। बुधवार शाम को, उसने रामानंद को पास की झील में बहला-फुसलाकर ले गया, उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और शव को पानी में फेंक दिया। घंटों की तलाशी के बाद, पुलिस ने बच्चे के शव को झील से बरामद किया। चंदेश्वर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है, जिसे हिरासत में ले लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सिद्धिविनायक गेलेयारा बलेगा एवं डॉ. राजकुमार अभिमानी संघ के संयुक्त तत्वावधान में केपी अग्रहरा में श्री बड़े महाकाली देवी उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

संवेदनशील इलाकों में अलर्ट जारी

कर्नाटक केंद्रीय दिशा-निर्देशों का पालन कर रहा है: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत द्वारा पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए जाने के बाद, कर्नाटक सरकार ने केंद्रीय दिशा-निर्देशों के अनुसार अभ्यास शुरू कर दिया है और संवेदनशील प्रतिष्ठानों और महत्व-पूर्ण बुनियादी ढांचे पर सुरक्षाकर्मी अलर्ट की स्थिति में हैं। मांड्या जिले में मद्दुर के पास गेजलगेरे में गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने यह बात कही। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सिद्धरामैया - जो जिले में कुछ आधिकारिक और निजी कार्यक्रमों में भाग लेंगे - ने कहा कि केंद्र द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जा रहा है और सुरक्षा प्रोटोकॉल के हिस्से के रूप में बांधों जैसे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हम पूरे कर्नाटक में हाई अलर्ट पर हैं। केंद्र से मिले निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है। किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती अभ्यास किए जा रहे हैं। मुजराई विभाग के अंतर्गत आने वाले मंदिरों में विशेष प्रार्थनाओं के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में सिद्धरामैया ने कहा कि मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने उनसे सलाह-मशविरा करके यह

फैसला लिया है। राज्य में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की स्थिति के बारे में भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में रह रहे लगभग सभी पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासित कर दिया गया है। सिद्धरामैया ने कहा, केवल कुछ लोगों ने, खास तौर पर मैसूरु में, अदालतों का दरवाजा खटखटाकर कानूनी रास्ता अपनाया है। उन मामलों के अलावा, निर्वासन प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से अंजाम दिया गया है। लेकिन मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि राज्य में अभी भी कितने लोग ऐसे हैं। ज्ञातव्य है कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को तीन नाबालिग पाकिस्तानी नागरिकों द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया, जिसमें अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि उन्हें 15 मई तक मैसूरु में रहने की अनुमति दी जाए और तब तक उनके खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न की जाए, क्योंकि वे 12 मई को होने वाले विवाह समारोह में भाग लेने के बाद भारत छोड़ देंगे। न्यायमूर्ति एम.जी. उमा की अवकाश पीठ ने बीबी यामिना (8), मुहम्मद मुदस्सिर (4) और मुहम्मद यूसुफ (3) द्वारा दायर याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया, जो सभी बलूचिस्तान, पाकिस्तान के स्थायी निवासी हैं। याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व उनकी भारतीय मां रमशा जहान कर रही हैं, जो मैसूरु की मूल निवासी हैं और 2015 में अपनी शादी के बाद से अपने पति मुहम्मद फारूक के साथ रह रही हैं, जो पाकिस्तानी नागरिक हैं। नाबालिग बच्चे अपनी मां के साथ 4 जनवरी, 2025 को 17 फरवरी, 2025 तक वैध वीजा पर मैसूरु आए थे। बाद में उनका वीजा 18 जून, 2025 तक बढ़ा दिया गया। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता अपनी मां के साथ 28 अप्रैल को अटारी सीमा पर पहुंचे थे, क्योंकि पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के मद्देनजर सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 30 अप्रैल तक भारत छोड़ने के लिए कहा गया था। हालांकि, चूंकि उनके पिता उन्हें सीमा पर लेने नहीं आए और पाकिस्तान ने अपने नागरिकों के लिए भी अपनी सीमा बंद कर दी थी, इसलिए याचिकाकर्ता-बच्चे मैसूरु लौट आए। इसके बाद याचिकाकर्ता की मां ने मैसूरु शहर के पुलिस आयुक्त के माध्यम से अधिकारियों को पत्र लिखकर बच्चों का वीजा 15 मई तक बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसके बाद वे 11/12 मई को मैसूरु में होने वाली अपनी मौसी की शादी के लिए भारत छोड़ देंगे, जिसके लिए वे मूल रूप से पाकिस्तान से भारत आए थे।

माफी मांगना काफी नहीं है

कन्नड़ फिल्म निर्माता ने सोनू निगम के गाए दो गानों को बदला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ निर्देशक के रामनारायण ने गुरुवार को कहा कि गायक सोनू निगम की माफी काफी नहीं है, उन्हें ऐसे कठोर शब्द कहने के लिए परिणाम भी भुगतने होंगे। रामनारायण ने कहा कि उन्होंने अपनी आगामी फिल्म कुलादल्ली कील्यावुडो में निगम के गाए दो गानों को ट्रैक वर्जन से बदल दिया है। रामनारायण ने कहा, माफी मांगने से काम नहीं चलेगा। पहलगाम में हुई राष्ट्रीय त्रासदी को कन्नड़ गौरव से जोड़ना बहुत बड़ी गलती है। उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। उनके अनुसार, उनकी नवीनतम फिल्म कुलादल्ली कील्यावुडो, जो 23 मई से सिनेमाघरों में आने वाली है, ने फिल्म के प्रचार के लिए पहले ही तीन गाने जारी कर दिए हैं - जिनमें से दो निगम के हैं। रामनारायण ने कहा वास्तव में, उन्होंने शीर्षक गीत गाया, जो संभवतः सबसे प्रसिद्ध कन्नड़ गीत के लिए एक श्रद्धांजलि है, जिसे महान अभिनेता राजकुमार की 1965 की फिल्म सत्य हरिश्चंद्र में दिखाया गया था। मूल कुलादल्ली कील्यावुडो कन्नड़ फिल्म उद्योग के लिए बहुत पवित्र है - हमारे ऑर्केस्ट्रा गाने रिकॉर्ड करते समय इस गीत को बजाते हैं। यह गीत

निगम जैसे किसी व्यक्ति द्वारा कैसे गाया जा सकता है जो हमारे बारे में इतना कम सोचता है। निर्देशक ने कहा कि निगम द्वारा गाए गए दोनों गाने - दूसरा 'मनसु हादताडे' है - को ट्रैक सिंगर संस्करणों से बदला जा रहा है। रामनारायण ने कहा ट्रैक सिंगर चेतन सोस्का हैं।

हमें वास्तव में दोनों गानों के ट्रैक संस्करण पसंद आए, जिन्हें हमने निगम को भेजा था ताकि उन्हें धुन का अंदाजा हो सके। अब, हम उन्हें ठीक कर रहे हैं, ताकि हम उन्हें चेतन की आवाज के साथ रिलीज कर सकें। संगीत निर्माण में, एक ट्रैक सिंगर एक गायक को संदर्भित करता है जो शुरू में एक गाने के लिए गायन प्रदर्शन रिकॉर्ड करता है, अक्सर एक डेमो के रूप में। कुलादल्ली कील्यावुडो' को निर्माताओं ने पहले ही यूट्यूब से हटा दिया है, लेकिन निगम का 'मनसु हादताडे' का संस्करण अभी भी उनके यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है। निगम के साथ मेरा बहुत पुराना रिश्ता है, जिन्होंने कन्नड़ में 1,000 से ज्यादा गाने गाए हैं। कन्नड़ स्टार सुदीप किच्चा और राम्या के साथ फिल्म मुसांजे माटू के लिए मैंने जो गाना लिखा था, उसे निगम ने लगभग 12 साल पहले गाया था। ब्लॉकबस्टर 'टायसन' सहित सात फिल्मों के निर्देशक ने कहा कि इस गाने ने निगम के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। हम सभी उस समय उनके लिए बहुत खुश थे। वह उस पुरस्कार के हकदार थे। ठीक वैसे ही जैसे आज, उन्हें कन्नड़ इंडस्ट्री से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। उनके जैसे कद के लोगों को दूसरों पर चोट पहुँचाने वाले शब्द फेंकने से पहले थोड़ा और सोचना चाहिए। निगम ने सोमवार को बेंगलूरु कॉन्सर्ट विवाद के बाद माफी मांगी थी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर की और कहा कि कर्नाटक के लिए उनका प्यार उनके अहंकार से बड़ा है।

पुलिस कमिश्नर ने दी चेतावनी

सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाली सामग्री पोस्ट करने से पहले सोचें

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नरेट ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप ग्रुप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सांप्रदायिक नफरत, झूठी सूचना और धमकी भरे संदेश फैलाने के खिलाफ जनता को कड़ी चेतावनी जारी की है, क्योंकि हाल के दिनों में इस तरह के अपराधों के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा कि पुलिस विभाग इस मामले को पूरी गंभीरता से ले रहा है। पिछले एक हफ्ते में ही विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 30 से अधिक ऐसे मामले दर्ज किए गए हैं। सीईएन क्राइम पुलिस स्टेशन के एसीपी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल इन मामलों की जांच कर रहा है और कई व्यक्तियों से पहले ही पूछताछ की जा चुकी है। अग्रवाल ने कहा कि कुछ अपराधी फर्जी प्रोफाइल या विदेशों में पंजीकृत खातों के माध्यम से दुर्भावनापूर्ण सामग्री पोस्ट कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे खातों का भी पता लगाया जा सकता है और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है, चाहे वे कहीं भी बनाए गए हों। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करने से पहले अपने भविष्य और करियर के बारे में सोचने का आग्रह किया। पुलिस आयुक्त ने नागरिकों से घृणास्पद सामग्री को फॉरवर्ड करने से बचने का आग्रह किया। इसके बजाय, उन्हें ऐसे पोस्ट की सूचना सीईएन पुलिस स्टेशन को देनी चाहिए और अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने में मदद करने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करनी चाहिए। ऐसे अपराधों को रोकने के लिए, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 126 और 129 के तहत निवारक उपाय लागू किए जा रहे हैं। आरोपियों से एक निश्चित अवधि के लिए अच्छे व्यवहार का वादा करते हुए वचन पत्र पर हस्ताक्षर करवाए जा रहे हैं। इस अवधि के दौरान बार-बार अपराध करने पर जुर्माना या कारावास हो सकता है। मेंगलूरु को एक शांतिपूर्ण, वैध और एकजुट शहर बनाए रखने में सभी के सहयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए, आयुक्त ने जनता से सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से उपयोग करने की अपील की।

भाजपा केपीएससी परीक्षार्थियों के संघर्ष का समर्थन करेगी: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने घोषणा की कि भाजपा केपीएससी परीक्षा देने वाले छात्रों के साथ खड़ी रहेगी, चाहे उन्हें अपने साथ हुए अन्याय के विरोध में कोई भी संघर्ष क्यों न करना पड़े। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र, मैं और विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार की मौजूदगी में परीक्षार्थियों के साथ बैठक हुई थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने साथ हुए अन्याय के बारे में हमें विस्तार से बताया है। लगभग 70,000 लोगों ने कन्नड़ में परीक्षा दी थी। 70-80 प्रश्न गलत छपे थे, जो उनके प्रति अनुचित है। केवल कुछ ही लोग अदालत गए हैं। उन्होंने बताया कि पुनः जांच के भी आदेश दिए गए हैं।

उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सरकार कहती कुछ है और करती कुछ और है। उच्च सदन में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह छात्रों के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि वे अदालत का आदेश देखने के बाद पुनः जांच करेंगे। हालांकि, उन्होंने अदालत के आदेश के बावजूद कार्रवाई न करने के लिए सीएम की आलोचना की।

पिछली परीक्षा की उत्तर पु-स्तिकाएं समय पर वितरित नहीं की गईं। जब छात्रों ने पूछताछ की तो उन्हें पीटते और जीप में डालते हुए देखा था। क्या पूछताछ किये जाने वालों को बंदी बनाये रखना उचित है? उन्होंने पूछा कि क्या पुलिस के माध्यम से उन्हें जेल में डालना ठीक होगा। यह एक सांठगांठ वाली सरकार है। यह कोई योजना सरकार नहीं है। यहां तक कि सेवानिवृत्त अधिकारी जो संपन्न थे और जिनके पास धन था, उन्हें भी नहीं छोड़ा जा रहा है। उन्होंने मजाक में कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि नए लोगों को जबरन वसूली का कोई अनुभव नहीं था।

भीषण सड़क दुर्घटना में 6 लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हावेरी जिले के ब्यादगी के पास गुरुवार सुबह हुए एक भीषण हादसे में कार सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह भीषण दुर्घटना सुबह करीब 11.30 बजे हुई जब राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर हावेरी जिले के मोटेबेन्नूर के पास एक तेज रफ्तार कार ने आगे चल रही एक लॉरी को टक्कर मार दी। कार में दो पुरुष, दो बच्चे और चार महिलाएं सवार थीं। इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। खबर मिलने पर ब्याडगी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा कार में फंसे छह लोगों के शवों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और मृतक के बारे में अधिक जानकारी एकत्र कर रही है। यह पाया गया कि दुर्घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए वाहनों की आवाजाही बाधित रही।

आज पूरे कर्नाटक की मस्जिदों में विशेष नमाज होगी: जमीर अहमद खान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमीर अहमद खान ने कहा कि देश की रक्षा के लिए चलाए गए अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' में शामिल भारतीय सैनिकों के लिए शुक्रवार को कर्नाटक की मस्जिदों में विशेष नमाज होगी। यह निर्देश 7 मई को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों को निशाना बनाकर की गई भारत की सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर दिया गया है। खान ने बताया कि देश के वीर सैनिकों की सलामती और मजबूती के लिए वक्फ बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी मस्जिदों और कर्नाटक की अन्य मस्जिदों में शुक्रवार की विशेष नमाज होगी। खान ने वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर मस्जिदों में नमाज पढ़ने का निर्देश भी दिया है। कर्नाटक के मुजराई और परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बंदोबस्ती विभाग के आयुक्त को भारतीय सेना के सम्मान में मुजराई विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी मंदिरों में विशेष प्रार्थना आयोजित करने का निर्देश दिया। यह अभियान कथित तौर पर पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में चलाया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी।

विजयेंद्र ने ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता के लिए प्रार्थना की

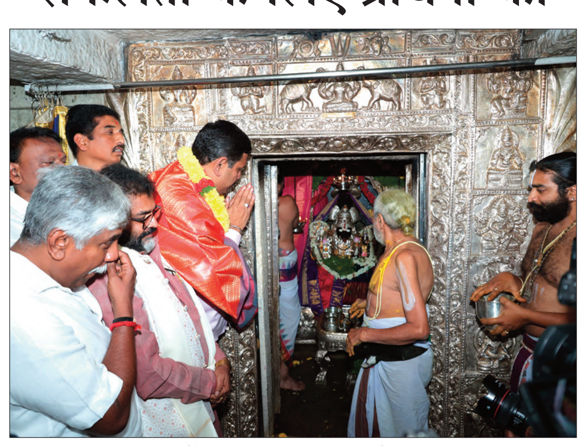

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साहसिक निर्णय से आतंकवादियों के सफाए के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू हो गया है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा हम, हमारे पार्टी नेताओं ने, मल्लेश्वरम में श्री लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी में बड़ी श्रद्धा के साथ प्रार्थना की है। मोदी ने आतंकवादियों के ठिकानों को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ इसकी शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि वह सैनिकों को शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना करते हैं। आज विश्व भारत की ओर देख रहा है। आतंकवाद केवल भारत तक ही सीमित नहीं है। आतंकवाद दुनिया भर के अन्य देशों को एक दुःस्वप्न की तरह सता रहा है। उन्होंने कहा कि वह इसके खत्म होने के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी जिलों, तालुकों और मंडलों में कार्यकर्ता पूजा करेंगे। इस मौके पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, विधान परिषद के पूर्व सदस्य वाई.ए. नारायणस्वामी, भाजपा के राज्य मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, पूर्व राज्य सचिव जगदीश हिरेमनी, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश और पार्टी नेता उपस्थित थे।

परमाणु संयंत्रों और बांधों की सुरक्षा बढ़ाई गई: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि रायचूर थर्मल पावर प्लांट, कैगा परमाणु ऊर्जा संयंत्र और केआरएस बांध समेत कई स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमारे पास कुछ विशेष बल हैं। उन्हें कमांडो के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। औद्योगिक सुरक्षा बल भी एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित संगठन है। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मियों को सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात किया जाएगा। राज्य में सुरक्षाकर्मियों की संख्या पर्याप्त है। हम मौजूदा कर्मचारियों का उपयोग कर रहे हैं। हमें अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता है। लेकिन ऐसे मामले में किसी को अचानक भर्ती करके सुरक्षा में नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने कहा कि इसमें कम से कम एक वर्ष लगेगा। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य के 3 जिलों में मॉक ड्रिल आयोजित की गई है। शुक्रवार तक विभिन्न जिलों में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। बेंगलूरु में एक नकली अग्निशमन दल का प्रदर्शन आयोजित किया गया। हमने मॉक ड्रिल के लिए मैसूरु को एक अतिरिक्त स्थान के रूप में चुना है। उन्होंने कहा कि खुफिया सूचना के आधार पर मॉक ड्रिल के लिए जिलों का चयन किया गया। जिला पुलिस प्रमुखों को अधिक सतर्क रहने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। तदनुसार तैयारियां कर ली गई हैं। इस समय अग्निशमन विभाग में वाहनों और कर्मियों की कमी पर चर्चा करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भर्ती और बुनियादी ढांचे की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना रिपोर्ट पर चर्चा हो सकती है। उन्होंने कहा कि एजेंडा अभी तक नहीं आया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम के खिलाफ मुडा मामला लंबा खिंचा

लोकायुक्त ने मांगा और समय, कोर्ट ने 29 मई तक स्थगित की सुनवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजनीतिक भूचाल लाने वाले एक मामले में विधायकों और सांसदों के लिए विशेष अदालत ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उनकी पत्नी और अन्य से जुड़े मुडा भूमि आवंटन मामले में विवादास्पद क्लोजर रिपोर्ट पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई 29 मई तक टाल दी। यह स्थगन कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा अपनी जांच पूरी करने के लिए और समय मांगने के लिए एक औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत करने के बाद हुआ है, जबकि देरी के बारे में संदेह जताया जा रहा है। इससे पहले, 15 अप्रैल को, अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा था कि वह लोकायुक्त की जांच पूरी होने के बाद ही क्लोजर रिपोर्ट पर कोई फैसला करेगी। हालांकि, 7 मई की समय सीमा तक कोई अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण, अदालत ने फिर से सुनवाई स्थगित करने पर सहमति व्यक्त की।

इस बीच, याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा, जो अंतरिम रिपोर्ट में सीएम सिद्धरामैया और अन्य को दी गई क्लीन चिट को लगातार चुनौती दे रही हैं, ने सीआरपीसी की धारा 200 के तहत एक नई याचिका दायर की। उन्होंने जांच एजेंसी पर जानबूझकर कार्यवाही में देरी करने का आरोप लगाया और संभावित कवर-अप की आशंका व्यक्त की। उनकी याचिका में कहा गया है मुझे संदेह है कि सबूतों के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है या उन्हें नष्ट किया जा सकता है। इसलिए, मैं अदालत से अनुरोध करता हूं कि प्रस्तुत रिपोर्ट को अंतिम माना जाए, मेरे द्वारा प्रदान की गई आपत्तियों और दस्तावेजों का संज्ञान लिया जाए, मुझे अपनी दलीलें पेश करने की अनुमति दी जाए और उचित आदेश जारी किए जाएं। उन्होंने आगे तर्क दिया कि मुख्यमंत्री या अन्य आरोपियों को फंसाने वाली अंतिम रिपोर्ट की संभावना बेहद असंभव है, क्योंकि अंतरिम क्लीन चिट पहले ही जारी की जा चुकी है। आग में घी डालते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी अनियमितताओं और जवाबदेही की कमी का हवाला देते हुए क्लोजर रिपोर्ट पर आपत्ति जताई है। ईडी की भागीदारी ने मामले को और अधिक राजनीतिक बना दिया है, अब इसमें हस्तक्षेप करने का उसका कानूनी अधिकार भी न्यायिक जांच के दायरे में है।

लोकायुक्त के वकील ने तर्क दिया कि ईडी को इस मामले में पीड़ित पक्ष नहीं माना जा सकता है और उसके पास आपत्ति दर्ज करने का कानूनी अधिकार नहीं है। हालांकि, अदालत ने फैसला सुनाया है कि ईडी की आपत्तियों पर विचार किया जा सकता है।

कलबुर्गी में एसएसएलसी और पीयूसी परिणामों में सुधार के लिए कार्य योजना तैयार करें अधिकारी: खड़गे

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में एसएसएलसी और पीयूसी परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय गिरावट के मद्देनजर, ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री और कलबुर्गी जिले के प्रभारी प्रियांक खड़गे ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जिले में शैक्षणिक परिणामों को बेहतर बनाने के लिए एक व्यापक खाका तैयार करने का निर्देश दिया। बेंगलूरु में अपने कार्यालय में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की प्रमुख सचिव वी. रश्मि और विभाग के अतिरिक्त आयुक्त (कलबुर्गी डिवीजन) आकाश एस के साथ आयोजित एक बैठक के दौरान, मंत्री ने जिले के शैक्षिक मानकों को बढ़ाने के उद्देश्य से रणनीतिक कार्यक्रमों को लागू करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। इस साल एसएसएलसी और पीयूसी में कलबुर्गी के खराब प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए, मंत्री ने कहा कि परीक्षा परिणामों ने जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए तत्काल ध्यान और हस्तक्षेप की आवश्यकता को उजागर किया है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा सामाजिक प्रगति का एक महत्व-पूर्ण संकेतक है और यह सामाजिक और आर्थिक कारकों से काफी प्रभावित है। मापनीय शैक्षणिक प्रगति के महत्व पर जोर देते हुए, मंत्री ने अधिकारियों को जिले की शैक्षिक कमियों का गहन अध्ययन करने और प्रभावी समाधान तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लें और सीखने के परिणामों में पर्याप्त सुधार सुनिश्चित करें। इस उद्देश्य के लिए, मंत्री ने शिक्षा विभाग को चालू शैक्षणिक वर्ष के लिए एक जिला-विशिष्ट कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया है, जिसमें कलबुर्गी में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

कर्नाटक लोकायुक्त ने चार सरकारी अधिकारियों पर छापे मारे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक लोकायुक्त ने गुरुवार को चार जिलों में चार सरकारी अधिकारियों की संपत्तियों पर एक साथ छापे मारे। यह कार्रवाई, जो आय से अधिक संपत्ति के मामलों की जांच का हिस्सा है, इन अधिकारियों से जुड़े 10 से अधिक स्थानों पर तलाशी ली गई।

लोकायुक्त सूत्रों के अनुसार, छापे बेंगलूरु, कोलार, यादगीर और दावणगेरे में मारे गए। अधिकारियों ने कोलार के एडीए-लआर के सर्वेक्षण पर्यवेक्षक सुरेश बाबू जी, यादगीर के सुरपुर के तालुक स्वास्थ्य अधिकारी राजा वेंकटप्पा नायक, दावणगेरे के कर्नाटक शहरी जल आपूर्ति और जल निकासी बोर्ड के सहायक कार्यकारी अभियंता एमबी रवि और महादेवपुरा के जल संसाधन विभाग के सहायक कार्यकारी अभियंता जी श्रीनिवास मूर्ति की संपत्तियों की गहन जांच की। लोकायुक्त अधिकारी संबंधित सरकारी अधिकारियों से संबंधित दस्तावेजों, संपत्तियों, नकदी और अन्य कीमती सामानों की गहन जांच कर रहे हैं।

पार्किंग विवाद को लेकर कैब चालकों ने निजी फर्म के कर्मचारी पर किया हमला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पार्किंग को लेकर मामूली विवाद को लेकर केएसटीडीसी कैब चालकों के एक समूह द्वारा 32 वर्षीय एक निजी फर्म के कर्मचारी पर कथित रूप से हमला किया गया।

पीड़ित, राघव, राजस्थान से आ रहे अपने पिता और पत्नी को लेने के लिए हवाई अड्डे गया था। जब उसने अपनी कार आगमन टर्मिनल पर पार्क की, तो कथित तौर पर कुछ कैब चालक उसके पास आए और उससे कार हटाने के लिए कहा।

राघव ने उनसे कहा कि वह कुछ मिनटों में ऐसा कर देगा क्योंकि वह अपने परिवार का इंतजार कर रहा था। हालांकि, उनके बीच तीखी बहस हुई जिसके बाद आरोपियों ने उसके खिलाफ हमला किया, गालियाँ दीं और उसे बुरी तरह पीटा। घटना के बाद राघव ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उसने कहा जब उसकी नाक से खून बहने लगा, तो वह इलाज के लिए पास के एक अस्पताल गया, जहाँ जाँच के बाद, डॉक्टर ने कथित तौर पर उसे बताया कि उसकी नाक की हड्डी टूट गई है और उसे सर्जरी की जरूरत है। बाद में उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और कैब ड्राइवरों के विवरण के साथ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने कैब ड्राइवरों पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बिलिनेले गांव में सुब्रमण्य-गुंड्या राज्य राजमार्ग पर कैकम्बा-गोपाली के पास एक इनोवा कार और स्विफ्ट कार के बीच टक्कर होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान बेंगलूरु के रामनगर के 73 वर्षीय यलिगय्या के रूप में हुई है। कार चला रहे उनके बेटे नवीन (29) और नवीन की मां दयम्मा (52) को दुर्घटना में चोटें आईं। दुर्घटना बुधवार शाम को हुई जब सुब्रमण्य की ओर से आ रही एक इनोवा ने स्विफ्ट को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण स्विफ्ट पलट गई। स्विफ्ट में सवार लोग कुक्के सुब्रमण्य मंदिर के दर्शन करने के बाद घर लौट रहे थे। घायलों को एंबुलेंस से कडाबा अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्नत उपचार के लिए मेंगलूरु के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल यलिगय्या ने उसी रात दम तोड़ दिया। कडाबा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

सागर विधायक ने सभी विस्थापित परिवारों को भूमि देने की मांग की

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। सागर के बेलूर से कांग्रेस विधायक गोपाल कृष्ण ने शरावती जल विद्युत परियोजना से विस्थापित परिवारों की खेती की जमीन का सर्वेक्षण करने और उन्हें भूमि देने की मांग की है। यहां गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोपाल कृष्ण ने कहा कि विस्थापितों द्वारा खेती की जा रही 9,000 एकड़ जमीन का संयुक्त सर्वेक्षण चल रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार राजस्व और वन विभाग के अधिकारी सर्वेक्षण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा परियोजना से कई और परिवार विस्थापित हुए हैं, लेकिन उन्हें अभी तक वैकल्पिक भूमि नहीं दी गई है। हम सभी को राहत प्रदान करने के पक्ष में हैं। मैं उन सभी को शामिल करने के लिए सर्वेक्षण और उन्हें भूमि देने के उपायों की मांग करता हूं। कांग्रेस विधायक ने कहा कि स्कूली शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा, जो शिवमोग्गा के प्रभारी मंत्री भी हैं, इस मुद्दे पर बेंगलूरु में मुख्य सचिव और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया हम इस मुद्दे को सुलझाने और विस्थापित परिवारों को जमीन मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि, यह भाजपा शासन के दौरान ही था कि वन भूमि की अधिसूचना रद्द करने के बाद किसानों को अपनी जमीनें खोनी पड़ीं। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए गोपाल कृष्ण ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान में सभी आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए प्रधानमंत्री के साथ खड़ी होगी। उन्होंने कहा हम प्रधानमंत्री के साथ हैं। उन्हें पाकिस्तान में सशस्त्र बल भेजने चाहिए और सभी आतंकवादी गतिविधियों को खत्म करना चाहिए।

अनुसूचित जातियों के खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश समुदायों के लिए अलग सर्वेक्षण की मांग

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश विकास निगम की अध्यक्ष जी. पल्लवी ने अनुसूचित जातियों (एससी) के खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश समुदायों के लिए अलग प्रश्नावली के साथ एक अलग सर्वेक्षण की मांग की है। यहां गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पल्लवी ने कहा कि न्यायमूर्ति नागमोहन दास आयोग द्वारा किए जा रहे एससी समुदायों के मानचित्रण से अनुसूचित जातियों के खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश समुदायों को न्याय नहीं मिलेगा। आयोग द्वारा निर्धारित प्रश्नावली में खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश समुदायों के सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक मानकों का आकलन करने के लिए आवश्यक मानदंड शामिल नहीं हैं।

ऐसे समुदायों को कवर करने के लिए होबली स्तर पर तीन दिनों के लिए एक अलग सर्वेक्षण होना चाहिए। 51 जातियों में फैली खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश आबादी का अधिकांश हिस्सा बिना किसी पते के अस्थायी तंबुओं में रह रहा था। वे आजीविका की तलाश में एक जगह से दूसरी जगह जा रहे थे। उन्होंने कहा उनके पास जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड या राशन कार्ड जैसे रिकॉर्ड शायद ही हों। सर्वेक्षण के लिए गणनाकर्ताओं को इन रिकॉर्ड की आवश्यकता होती है। इन रिकॉर्ड के बिना, उन्हें सर्वेक्षण में शामिल नहीं किया जा सकता है। इसलिए, एक अलग सर्वेक्षण होना चाहिए। पल्लवी ने कहा कि अलग सर्वेक्षण ऐसा होना चाहिए जिसमें गणनाकर्ता लोगों की संस्कृति, व्यवसाय, जीवनशैली और अन्य विवरणों को ध्यान में रखते हुए उनकी जाति का आकलन करें। उन्होंने कहा खानाबदोश समुदायों में से कई स्कूल नहीं गए हैं। वे अपनी अज्ञानता के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाए हैं। यदि उन्हें सर्वेक्षण में ठीक से शामिल नहीं किया गया, तो वे एक बार फिर अवसरों से चूक जाएंगे।

सुहास शेट्टी हत्या मामला

डीके, उडुपी विधायक आज राज्यपाल से मिलेंगे, एनआईए जांच की मांग करेंगे

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के विधायक शुक्रवार को राज्यपाल से मिलेंगे और मांग करेंगे कि सुहास शेट्टी की हत्या की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपी जाए। इस बात की प्रबल आशंका है कि सुहास शेट्टी की हत्या के पीछे 100 से अधिक लोग साजिश में शामिल थे, जिसके वित्तीय संबंध राज्य और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं तक फैले हुए हैं। मामले में मेंगलूरु के कुछ पुलिस अधिकारियों के शामिल होने के भी आरोप सामने आए हैं और हत्या में सहायता करने के आरोप में कई महिलाओं को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

विधायकों का मानना है कि एनआईए जैसी राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा गहन जांच से ही पूरी सच्चाई सामने आ सकती है। हालांकि, ऐसा निर्णय लेने के लिए राज्य सरकार की ओर से बहुत कम इच्छा दिखाई देती है। इसलिए, दोनों तटीय जिलों के विधायक राज्यपाल से मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह करेंगे।

उत्तर कन्नड़ में एक सप्ताह के भीतर नागरिक सुरक्षा तैयारी अभ्यास

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तर कन्नड़ जिला प्रशासन पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार संकट के समय नागरिकों की प्रभावी सुरक्षा के लिए अभ्यास आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। करवार में तैयारी बैठक की अध्यक्षता करते हुए उत्तर कन्नड़ की उपायुक्त के. लक्ष्मीप्रिया ने कहा कि पहलगाम के बाद केंद्र सरकार ने उत्तर कन्नड़ को श्रेणी 2 के तहत चिन्हित किया है। जिले के मल्लापुर को मॉक ड्रिल

के संचालन के लिए चुना गया है। उन्होंने कहा उत्तर कन्नड़ में सबसे लंबी तटरेखा और कई संवेदनशील क्षेत्र हैं, जिसके कारण इसे मॉक ड्रिल के लिए चुना गया है। हमें सूचित किया गया है कि मॉक ड्रिल के संचालन के लिए एक सप्ताह के भीतर एक तारीख दी जाएगी और तदनुसार, हम तैयारी कर रहे हैं। उपायुक्त ने कहा कि मॉक ड्रिल के लिए जिले में केवल एक स्थान चुना गया है। उन्होंने कहा मॉक ड्रिल में नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना, आग से बचाना, समुद्र तट की रखवाली करना शामिल है। अभ्यास के तहत, संवेदनशील क्षेत्रों की रखवाली के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों से निपटने में अस्पतालों की तैयारियों की जाँच की जाएगी। सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और नागरिकों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। पुलिस अधीक्षक नारायण, सहायक आयुक्त कनिष्क, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगदीश, कैगा में एनपीसीआईएल के अधिकारी और अन्य लोग मौजूद थे।

इस बार आर-पार के निर्णायक मूड में है भारतीय सेना

814 किमी की नियंत्रण रेखा पर किसका होगा नियंत्रण!

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 08 मई।

814 किमी लम्बी एलओसी अर्थात नियंत्रण रेखा आखिर है क्या? जो पिछले 77 साल से न सिर्फ खबरों में है बल्कि जीवित जंग के मैदान के रूप में भी जानी जाती है। सचमुच यह कोई सीमा है या फिर जमीन पर खींची गई लकीर जो दो देशों को बांटती है।

जी नहीं, नदी, नालों, गहरी खाईयों, हिमच्छादित पहाड़ों और घने जंगलों को जमीन पर खींची गई कोई इंसानी लकीर बांट नहीं सकती। यही कारण है कि पाकिस्तान और भारत के बीच चार युद्धों के परिणाम के रूप में जो सीमा रेखा सामने आई वह मात्र एक अदृश्य रेखा है जो न सिर्फ जमीन को बांटती है बल्कि इंसानी रिश्तों, इंसान के दिलों को भी बांटने का प्रयास करती है।

जम्मू प्रांत के अखनूर सेक्टर में मनावर तवी के भूरेचक गांव से आरंभ हो कर करगिल में सियाचिन हिमखंड से जा मिलने वाली एलओसी अर्थात नियंत्रण रेखा आज विश्व में सबसे अधिक खतरनाक मानी जाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता होगा जिस दिन दोनों पक्षों में गोलाबारी की घटना न होती हो। यही कारण है कि इसे विश्व में जीवित जंग के मैदान के रूप में भी जाना जाता है।

रोचक बात यह है कि कहीं भी सीमा का कोई पक्का निशान नहीं है कि जिसे देख कर कोई अंदाज लगा सके कि आखिर सीमा रेखा है कहां। कई जगह घने चीड़ व देवदार के वृक्षों ने सीमा को इस तरह से घेर कर रखा है कि सूर्य की किरणें भी सीमा पर नजर नहीं आती।

इसी तरह करगिल से सियाचिन तक बर्फ से ढके पहाड़ साल के बारह महीनों मानव की पहुंच को कठिन बनाते हैं। सीमा की अगर किसी को पहचान है तो उन सैनिकों को, जो विषम परिस्थितियों में भी सीमा पर नजरें जमाए हुए हैं। उनकी उंगलियां ही यह बता सकने में सक्षम हैं कि आखिर एलओसी है कहां जो अदृश्य रूप में कायम है और पूरे विश्व में चर्चा का विषय है।

अधिकतर लोग समझ नहीं पाते कि भारत पाक एलओसी व भारत पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा में अंतर क्या है। दरअसल भारत पाक एलओसी वह सीमा है जिसे सही मायनों में युद्ध विराम रेखा कहा जाना चाहिए। दोनों देशों की सेनाएं इस रेखा पर एक दूसरे के आमने सामने हैं और युद्ध की स्थिति हर पल बनी रहती है। और यही अदृश्य रेखा जिसे एलओसी अर्थात लाइन आफ कंट्रोल या नियंत्रण रेखा का नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि एक ओर पाकिस्तानी सेना का नियंत्रण है तो दूसरी ओर भारतीय सेना का।

लेकिन यह सच्चाई है कि उन लोगों पर दोनों ही सेनाओं में से किसी का भी नियंत्रण नहीं है। उनके आधे रिश्तेदार पाकिस्तान में हैं तो आधे भारत में। यही कारण है कि एलओसी के आर-पार आने-जाने वालों का जो सिलसिला 1947 के बंटवारे के उपरांत आरंभ हुआ था वह अनवरत रूप से जारी है।

इस अदृश्य रेखा रूपी एलओसी का दुखद पहलू यह है कि यह हमेशा ही आग उगलती रहती है जिसमें कमी तो नहीं आई है पिछले 77 सालों के भीतर मगर तेजी हमेशा ही आती रही है। इसी तेजी का अंग कभी छोटे हथियारों से की जाने वाली गोलीबारी है तो कभी बड़े तोपखानों से की जाने वाली गोलाबारी। इसी दुखद पहलू का परिणाम किसी और को नहीं बल्कि एलओसी की परिस्थितियों से जूझ रहे आम नागरिकों को जूझना पड़ता है।

विश्व में यही एक ऐसी सीमा रेखा है दो देशों के बीच जहां स्थिति पर नियंत्रण करना किसी भी देश की सेना के बस की बात नहीं है क्योंकि उबड़-खाबड़ पहाड़, गहरी खाईयां, घने जंगल आदि सब मिल कर जिन भौगोलिक परिस्थितियों की भूल भुलैइया का निर्माण करते हैं उन पर सिर्फ हिन्दुस्तानी सेना ही काबू पाने में कामयाब हुई है। हालांकि पाकिस्तानी सेना भी एलओसी पर नियंत्रण रखती है लेकिन उसे इतनी कठिनाईयों का सामना इसलिए नहीं करना पड़ता है क्योंकि उसके अग्रिम ठिकानों से सड़क मार्ग और मैदानी क्षेत्र अधिक दूर नहीं हैं तो साथ ही में वह किसी प्रकार की तस्करी तथा घुसपैठ की समस्या से दो-चार इसलिए नहीं हो रही क्योंकि वह आप ही इन्हें बढ़ावा देती रही है।

अजीबोगरीब है जम्मू कश्मीर की सीमाएं

जम्मू, 08 मई (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में दो देशों-पाकिस्तान तथा चीन-की कुल 2062 किमी लम्बी सीमा लगती है। हालांकि इसमें से 1202 किमी लम्बी सीमा तो सबसे खतरनाक है जो पाकिस्तान के साथ सटी हुई है क्योंकि यह दिन रात आग उगलती रहती है। देश की जनता के लिए सीमा, सीमा ही होती है लेकिन वह यह नहीं समझ पाती है कि आखिर पाकिस्तान के साथ लगने वाली सीमा पर तोपें आग क्यों उगलती रहती हैं। पाकिस्तान के साथ लगने वाली सीमा तीन किस्म की है।

पाकिस्तान के साथ जम्मू कश्मीर की 264 किमी लम्बी अंतरराष्ट्रीय सीमा भी है जो पंजाब राज्य के पहाड़पुर क्षेत्र से आरंभ होकर अखनूर सैक्टर में मनावर तवी के भूरेचक गांव तक जाती है। इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा का नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि इस पर संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्ववधान में सीमा बुर्जियों की स्थापना की गई है। अर्थात इस पर निशानदेही की गई है जो यह दर्शाती है कि दोनों देशों की हद यहां तक आकर खत्म होती है। और इस सीमा पर अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करते हुए कभी भी गोलीबारी न करने के निर्देश होते हैं जिसकी उल्लंघना पाकिस्तानी सेना की ओर से की जा रही है।

पाकिस्तान से सटी 264 किमी लम्बी अंतरराष्ट्रीय सीमा का एक चौंकाने वाला पहलू यह भी है कि इसके भीतर भी कई स्थान ऐसे हैं जिन्हें वर्किंग बार्डर कहा जाता है। ऐसे स्थानों की संख्या दस के करीब है। इन्हें वर्किंग बार्डर इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह सभी विवादास्पद क्षेत्र हैं। जिनमें कहीं सीमाबुर्जी का विवाद है तो कहीं कब्रिस्तान का। तो कहीं खेतीबाड़ी करने वाली जमीन का। वर्ष 1949 में पाकिस्तान तथा भारत के बीच हुए कराची समझौते के अंतर्गत युद्ध को रोकने के बाद जो सीमा का निर्धारण किया गया था युद्धक्षेत्रों में उसे युद्धविराम रेखा अर्थात नियंत्रण रेखा के नाम से जाना जाता है। इसके मायने यही होते हैं कि युद्ध विराम के समय जिसका जिस स्थान पर कब्जा था वह वहीं तक रहेगा और इस प्रकार दोनों देशों के बीच इस युद्ध विराम रेखा अर्थात् नियंत्रण रेखा अर्थात मानसिक व अदृश्य रूप से दोनों देशों को बांटने वाली रेखा की लम्बाई 814 किमी है जो अखनूर सेक्टर के मनावर तवी के क्षेत्र के भूरेचक गांव से आरंभ होकर करगिल सेक्टर के उस स्थान पर जाकर समाप्त होती है जहां से सियाचिन हिमखंड की सीमा आरंभ होती है।

जिस स्थान पर यह नियंत्रण रेखा समाप्त होती है उस स्थान को एनजे-9842 का नाम दिया गया है जिसके मतलब हैं-पूर्वी अक्षांश पर 98 डिग्री और उत्तरी अक्षांश पर 42 डिग्री। जबकि इस नियंत्रण रेखा का रोचक पहलू यह है कि इस नियंत्रण रेखा पर पिछले 77 सालों में गोलीबारी कभी भी रूकी नहीं है जो अब जंग में तब्दील हो चुकी है।

एजीपीएल अर्थात् सियाचिन हिमखंड की सीमा रेखा। जो 124 किमी लम्बी है। इसकी शुरूआत एनजे-9842 से आरंभ होती है और भारतीय दावे के अनुसार इसका अंतिम छोर के-2 पर्वत की चोटी के बाईं ओर इंद्र श्रृंखला के पास है तो पाकिस्तानी दावे के अनुसार यह एनजे-9842 के निशान से सीधे काराकोरम दर्रे पर जाकर खत्म होती है और यही झगड़ा 1984 से आरंभ हुआ है जिसका परिणाम यह है कि इस करीब 110 वर्ग किमी के लम्बे क्षेत्र में दोनों ही देशों के बीच विश्व के इस सबसे ऊंचे युद्धस्थल पर मूंछ की लड़ाई जारी है जिस पर प्रतिमाह कई सौ करोड़ रुपए से अधिक का खर्चा भारतीय पक्ष को करना पड़ रहा है और इतना ही पाकिस्तानी पक्ष को भी।

हाईकोर्ट जजों की नियुक्ति में देरी से छटपटाया सुप्रीम कोर्ट

कॉलेजियम की सिफारिश पर हो जजों की नियुक्ति

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)।

देश के उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति पर कॉलेजियम की सिफारिशों को शीघ्रता से मंजूरी दे। कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कई सिफारिशें केंद्र के पास लंबित हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट में लंबित मामलों को लेकर भी चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि देश के उच्च न्यायालयों में 7,24,192 आपराधिक अपीलें लंबित हैं। इसमे अकेले इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 2.7 लाख मामले लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बताया था कि नवंबर 2022 से अब तक हाईकोर्ट जजों के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 221 नामों का अनुमोदन किया है। इसमें से 29 नाम केंद्र सरकार के पास लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित न्यायाधीशों के नाम, उच्च न्यायालयों या शीर्ष अदालत के वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायाधीशों से उनके संबंध और सरकार द्वारा स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या की जानकारी साझा की थी। सुप्रीम कोर्ट ने बताया था कि कॉलेजियम ने नौ नवंबर 2022 से 10 नवंबर 2024 तक उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए 330 नामों का अनुमोदन किया था। इसमें से केंद्र ने 170 नामों को मंजूरी दी है। 17 नाम अभी भी सरकार के पास मंजूरी के लिए लंबित हैं। इसके बाद 11 नवंबर 2024 से पांच मई 2025 के बीच हाईकोर्ट जज के लिए 103 उम्मीदवारों के नामों की सिफारिश की गई। इनमें से केवल 51 नामों को मंजूरी दी गई। इनमें से भी 12 नाम केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए लंबित हैं। वहीं नौ नवंबर 2022 से पांच मई 2025 तक उच्च न्यायालयों में न्यायाधीश पद के लिए कॉलेजियम ने 221 नामों का अनुमोदन किया। इसमें से 29 उम्मीदवारों के नाम केंद्र की मंजूरी के लिए लंबित हैं।

1.73 लाख किसानों से 9.26 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया

लखनऊ, 08 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बार फिर गेहूं खरीद में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

8 मई 2025 तक प्रदेश में 1.73 लाख से अधिक किसानों से 9.26 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो गई है, वहीं पिछले वर्ष इस अवधि में लगभग 6.88 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद हुई थी।

इस वर्ष अब तक 1,73,381 किसानों से 9.26 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद हुई है। रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए कुल 4,46,725 किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। अब तक 2,045 करोड़ रुपए से अधिक की राशि किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजी जा चुकी है। रबी विपणन वर्ष 2025-26 सीजन के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,425 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जिससे किसानों को उचित और समय पर पारिश्रमिक सुनिश्चित हुआ है। गेहूं खरीद 17 मार्च से शुरू हुआ है। यह खरीद 15 जून तक जारी रहेगी। प्रदेश भर में 5,852 खरीद केंद्रों के जरिए यह खरीद चल रही है।

युद्ध जैसे हालात के बाद सीमांचल में अलर्ट

पूर्णिया सहित 4 जिलों में पुलिस की छुट्टियां रद्द

पूर्णिया, 08 मई (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालात को देखते हुए बिहार के सीमांचल क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। पूर्णिया, अररिया, कटिहार और किशनगंज जिलों में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बॉर्डर पर पूरी मुस्तैदी से तैनात किया गया है। पुलिस विभाग की सभी छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और जो पुलिसकर्मी छुट्टी पर हैं, उन्हें तत्काल ड्यूटी पर लौटने का

आदेश दिया गया है। इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अनुपस्थित रहने वालों पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

पूर्णिया प्रक्षेत्र के डीआईजी प्रमोद कुमार मंडल ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर चारों जिलों में हाई अलर्ट लागू किया गया है। एसएसबी के साथ ज्वाइंट मीटिंग की गई है और सीमा क्षेत्रों में वाहनों एवं आने-जाने वालों की सघन जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी होटलों की भी जांच की जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा सके।

कटिहार के कुर्सेला पुल और कुर्सेला रेल पुल पर विशेष सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

डीआईजी ने यह भी कहा कि अररिया में नेपाल बॉर्डर और किशनगंज में नेपाल व बांग्लादेश बॉर्डर पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं और स्लीपर सेल व अन्य संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सीमांचल क्षेत्र की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए सभी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में रक्सौल के भारत-नेपाल बॉर्डर से चार चीनी नागरिकों को हिरासत में लिया गया था। वहीं, फारबिसगंज में दो किलो कोबरा के ज़हर के साथ छह तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, गृह मंत्रालय के निर्देश पर सीमांचल के चारों जिलों में मॉक ड्रिल भी आयोजित की गई, जिसमें आपात स्थिति से निपटने के लिए आम लोगों को प्रशिक्षण दिया गया।

बिहार की सीमा पर निगरानी बढ़ी

सीएम नीतीश ने ली बैठक, पुलिस-प्रशासन के अफसरों की छुट्टी रद्द

पटना, 08 मई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश और नेपाल से सटे बिहार के किशनगंज के साथ ही सीमावर्ती जिलों पूर्णिया, कटिहार, अररिया, सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण में निगरानी बढ़ा दी गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को आपात बैठक की। इस बैठक के तत्काल बाद बांग्लादेश-नेपाल से लगने वाले नौ जिलों को हाई अलर्ट पर रख दिया गया।

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों की कड़ी निगरानी के लिए उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव

दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार और मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार भी शामिल थे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक ने मुख्यमंत्री को बताया कि सभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों / कर्मियों एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों तथा कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गयी हैं। स्वास्थ्य विभाग एवं कानून व्यवस्था से जुड़े सभी कर्मियों को पूरी तरह अलर्ट पर रखा गया है।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्देश देते हुए कहा कि राज्य के सभी सीमावर्ती जिलों में चौकसी बढ़ाई जाय। आवागमन पर कड़ी निगरानी रखी जाय तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति और वस्तुओं पर कड़ी नजर रखी जाय। सीमावर्ती जिलों के सभी महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा बढ़ा दी जाय और लगातार सघन गश्ती की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। सभी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थानों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर पूरी सर्तकता बरतें।

हालात के मद्देनजर जम्मू कश्मीर में सभी की छुट्टियां रद्द

जम्मू, 08 मई (ब्यूरो)।

भारत पाकिस्तान के बीच औपचारिक युद्ध की आशंका बढ़ गई है। इस आशंका के बीच जम्मू कश्मीर सरकार ने अपने सभी कर्मचारियों,अधिकारियों की छुट्टियों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। सभी अस्पतालों में नियुक्त डॉक्टरों, अर्ध चिकित्सा स्टाफ की छुट्टियों को भी रद्द करते हुए सभी को अपने कार्य पर वापस लौटने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच सरकार ने स्थिति को आपात बताते हुए जहां नागरिक सुरक्षा के उपायों को तेज किया है वहीं मेडिकल कॉलेज, प्राइवेट नर्सिंग होम्स को आपात स्थिति से निपटने के लिए अपने आपको तैयार रखने के लिए कहा है।

पाकिस्तानी इलाकों में कल भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद लड़ाई के पूर्ण युद्ध में बदल जाने की आशंका अब और बढ़ गई है। इसकी पुष्टि प्रदेश सरकार द्वारा उठाए जा रहे आपात कदमों से होती है। जम्मू कश्मीर सरकार ने युद्ध की आशंका के चलते किसी भी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी जहां आरंभ कर दी है वहीं पाक हमले की सूरत में नागरिकों को बचाव के लिए नागरिक सुरक्षा के उपायों को तेज किया है। युद्ध की आशंका के चलते सरकार ने अपने सभी कर्मचारियों द्वारा

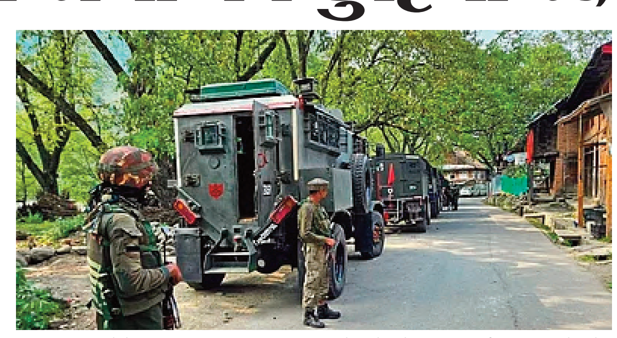

अवकाश लेने पर प्रतिबंध लगा दिया है। जबकि जो कर्मचारी तथा अधिकारी अवकाश पर गए हुए हैं उन्हें वापस ड्यूटी पर आने के लिए तत्काल प्रभाव से नोटिस जारी किया गया है। राज्य सरकार द्वारा जारी नोटिस के अनुसार,किसी भी प्रकार का कोई अवकाश पारित न किया जाए।

सिर्फ सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियों को ही रद्द नहीं किया गया है बल्कि मेडिकल कालेज तथा संबंधित अस्पतालों के डाक्टरों, अर्द्ध चिकित्सा स्टाफ तथा अन्य संबंधित कर्मियों के अवकाश को तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए अवकाश लेने पर प्रतिबंध लागू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, आपात स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार ने मेडिकल कालेज तथा संबंधित अस्पतालों को आपात उपाय करने, एमरजेंसी वार्ड को पूर्ण रूप से सुसज्जित रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त एमरजेंसी वार्ड को खोलने के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है।

अधिकारियों के अनुसार, युद्ध की स्थिति से बचाव के लिए किए जाने वाले आपात उपायों के संबंध में प्रदेश सरकार के अधिकारियों तथा सेनाधिकारियों के बीच बैठकें हुई हैं। इतना ही नहीं प्रदेश सरकार ने युद्ध की स्थिति में चिकित्सा सहायता के लिए प्रायवेट नर्सिंग होम्स के मालिकों से भी तालमेल बनाया है ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका इस्तेमाल सैनिक कार्यों के लिए किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि युद्ध की संभावना को देखते हुए नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस), विभाग को अपने आपको पूरी तरह से तैयार रहने के लिए कहा गया है। जबकि अधिकारियों ने लोगों को युद्ध की स्थिति में बचाव व सुरक्षा के उपाय के प्रति जानकारियां देनी आरंभ करने का अभियान भी शुरू करने की योजना बनाई है

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सीएम योगी ने दिया बड़ा बयान

छेड़ने वालों को मांद में घुसकर मारता है नया भारत: योगी

लखनऊ, 08 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा वक्तव्य दिया। मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान पर भारत की कार्रवाई को विकसित भारत की झलक करार देते हुए कहा कि विकसित भारत किसी को छेड़ता नहीं है। अनावश्यक किसी के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करता है, लेकिन अगर कोई हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करके हमारे नागरिकों की सुरक्षा में सेंध लगाता है तो नया भारत उसको छोड़ता भी नहीं है। उसकी मांद में घुसकर मारता है। कल इस भारत की ताकत का एहसास पूरी दुनिया ने किया है और आने वाले समय में भी दुनिया इसका एहसास करेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत चयनित 494 सहायक अध्यापक तथा 49 प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र का वितरण करते हुए ये बातें कहीं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 23 राजकीय इंटर कॉलेज में मिनी स्टेडियम का भी शिलान्यास किया। मिनी स्टेडियम की लागत 4.92 करोड़ रुपए है। कार्यक्रम में 05 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को अटल टिंकरिंग लैब तथा 05 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को आईसीटी लैब स्थापना के प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त शिक्षकों से अपील की कि दुनिया बदल चुकी है, हमें उसके साथ अपने आप को लेकर चलना होगा। अगर हम उसके साथ चलेंगे, आज की आवश्यकता के अनुरूप अपने युवाओं को तैयार करेंगे तो हमारी प्रासंगिकता बनी रहेगी। अगर हम कहीं भी चूके तो उसका खामियाजा सिर्फ हमारी वर्तमान पीढ़ी को ही नहीं भुगतना पड़ेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ी भी कभी हमें माफ नहीं करेगी। हमें वर्तमान के अभियान का हिस्सा बन करके मजबूती के साथ एक विकसित भारत की आधारशिला अपने विद्यालयों से रखनी है। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने क्षेत्र में नवाचार, शोध और विकास के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास करें। शिक्षा के क्षेत्र में वह कौन से परिवर्तन ला सकते हैं, कौन सी तकनीक अपना सकते हैं जो नौजवानों के सामने पहचान का संकट नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय कर सके। वह इन बातों का अध्ययन करें कि पढ़ाने का तरीका क्या हो सकता है। पाठ्यक्रम उबाऊ न हो, आपकी क्लास उबाऊ ना बने, इसके लिए आपको छोटी-छोटी कथाओं के माध्यम से उन्हें पढ़ाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चयन की जो प्रक्रिया सम्पन्न हुई है इसमें किसी भी स्तर पर सिफारिश करने की जरूरत नहीं पड़ी होगी। चयन की पूरी प्रक्रिया में, उसकी निष्पक्षता में, उसकी पारिदर्शिता में किसी भी प्रकार का कोई प्रश्न खड़ा नहीं हुआ। जिस निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आपका चयन हुआ है, उसी प्रकार शासन भी आपसे अपेक्षा करता है कि ऐसे ही माध्यमिक शिक्षा के स्तर को ऊंचा करने के लिए आपका भी योगदान होना चाहिए। अक्सर देखते हैं कि जब तक व्यक्ति नौकरी नहीं पाता है तब तक वह तमाम उलाहने देता है, लेकिन सरकारी नौकरी प्राप्त करते ही वह अपने कर्तव्यों से विरत हो जाता है। इसी का परिणाम है कि एक समय माध्यमिक शिक्षा परिषद के सामने वजूद बचाने का संकट पैदा हो गया था। 2017 के पहले माध्यम शिक्षा नकल के लिए बदनाम हो चुकी थी। बेसिक शिक्षा वीरान पड़ गई थी। आज उत्तर प्रदेश की इस स्कूली शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। नवाचार को अपनाया गया है, तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग किया गया है। नीति आयोग की बैठकों में नवाचार की चर्चा हुई तो बेसिक शिक्षा के ऑपरेशन कायाकल्प को चुना गया।

उन्होंने कहा कि 8 वर्ष में 8 लाख से अधिक नौजवानों को प्रदेश की विभिन्न सेवाओं में सरकारी नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। अकेले माध्यमिक शिक्षा में यह संख्या 40 हजार तक पहुंच रही है।

पिछले कुछ समय में हमने 8000 से अधिक शिक्षक माध्यमिक शिक्षा से जुड़े हुए राजकीय इंटर कॉलेज में चयनित किए हैं। इससे पहले बेसिक शिक्षा परिषद में भी प्रदेश सरकार ने लगभग 1,23,000 से अधिक शिक्षकों की सफलतापूर्वक भर्ती के कार्यक्रम को आगे बढ़ा करके शिक्षकों की कमी को पूरा किया था। यह प्रयास पहले भी हो सकते थे, नहीं किए गए। राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं थी, शिक्षा सरकार के एजेंट का हिस्सा नहीं थी। प्रदेश और देश के बचपन के साथ खिलवाड़ करना कुछ लोगों के जीवन का एक जुनून बन चुका था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले माध्यमिक शिक्षा में नकल के लिए कुछ जनपद बदनाम हो चुके थे। स्कूल में शिक्षक नहीं, छात्रों की संख्या कम है, लेकिन परीक्षा देने के लिए हिमाचल, हरियाणा और जम्मू कश्मीर के छात्र वहां आते थे।

जब इसकी जांच पड़ताल की तो पता चला कि यह तो प्रॉक्सी परीक्षार्थी हैं। यानी उसके नाम पर कोई दूसरा व्यक्ति ही परीक्षा दे रहा है।

यह ठेका पद्धति बोर्ड की परीक्षाओं में पूरी तरह रोका गया। जब कड़ाई की तो परीक्षा परिणाम में भी सुधार हुआ है। नकल विहीन परीक्षा के साथ-साथ 56 लाख परीक्षार्थियों की परीक्षा को महज 14 दिन में संपन्न किया जा सकता है, यह एक उदाहरण बना है। प्रोजेक्ट अलंकार के अंतर्गत न केवल गवर्नमेंट संस्थानों में बल्कि गवर्नमेंट की सहायता से संचालित अशासकीय विद्यालयों को भी अनुदान देकर अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। आज अच्छे भवन बन गए हैं, लैब अच्छी हैं, लाइब्रेरी हैं, अच्छे स्मार्ट क्लासेस हैं, बहुत कुछ सुधार देखने को मिल रहा है।

सिद्धार्थनगर में 1990 में थे 16 मदरसे, 2023 तक हो गए 597

नेपाल सीमा पर चल रहा समतलीकरण का अभियान

लखनऊ, 08 मई (एजेंसियां)।

नेपाल सीमा से लगे सिर्फ उत्तर प्रदेश के ही नहीं बल्कि उत्तराखंड के जिले भी प्रभावित हैं। इन क्षेत्रों में भी मुस्लिम आबादी में 2.5 गुना इजाफा हुआ है। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर, चम्पावत और पिथौरागढ़ जिलों को गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार नेपाल सीमा पर बने अवैध मस्जिद-मदरसों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। उत्तर प्रदेश और नेपाल के बीच 7 जिलों की 570 किलोमीटर की सीमा पर रोज अवैध ढांचे समतल किए जा रहे हैं। महराजगंज से लेकर सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, पीलीभीत और लखीमपुर खीरी में इन कब्जों को चिन्हित किया जा रहा है। बीते लगभग एक माह में सैकड़ों ऐसे अवैध ढांचे गिराए गए हैं। सिद्धार्थनगर जिले में वर्ष 1990 में केवल 16 मान्यता प्राप्त मदरसे थे। यह साल 2000 तक बढ़कर 147 हो गए, लेकिन तब इनमें से केवल 45 को ही सरकारी मान्यता मिली थी। यह संख्या 2023 तक बढ़ते-बढ़ते 597 तक पहुंच गई। इनमें से 452 ही रजिस्टर्ड हैं जबकि 145 मदरसे अभी भी गैर-मान्यता प्राप्त हैं।

सबसे अधिक मदरसे सिद्धार्थनगर की डुमरियागंज तहसील में हैं। यहां 152 मदरसे संचालित हो रहे हैं जबकि इटवा तहसील में 134, नौगढ़ तहसील में 119 और शोहरतगढ़ तहसील में 102 और बांसी तहसील में 90 मदरसों का संचालन हो रहा है। यहां सिर्फ मदरसों की संख्या ही नहीं बढ़ी, बल्कि इन पर कई गंभीर आरोप भी हैं। कुछ मदरसों में नकली नोट छापने जैसी गतिविधियों के सबूत मिले हैं। इसके साथ ही, इन संस्थानों को विदेश से फंडिंग मिलने की जानकारी भी सामने आई है। ऐसे मामलों को देखते हुए प्रशासन को कई जगहों पर अवैध मदरसों पर कार्रवाई की है।

सिद्धार्थनगर में योगी सरकार ने 17 अवैध मदरसे चिन्हित किए गए हैं। इसके अलावा 4 अवैध मजहबी स्थल भी चिन्हित किए गए हैं। इन पर भी कार्रवाई जारी है। इनमें से कई पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा चुकी है। इनके अलावा कई मजहबी स्थल भी हैं। श्रावस्ती जिला भी नेपाल से लंबी सीमा साझा करता है। यहां प्रशासन सबसे अधिक सख्त है। यहां बीते कुछ वर्षों में तेजी से मस्जिद-मदरसे बढ़े हैं। इस बढ़ोतरी को लेकर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने गंभीर चिंता जताई है और इसे संभावित डेमोग्राफिक बदलाव का संकेत बताया है। एसएसबी अधिकारियों के अनुसार, इन इलाकों में 15 किलोमीटर के दायरे में मजहबी संरचनाओं की संख्या में 26 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। वर्ष 2018 में इन सीमावर्ती इलाकों में कुल 738 मस्जिदें थीं, जो 2021 तक बढ़कर 1000 हो गईं। वहीं, मदरसों की संख्या 500 से बढ़कर 645 हो गई है।

श्रावस्ती में प्रशासन अब सख्त हो गया है। श्रावस्ती में योगी सरकार ने 100 से अधिक मदरसे सील कर दिए हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि श्रावस्ती में लगभग आधे दर्जन मदरसे गिराए भी जा चुके हैं। कई जगह मजारों पर भी कार्रवाई हुई है। बहराइच जिले की नेपाल सीमा के आसपास भी उत्तर प्रदेश सरकार कार्रवाई कर रही है। यहां 24 अवैध मदरसे चिन्हित किए गए हैं जिनमे से 9 को सील कर दिया गया है। इन पर बुलडोजर कार्रवाई भी चालू हो गई है। बहराइच में 384 अतिक्रमण के मामले चिन्हित किए गए हैं। इनमें से कुल 89 कब्जे ध्वस्त किए जा चुके हैं। आगे और भी ऐसे ही कब्जों पर कार्रवाई चल रही है। बहराइच में नेपाल सीमा के पास बड़ी संख्या में बीते वर्षों में कई अवैध ढांचे बन गए थे। इनसे डेमोग्राफी चेंज का खतरा भी बढ़ा है। इसके बाद योगी सरकार ने चिन्हित करना चालू किया था। अब इन पर सिलसिलेवार ढंग से कार्रवाई चालू हो गई है।

बलरामपुर जिले में भी योगी सरकार ने 25 गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे ढूंढ़ निकाले हैं। इनमें से 23 को सील कर दिया गया है। बाकी 2 मदरसों को नोटिस जारी किए गए हैं।

बरेली में बनेगा पश्चिमी यूपी का पहला कछुआ संरक्षण क्षेत्र

बरेली, 08 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बरेली के मीरगंज क्षेत्र में गोला नदी के किनारे कछुओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से 15 हेक्टेयर क्षेत्र में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिये वेटलैंड विकसित किया जा रहा है। यह वेटलैंड पश्चिमी उत्तर प्रदेश का पहला कछुआ संरक्षण क्षेत्र बनने जा रहा है। मीरगंज क्षेत्र में गोला नदी के किनारे स्थित डिवना वेटलैंड क्षेत्र में 1,000 से अधिक कछुओं की मौजूदगी दर्ज की गई है, जिसके आधार पर इसे संरक्षित क्षेत्र घोषित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के सर्वे में कछुओं की प्रजातियों और उनकी उपस्थिति के बारे में जानकारी हुई है। यह प्रस्तावित कछुआ संरक्षण क्षेत्र करीब 15 हेक्टेयर में फैला है। इस क्षेत्र को कछुआ संरक्षण के लिए विज्ञान आधारित तरीके से विकसित करेगा। ताकि यहां की जैव विविधता संरक्षित रह सके। खास बात यह है कि इस क्षेत्र में ट्राइनॉक्स, जियोचेलोन एलिगेंस और सॉफ्टशेल कछुओं की संख्या सबसे अधिक पाई गई है, जो जैविक रूप से बेहद महत्त्वपूर्ण प्रजातियां हैं। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की योजना है कि कछुओं के प्राकृतिक आवास को संरक्षित करते हुए स्थानीय ग्रामीणों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाए। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण, सहभागिता और वैकल्पिक आजीविका के अवसर भी मुहैया कराए जाएंगे। इस पहल से जैविक संरक्षण के साथ-साथ सामुदायिक सहभागिता भी सुनिश्चित होगी। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ने वेटलैंड में गांवों से बहने वाले गंदे पानी की रोकथाम के लिए भी विशेष योजना तैयार की है। जल शुद्धिकरण की तकनीक अपनाकर वेटलैंड के प्राकृतिक जल स्रोतों को सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही इस क्षेत्र में हुए अवैध कब्जों को हटाने की भी योजना है, जिससे वेटलैंड का पारिस्थितिक संतुलन बना रह सके।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य है कि अगले छह महीने में कछुआ संरक्षण रिजर्व पूरी तरह से तैयार कर लिया जाए। इसके बाद इसे इको-टूरिज्म केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इस परियोजना से न सिर्फ कछुओं का संरक्षण होगा बल्कि बरेली को पर्यावरणीय पर्यटन के नए नक्शे पर भी स्थान मिलेगा।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के कॉन्क्लेव में बोले योगी

दुस्साहस करने वालों को मिनटों में मिटा देती है यूपी पुलिस

लखनऊ, 08 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ के होटल क्लार्क अवध में आयोजित इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (इबजा) के कॉन्क्लेव को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने बीते आठ साल में राज्य की अर्थव्यवस्था और कानून व्यवस्था को मजबूत करने में हुई उल्लेखनीय प्रगति की विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने एसोसिएशन से आग्रह किया कि वे उत्तर प्रदेश में जेम्स एंड ज्वैलर्स पार्क की स्थापना के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में सुरक्षा का बेहतरीन माहौल है। यह अपराध और माफिया मुक्त प्रदेश बन चुका है। सबको पता है कि दु:साहसियों के दु:साहस को यूपी पुलिस मिनटों में चकनाचूर कर देती है। सीएम योगी ने जेम एंड ज्वैलरी से जुड़े व्यापारियों को आश्वस्त किया कि सरकार हर कदम पर आपके साथ है। सीएम योगी ने लखनऊ में कॉन्क्लेव के आयोजन के लिए इबजा को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा देगा, बल्कि सरकार के आठ साल बेमिसाल अभियान को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीएम योगी ने जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग की भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र देश की जीडीपी में 7 प्रतिशत का योगदान देता है और आयात शुल्क तथा जीएसटी के माध्यम से भी इसका योगदान अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग न केवल आर्थिक विकास में योगदान देता है, बल्कि रोजगार सृजन और वैश्विक बाजार में भारत की पहचान को भी मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने पिछले एक दशक में देश और विशेष रूप से पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा और कानून व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आठ साल पहले यूपी में कानून व्यवस्था की स्थिति बदहाल थी। पर्व-त्योहारों पर अशांति, दंगे और व्यापारियों व बेटियों की असुरक्षा आम थी। लेकिन 2017 में जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताते हुए बीजेपी को जनादेश दिया। आज यूपी न केवल दंगा मुक्त, बल्कि माफिया मुक्त भी हो गया है। सभी पर्व-त्योहार चाहे वे किसी भी जाति या धर्म से संबंधित हों, शांति और सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं। इस बेहतर माहौल ने व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाई हैं। उन्होंने कहा कि आज यूपी में वर्ल्ड-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर और सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो व्यापारियों के लिए अनंत संभावनाएं प्रदान करती हैं। सीएम योगी ने जेम्स एंड ज्वैलर्स पार्क की स्थापना का आह्वान करते हुए इसे यूपी की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इबजा से एक ऐसा मॉडल तैयार करने का आग्रह किया, जिसमें डिजाइन, तकनीक, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, सप्लाई चेन और निर्यात को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि यूपी 25 करोड़ की आबादी वाला विशाल राज्य है और आसपास के क्षेत्रों को जोड़कर यह 30 करोड़ लोगों के व्यापार, रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा की जरूरतों को पूरा करता है। सीएम ने कहा कि इस बाजार का लाभ उठाने के लिए हमें आधुनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार सुरक्षा और संवाद के माध्यम से व्यापारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने सेफ सिटी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पुलिस का रिस्पॉन्स टाइम, जो पहले 25-30 मिनट था, अब 7-8 मिनट तक कम हो गया है। इसके अलावा, 2017 में जहां पूरे प्रदेश में केवल एक साइबर थाना था, वहीं आज हर जनपद में साइबर थाना और हेल्पडेस्क स्थापित किए गए हैं। फॉरेंसिक अपराधों को रोकने के लिए हर जनपद में थाना और लैब्स की स्थापना की गई है और पिछले साल एक फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट भी स्थापित किया गया है। सीएम ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों से सीसीटीवी कैमरों का उपयोग बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पहले डीवीआर वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाते थे, लेकिन अब बिना डीवीआर वाले आधुनिक कैमरे लगाए जा रहे हैं। इस तकनीक ने बड़ी घटनाओं का त्वरित अनावरण संभव बनाया है। यूपी पुलिस किसी भी अपराधी के दुस्साहस को मिनटों में चकनाचूर कर सकती है।

मुख्यमंत्री ने यूपी की आर्थिक प्रगति के आंकड़े साझा करते हुए कहा कि 1947 से 2017 तक यूपी की अर्थव्यवस्था 12.75 लाख करोड़ रुपए थी, जो आज बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपए हो गई है। उन्होंने कहा कि 70 साल में हम जहां पहुंचे थे, आज हम आठ साल में उससे 150 प्रतिशत आगे निकल गए हैं। प्रति व्यक्ति आय जो 2017 में 46 हजार रुपए थी, अब 1.10 लाख रुपए हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि 2017 में यूपी देश की सातवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन आज यह दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पहले बीमारू राज्य के रूप में जाना जाने वाला यूपी आज देश का ग्रोथ इंजन बन चुका है।

अंत में सीएम योगी ने इबजा और व्यापारियों से अपील की कि वे इस अनुकूल माहौल का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग न केवल यूपी, बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, और नई पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आपके साथ है। हम मिलकर यूपी को एक नई दिशा देंगे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, इबजा के राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्र मेहता, नॉर्थ इंडिया हेड अनुराग रस्तोगी, डायरेक्टर सुमित रस्तोगी, अजय रस्तोगी, अजय अग्रवाल, धर्मेन्द्र गुप्ता, उमेश पाटिल सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं व्यापारी मौजूद थे।

सालार गाजी के नाम पर बहराइच में नहीं लगेगा मेला

इसी शैतान ने की थी सोमनाथ में लूटपाट और हत्याएं

बहराइच, 08 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के बहराइच में इस्लामी आक्रांता लुटेरा और शैतान सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह पर लगने वाला जेठ मेला बंद कर दिया गया है। प्रशासन ने अनुमति देने से मना कर दिया है। इसके विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंची मस्जिद कमिटी को अअदालत से भी कोई राहत नहीं मिली है। इस मेले में लाखों की भीड़ हर साल जुटा करती थी। इससे पहले उत्तर प्रदेश के संभल में सालार मसूद के नाम पर होने वाले मेले को भी अनुमति देने से प्रशासन ने इन्कार कर दिया था।

उत्तर प्रदेश के बहराइच में इस्लामी लुटेरे सालार मसूद की बड़ी दरगाह है। यहीं पर उसे वीर हिंदू राजा सुहेलदेव ने मौत के घाट उतार दिया था। सालार मसूद की इसी दरगाह पर प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ महीने (मई-जून) में एक बड़ा मेला लगता आया है। यह मेला एक महीने चलता है। इस मेले में लगभग 15 लाख लोग शामिल होते रहे हैं। हिंदू संगठन इस मेले का लगातार विरोध करते आए हैं। हिंदू संगठन इस मेले के दौरान पास में ही महाराजा सुहेलदेव के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित करते हैं। वह इस दौरान हिंदुओं को इस आक्रांता की शैतानियत से भी अवगत कराते हैं। हिंदू संगठन मांग करते आए हैं कि इस मेले पर रोक लगाई जाए।

2025 में भी दरगाह वालों ने मेले का आयोजन करने का प्लान बनाया था। हालांकि, हिंदू संगठनों के विरोध और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने इससे मना कर दिया। प्रशासन ने हवाला दिया कि संभल में पहले ही एक ऐसे ही मेले की अनुमति नहीं दी गई थी और यहां भी विरोध चल रहा है। बहराइच प्रशासन ने स्पष्ट किया कि स्थानीय लोग भी इस मेले के आयोजन के पक्ष में नहीं हैं। हाल ही में हुई हिंसक घटनाओं के मद्देनजर मेला नहीं होने देने का निर्णय लिया गया है। प्रशासन ने इसे कानून व्यवस्था के लिए एक समस्या बताया है। इसी के चलते दरगाह कमिटी को इसकी अनुमति नहीं दी गई।

प्रशासन के इन्कार करने के बाद बाद दरगाह कमिटी इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंची थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दरगाह कमिटी को अंतरिम तौर पर राहत देने से इन्कार कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि वह अब सब पक्षों को सुनने के बाद ही कोई आदेश देगा। अब इस मामले में 12 मई को सुनवाई होगी।

हाईकोर्ट में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि दरगाह कमिटी ने उनसे कोई अनुमति नहीं मांगी बल्कि सिर्फ सुरक्षा इंतजाम करने को कहा था। प्रशासन ने स्पष्ट तौर पर बताया कि स्थिति को देखते हुए वह आयोजन करवाने में अभी सक्षम नहीं है।

संपादकीय

युद्ध के कगार पर

इसमें दो राय नहीं कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में चुन-चुनकर मारे गए 26 लोगों की मौत ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोरा है। साथ ही इस घटनाक्रम से उपजे आक्रोश ने सरकार पर आतंकियों व उनके आकाओं को सबक सिखाने का दबाव भी बनाया है। जिसके चलते दोनों देशों की तरफ से तल्ख बयानबाजी का जो दौर शुरू हुआ, वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसने दोनों देशों के संबंधों को निचले स्तर तक पहुंचा दिया है। जवाबी कार्रवाई के दबाव में स्थितियां खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ गई है। दोनों देशों की सीमाओं में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। तीखी बयानबाजी के बीच सैन्य ताकत को बढ़ाने के दावे किए जा रहे हैं। लगातार चिंताजनक होती स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से बयान आया है। दोनों पक्षों को अधिकतम संयम बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही कहा गया है कि तनाव का स्तर कम करने की कोशिश की जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का हस्तक्षेप और सुरक्षा परिषद के बंद कमरे में हुआ सलाह-मशविरा अंतर्राष्ट्रीय जगत की चिंता को ही रेखांकित करता है। निस्संदेह, संयुक्त राष्ट्र महासचिव की चेतावनी महज कूटनीतिक बयानबाजी नहीं है। निश्चित रूप से यह परमाणु हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच संघर्ष को टालने की महत्वपूर्ण कोशिश है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में ले जाकर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का उपक्रम किया था। लेकिन वैश्विक मूड हस्तक्षेप के बजाय तनाव कम करने पर केंद्रित नजर आया। इसमें दो राय नहीं कि अब तक भारत की ओर संयमित प्रतिक्रिया ने स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद ही की है। हालांकि, दंडात्मक कार्रवाई के लिये देश के भीतर बढ़ती मांग ने दिल्ली पर सैन्य विकल्पों पर विचार करने का दबाव जरूर डाला है। हालांकि देश के दीर्घकालीन हितों के मद्देनजर कूटनीतिक प्रयासों से समस्या के समाधान की कोशिश की जानी चाहिए। लेकिन इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाता कि आंतरिक दबाव के चलते यदि सैन्य विकल्पों को प्राथमिकता दी जाती है, तो कालांतर इससे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की शुरुआत हो सकती है। यह भी एक हकीकत है कि ऐसे मौके पर जब आतंकवादियों के क्रूर हमले में मारे गए लोगों के परिवार शोकाकुल हैं और जनता आक्रोशित है, संयम का आह्वान किसी को रास नहीं आएगा। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बड़े पैमाने पर संघर्ष को बढ़ावा देना कल्पना से अधिक तबाही ला सकता है। एक सैन्य टकराव न केवल इस उपमहाद्वीप को अपनी गिरफ्त में ले सकता है, बल्कि दशकों तक इस क्षेत्र को अस्थिर भी बनाये रख सकता है। विगत का अनुभव हमें याद कराता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले युद्ध से न केवल जन-धन की व्यापक क्षति होती है बल्कि साथ में कूटनीतिक अलगाव और आर्थिक झटके भी मिलते हैं। इन हालात में यह जरूरी है कि दोनों देश बैक चैनल के जरिये कूटनीतिक प्रयास करें तथा विश्वास निर्माण के उपायों के लिए फिर से प्रतिबद्धता दिखाएं। वैश्विक समुदायों, खासकर संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका व चीन जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को बयानों से आगे बढ़कर तनाव को बढ़ने से रोकने के लिये सक्रिय रूप से मध्यस्थता करनी चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि कश्मीर का सैन्य समाधान अतार्किक ही कहा जाएगा। एकमात्र वास्तविक समाधान निरंतर बातचीत में निहित है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में चुन-चुनकर मारे गए 26 लोगों की मौत ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोरा है। साथ ही इस घटनाक्रम से उपजे आक्रोश ने सरकार पर आतंकियों व उनके आकाओं को सबक सिखाने का दबाव भी बनाया है। जिसके चलते दोनों देशों की तरफ से तल्ख बयानबाजी का जो दौर शुरू हुआ, वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसने दोनों देशों के संबंधों को निचले स्तर तक पहुंचा दिया है। जवाबी कार्रवाई के दबाव में स्थितियां खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ गई है। दोनों देशों की सीमाओं में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। तीखी बयानबाजी के बीच सैन्य ताकत को बढ़ाने के दावे किए जा रहे हैं। लगातार चिंताजनक होती स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से बयान आया है। दोनों पक्षों को अधिकतम संयम बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही कहा गया है कि तनाव का स्तर कम करने की कोशिश की जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का हस्तक्षेप और सुरक्षा परिषद के बंद कमरे में हुआ सलाह-मशविरा अंतर्राष्ट्रीय जगत की चिंता को ही रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले के बाद कहा था कि इस बार आतंकियों को कल्पना से परे उत्तर दिया जाएगा

नारी नारी के सिंदूर का बदला

प्रमोद भार्गव

पहलगाम हमले में निर्दोश यात्रियों पर आतंकी हमले में सैनिक पति विनय नरवाल को खोने वाली हिमांषी ने जब खुद को भी मार देने की गुहार आतंकियों से लगाई, तो आतंकी का कहना था कि तुझे मोदी को खबर देने के लिए छोड़ा गया है। इस हमले में 26 हिंदुओं को उनकी पहचान करके मारा गया था। द्रोपदी का जब भरी सभा में चीरहरण किया जा रहा था, तब उसने अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए सभा में उपस्थित सभी महारथियों से पुकार की थी, लेकिन सभी लाचार दिखे। यही गुहार भीश्म पितामह से द्रोपदी ने लगाई और धर्म को लेकर एक सवाल किया।

भारत में नारी के सिंदूर का अपमान बहुत बड़ा अपराध है। राम-रावण और कौरव-पांडवों के बीच हुए युद्ध सीता एवं द्रोपदी के अपमान का ही प्रतिशोध रहे हैं। पहलगाम हमले में निर्दोश यात्रियों पर आतंकी हमले में सैनिक पति विनय नरवाल को खोने वाली हिमांशी ने जब खुद को भी मार देने की गुहार आतंकियों से लगाई, तो आतंकी का कहना था कि तुझे मोदी को खबर देने के लिए छोड़ा गया है। इस हमले में 26 हिंदुओं को उनकी पहचान करके मारा गया था। द्रोपदी का जब भरी सभा में चीरहरण किया जा रहा था, तब उसने अपनी अस्मिता की रक्शा के लिए सभा में उपस्थित सभी महारथियों से पुकार की थी, लेकिन सभी लाचार दिखे। यही गुहार भीश्म पितामह से द्रोपदी ने लगाई और धर्म को लेकर एक सवाल किया। तब भीश्म ने उत्तर दिया, 'बेटी, धर्म राजा की सामथ्र्य से परिभाशित होता है।' अभी तक पाकिस्तान धर्म की घुट्टी पिलाकर 35 साल से भारत पर आतंकी हमले करता रहा है। लेकिन उसे सबसे मुकम्मल उत्तर अब जाकर मिला जब उसने आतंकी हमले के जरिए भारतीय नारियों के सुहाग छीन लिए और उनकी मांग का सिंदूर पोंछ दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले के बाद कहा था कि इस बार आतंकियों को कल्पना से परे उत्तर दिया जाएगा। क्योंकि अब सवाल नारी से जुड़े धर्म का था। यह उत्तर ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से 14 दिन के भीतर भारतीय सेना ने दे दिया। भारत ने पहलगाम हमले का बदला लेते हुए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में एक साथ नौ ठिकानों पर लक्शित हमले (एयर स्ट्राइक) 6 और 7 मई की अर्धरात्रि में बोल दिए। सभी स्थलों पर आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। मिसाइलों से छोड़े गए शाक्तिशाली बमों ने भवनों समेत आतंकियों को ध्वस्त कर दिया। इन ठिकानों में पीओके में बाघ, कोटली, भीमबेर, चक अमरू और पाकिस्तान में मुजफ्फराबाद, गुलपुर, सियालकोट, मुरीदके और बहावलपुर शामिल हैं। इन हमलों में कितने आतंकी मारे गए, यह संख्या निश्चित नहीं है, लेकिन 100 से ऊपर अवश्य हैं। सेना ने विलक्शण प्रयोग करते हुए इस हमले की जानकारी मीडिया को ऑपरेशन सिंदूर में शामिल भारतीय सेना की लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह के माध्यम से दी। इन्होंने बताया '22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए मासूम नागरिकों और उनके परिजनों को न्याय देने के लिए ऑपरेशन

सिंदूर को अंजाम दिया गया था। इसमें 9 आतंकवादी शिविरों को ध्वस्त करने का लक्श्य साधा गया और उन्हें पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया गया। किसी भी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया। अब तक पाकिस्तान में किसी भी तरह की नागरिक क्शति की कोई खबर नहीं है।' सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा दी गई इस जानकारी से तय हुआ कि भारत में हर वर्ग और धर्म से जुड़ी नारी का सम्मान बराबरी से किया जाता है। इस प्रेसवर्ता में विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला 2008 में मुंबई हमले के बाद सबसे बड़ा था। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा ने कराया था, जिसका संचालन पाकिस्तान से होता है। पहलगाम हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फोर्स ने ली थी। यह लश्कर-ए-तैयबा का ही एक मुखौटा संगठन है, जो लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों की आतंकी हरकतों को ही अंजाम देता है। सेना ने कोटली अब्बास में जिस आतंकी शिविर को तबाह किया है, इसमें 1500 आतंकियों को प्रशिक्शण दिया गया था। मुरीदके में मरकज तैयबा को ध्वस्त किया गया है। यही लश्कर का मुख्यालय माना जाता है। यहीं से मुंबई हमले का प्रमुख आतंकी अजमल कसाब ने प्रशिक्शण लिया था। इस जबाबी कार्यवाही के बाद भारत की कूटनीति अत्यंत सफल दिखाई दी है। भारत का अमेरिका, रूस, जापान ने खुलकर साथ दिया। तीनों सेनाओं ने इस जबावी कार्यवाही को संयुक्त रूप से सफलता के सोपान पर पहुंचाया। भारतीय सीमा से राफेल विमानों से जो मिसाइलें छोड़ी गईं, उन सभी ने अपने लक्श्य साधे। पाकिस्तान को अशंका थी कि भारत प्रतिशोध लेगा। इसलिए उसने भारतीय मिसाइलों को आसमान में ही नश्ट करने के नजरिए से चाइनीज माल एचक्यू-9 हवाई सुरक्शा के लिए तैनात किया हुआ था। लेकिन यह सुरक्शा कवच पाकिस्तान के लिए काम नहीं आया। भारत की सैन्य ताकत के सामने पूरी तरह असफल रहा। भारत ने अपनी उन्त मिसाइलों और चाक-चैबंद रणनीति के बूते पाक की हवाई रक्शा को नाकाम करते हुए चुन-चुनकर मिसाइलें दागीं। पाकिस्तान ने बाद में जबावी हमले में जेएफ-16 और 17 लड़ाकू विमानों ने हमले के लिए उड़ाने भरीं लेकिन भारत की आकाश मिसाइल ने इन्हें ध्वस्त कर दिया। यदि ऐसी ही जबावी कार्यवाही संसद और अन्य हमलों के बाद पाकिस्तान को दे दी गई होती तो आतंकी ठिकाने पनप ही नहीं पाते। 15 दिसंबर 2001 को जैशे-मोहम्मद के पांच आतंकियों ने संसद पर हमला बोला था। उस दिन एक सफेद एंबेडसर कार में आए इन आतंकवादियों ने 45 मिनट में लोकतंत्र के इस सबसे बड़े और प्रमुख मंदिर को गोलियों से छलनी किया। हमलाबरों से मुकाबले में अपने प्राणों की परवाह किए बिना सीआरपीएफ के पांच जवान शहीद हुए थे। इस हमले का मास्टरमाइंड अफजल गुरू था, जिसे बाद में 20 अक्टूबर 2006 को फांसी दे दी गई थी। इस हमले ने देश को बुरी तरह झकझोरा। इस समय अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे, लेकिन अमेरिकी दबाव में पलटवार का कोई साहस नहीं जुटा पाए ? नतीजतन पाकिस्तान द्वारा निर्यात आतंक की यथास्थिति बनी रही। 26 नवंबर 2008 को मुंबई के ताज होटल समेत 10 आतंकियों ने चार ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों में देशी-विदेशी 166 लोग मारे गए थे। तीन दिन तक महानगर आतंकियों का बंधक बना रहा। बमुश्किल सैन्य व सुरक्शाबलों की कार्रवाई ने नौ आतंकियों को मार गिराया और एक नाबालिग अजमल कसाब को जीवित पकड़ लिया। बाद में कसाब को 21 नवंबर 2012 को फांसी दे दी गई। इस समय आवाम की भावना उग्र आक्रोश के रूप में दिखी, किंतु सोनिया गांधी द्वारा शासित प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कोई जवाबी करिश्मा नहीं दिखा पाए ? नतीजतन आतंक का निर्यात बरकरार रहा। इसके बाद 18 सितंबर 2016 को उरी में स्थित थल सेना के स्थानीय मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले में 18 सैनिक शहीद हुए। हालांकि जवाबी कार्यवाही में चार आतंकियों को तत्काल मार गिराया गया था। किंतु जनता बड़ी कार्यवाही के लिए बेचैन होकर 56 इंची सीने के लिए जबरदस्त चुनौती बनकर पेश आई। परिणाम में मोदी ने साहस दिखाया और 29 सितंबर 2016 को पहली सर्जिकल स्ट्राइक की।

दृष्टि कोण

अस्पतालों में महिला मरीजों की यौन सुरक्षा

हाल ही में दिल्ली के साथ लगते हरियाणा के गुरुग्राम क्षेत्र में एक महिला मरीज के यौन उत्पीडऩ से जुड़ी एक घटिया हरकत सामने आई है। यहां के एक अस्पताल में एक एयर होस्टेस के साथ कर्मचारी ने कथित तौर पर यौन शोषण किया। इस दुष्कर्म को उस समय अंजाम दिया गया जब महिला मरीज आईसीयू में वेंटीलेटर पर थी। महिला ने अपनी शिकायत में बताया था कि 6 अप्रैल को वह वेंटिलेटर पर थी, जब अस्पताल के कुछ कर्मचारियों द्वारा उसका यौन उत्पीडऩ किया गया। इसे डिजिटल रेप के रूप में बताया जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल रेप में डिजिटल का मतलब उंगलियों से यौन उत्पीडऩ करना है। इस क्रिया में शारीरिक बलात्कार जैसा कार्य नहीं होता है। इसे भारतीय कानून के तहत एक गंभीर अपराध माना जाता है। यह पहला मामला नहीं है, जब किसी महिला को अस्पताल में इस तरह की दरिंदिगी और यौन उत्पीडऩ का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भी कई बार इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। एक जर्नल के अनुसार पूरे भारत में अस्पतालों के अंदर मरीजों का यौन उत्पीडऩ आम बात है। भारत में 4 में से एक भारतीय महिला ने सरकारी अस्पताल में लिंग आधारित हिंसा की शिकायत की है। मौजूदा घटना अपने आप में महिला मरीजों की अस्पतालों में इलाज के दौरान यौन सुरक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करने वाली है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकेगा कि इस प्रकार की नामुराद घटनाएं पूरे देश में बढ़ रही हैं। कुछ समय पहले कोलकाता में भी ऐसा कांड सामने आया था और पूरे देश में हो-हल्ला मच गया था। कल्पना कीजिए, एक महिला मरीज लगभग कोमा में है, वह वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। जिंदगी और मौत से लड़ रही है, संवेदना की दया पात्र महिला मरीज के खिलाफ अस्पताल

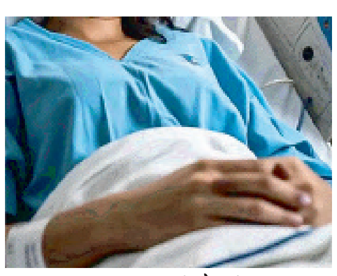

का कथित स्टाफ उसकी बेबसी का फायदा उठाकर आईसीयू में वहशीपन की साजिश रचता है। कुछ बेशर्म महिला बाशिंदों की मौजूदगी में उस महिला की आबरू पर हमला होता है। यह सब अत्यंत शर्मसार करने वाला लगता है। जरा सोचिए उस महिला मरीज के मन की हालत क्या होगी। कुछ वक्त पहले कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और महिलाओं की सुरक्षा के उपायों में महत्वपूर्ण कमियों को उजागर किया है। विधायी प्रगति और जागरूकता बढ़ाने के बावजूद, महिलाओं के खिलाफ हिंसा चिंताजनक रूप से उच्च बनी हुई है। घरेलू हिंसा, वैवाहिक बलात्कार, छेड़छाड़, यौन उत्पीडऩ, दहेज से संबंधित अपराध और मानव तस्करी जैसी घटनाओं की संख्या भारत में अभी भी अधिक है। गहरी पैठ वाली पितृसत्तात्मक मानसिकता, आर्थिक असमानताएं और रूढ़िवादी सांस्कृतिक प्रथाएं लगातार लिंग आधारित हिंसा में योगदान करती हैं। बढ़ती जागरूकता के कारण शहरी क्षेत्रों में ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग अधिक होती है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कलंक और सीमित सहायता प्रणालियों के कारण ऐसी घटनाएं कम ही रिपोर्ट हो पाती हैं। गुरुग्राम के अस्पताल में उपचाराधीन एक एयर होस्टेस के यौन उत्पीडऩ के मामले में हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने इस मामले पर कहा है कि हरियाणा के प्राइवेट अस्पतालों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए नियम बनाए जाएंगे। उन्होंने अस्पतालों को महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह भी आदेश किया गया है कि किसी भी अस्पताल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना अस्पताल का दायित्व होगा। सभी राज्यों के महिला आयोग ऐसे मुद्दों को लेकर उग्रता दिखाए, तो बेहतर होगा। महिला मरीजों का यौन उत्पीडऩ एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है। कुछ समय पहले यूरोप के एक देश नॉर्वे में एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है। वहां गांव के एक डॉक्टर पर 87 महिलाओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। इन महिलाओं की उम्र 14 से 67 साल के बीच है। बताया जा रहा है कि ये घटनाएं पिछले 20 साल से हो रही थीं। आरोप है कि डॉक्टर इन महिलाओं का उनके घरों और अपने सर्जरी रूम में रेप करता था और वीडियो भी बनाता था। इसे नॉर्वे के इतिहास का सबसे बड़ा यौन शोषण कांड बताया जा रहा है।

कुछ अलग

युद्ध का मॉकड्रिल

युद्ध का मॉकड्रिल लगता है भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की नौबत आ ही जाएगी। जहां पाकिस्तान में हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल है वहीं भारत प्रातिदिन अपने कील कांटे फिट करने में लगा है। इसी व्राम में परमाणु संयंत्रों, सैन्य ठिकानों, रिफाइनरी और जल विद्युत बांधों जैसे संवेदनशील प्रातिष्ठानों वाले लगभग 300 सुरक्षा जिलों में हवाईं हमले की चेतावनी देने वाले सायरन, शत्रुतापूर्ण हमले के लिए नागरिक प्राशिक्षण और बंकरों एवं खंदको की सफाईं के साथ बुधवार को मॉकड्रिल के आयोजन की पुष्टि वेंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में संपन्न हुईं मंगलवार की एक उच्चस्तरीय बैठक में हुईं जिसमें लोगों की सायि सहभागिता पर भी चर्चा हुईं। ये मॉकड्रिल देश के सभी जिलों में होनी है। यह सच है कि युद्ध तो देश की सेना ही लड़ती है किन्तु जिस वक्त सैनिक युद्धरत होते है उनकी जिम्मेदारी दुश्मन को क्षति पहुंचाने पर लक्ष्य ज्यादा वेंद्रित होता है साथ ही देश के अर्धसैनिक बलों की जिम्मेदारी राष्ट्रीय संवेदनशील संपत्तियों की सुरक्षा पर वेंद्रित लेकिन हमारे नागरिकों की सुरक्षा भी बहुत महत्वपूर्ण पहलू होता है। नागरिकों के लिए जरूरी है कि वे अपनी रक्षा ज्यादा से ज्यादा खुद ही करने का प्रायास करें। मॉकड्रिल के माध्यम से जहां सरकार लोगों को सुरक्षा के प्राति जागरूक करना चाहती है, वहीं देश में यह माहौल भी बनाना चाहती है कि देश युद्ध के लिए तैयार है। भारत खुद भी पाकिस्तान से युद्ध लंबा खीचने के पक्ष में नहीं होगा किन्तु अपना लक्ष्य प्राप्त करने में यदि सेना को ज्यादा समय लगता है तो समय पर किसी का नियंत्रण नहीं रह जाएगा। ऐसी हालत में युद्ध कब तक चलेगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि शत्रु पक्ष सक्षम है। जो देश अपने शत्रु को कमजोर समझता है, उसकी रणनीतिक तैयारियां हमेशा अधूरी रहती हैं। इस मामले में भारत ने हमेशा सतर्वता बरती है। भारत के स्र्वारियता के दो कारण हैं। पहला तो यह कि पामिी क्षेत्र में उसके पड़ोस में आतंकी छाया युद्ध का माहौल हमेशा बना रहता है और दूसरा है उत्तर और पूवरेत्तर में चीन जैसे वुटिल देश हैं जिसकी सेना हमेशा भारत की जमीन पर अपना झंडा गाड़कर फजा सबूत तैयार करती है। गलवान के बाद तो भारत और भी सजग हो गया है। बहरहाल भारत में वुछ लोग जिम्मेदार पदों पर बैठे हैं और उन्हें पता है कि जब दो देशों में सैन्य टकराव होते हैं तो दोनों देशों की सेना एक दूसरे के कमजोरी का फायदा उठाना चाहती है। एक प्रोपेशनल सेना अपने देश की कमजोरियों को दूर करने के लिए जो तैयारी करती हैं, उसमें अच्छे नागरिक के नाते देशवासियों को व्यवधान नहीं डालना चाहिए। युद्ध सरकार नहीं लड़ती, युद्ध लड़ती है सेना और सेना को रास्ता दिखाते हैं हमारे मिलिटरी इंटेलीजेंस एवं अन्य खुफिया तंत्र जो हमारे सुरक्षा बलों की आंख और कान की भूमिका निभाते हैं। अमेरिका में 11 सितम्बर को अलकायदा का हमला हुआ था और अमेरिका ने अफगानिस्तान जैसे कम शक्तिशाली देश पर 7 अक्टूबर को हमला किया था। भारत की सेना बहुत जिम्मेदार है, वह कभी भी लक्ष्य हासिल करने के लिए ऐसा वुछ भी नहीं करेगी जिससे कि देश का मान कम हो। लब्बोलुआब यह है कि जितने दिन बीत रहे हैं, उसका उतना ही फायदा वूटनीतिक, आर्थिक रणनीति एवं सैन्य शक्ति संचालन अयास के लिए समय मिल रहा है। ऐसे में नागरिकों के स्तर पर माकड्रिल करके सरकार नागरिकों में सतर्वता एवं सहयोग की भावना पैदा करने का प्रायास कर रही है।

देश दुनिया से

पाकिस्तान से क्रिकेट संबंध खत्म करने होंगे

खेल प्रतिस्पर्धाएं विश्व में आपसी सौहार्द बढ़ाने का एक बड़ा माध्यम हैं। खेल संस्कृति के दृष्टिकोण पर गौर करें तो बड़े से बड़े खिलाड़ी भी खेल मैदान पर शालीनता, मैत्रीपूर्ण व सकारात्मक तरीके से खेलना पसंद करते हैं। जीत-हार खेल के दो पहलू हैं। खेल का परिणाम जो भी हो, प्रतिद्वंद्वी टीम का सम्मान करके जीत व हार को विनम्रता से स्वीकार करना खिलाड़ी व खेल की महानता को दर्शाता है। अंग्रेजों ने क्रिकेट को 'जेंटलमैन गेम' कहा था। लेकिन खेल के मैदान में यदि प्रतिद्वद्वी पाकिस्तान हो तो नैतिकता व शिष्टाचार वजूद तलाशते हैं। क्रिकेट व हॉकी में पाकिस्तान भारत का कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहा है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ चार युद्धों को अंजाम देकर कई आतंकी हमले भी कराए। हजारों सैनिक व सैकड़ों बेगुनाह लोग मारे गए, मगर पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय क्रिकेट डिप्लोमेसी में कोई बदलाव नहीं हुआ। सन् 1949 में कश्मीर युद्ध की जंगबंदी का ऐलान हुआ। 28 जुलाई 1952 को इंग्लैंड के लॉड्र्स में 'इंपीरियल क्रिकेट कान्फ्रेंस' में भारत ने सिफारिश करके पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट का दर्जा दिलाने में अहम किरदार अदा किया था। उसके बाद पाकिस्तान ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच अक्तूबर 1952 में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान पर भारत के खिलाफ खेला था। भारत-पाक की उस टेस्ट सीरीज में 'अब्दुल हफीज कारदार' पाक टीम के कप्तान थे। पाक टीम के प्रथम कप्तान कारदार विभाजन से पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा थे। दिलचस्प बात यह है कि कंगाली से जूझ रही पाक क्रिकेट टीम सन् 1952 में जब भारत के दौरे पर आई तो उनकी पूरी आर्थिक मदद 'भारतीय क्रिकेट बोर्ड' ने की थी। इस बात को पाकिस्तानी लेखक 'उमर नोमान' ने अपनी किताब 'ए हिस्ट्री ऑफ क्रिकेट इन पाकिस्तान' में तफसील से बयान किया था। 'भोपाल रियासत' से ताल्लुक रखने वाले व पाक क्रिकेट बोर्ड के चीफ रहे 'शहरयार खान' ने भी उस बात को तसलीम किया था। भारतीय इतिहासकार 'रामचंद्र गुहा' ने भी अपनी किताब 'ए कार्नर ऑफ ए फॉर्नर फील्ड' में लिखा था कि बीसीसीआई ने वित्तीय मदद से पाक क्रिकेट की बुनियाद को मजबूत किया था। मगर पाकिस्तान ने अपनी आवाम को क्रिकेट के लिए भारत का एहसान कभी नहीं बताया। लेकिन एहसान फरामोशी की हद देखिए, भारत की आर्थिक मदद से पाक क्रिकेट टीम सन् 1952 में जब हिंदोस्तान के दौरे पर आई तो टीम कैप्टन कारदार का दिमाग कश्मीर की वादियों में घूम रहा था। टैस्ट सीरीज खत्म होते ही अब्दुल हफीज कारदार ने कश्मीर को पाकिस्तान का अभिन्न अंग बता कर एक नया विवाद खड़ा कर दिया था। कारदार के उस विवादास्पद बयान को खेल

भावना के खिलाफ मानकर भारत की तत्कालीन हुकूमत ने अब्दुल हफीज कारदार को भविष्य में भारत आने पर प्रतिबंध लगा दिया था। सन् 1986-87 के दौर में भारतीय सेना सियाचिन ग्लेशियर के महाज पर कब्जा करने के लिए पाक सेना से संघर्ष कर रही थी। हमारे सैनिक बलिदान हो रहे थे। पंजाब सूबे में पाक परस्त आतंक चरम पर था, मगर उसी दौरान 21 फरवरी 1987 को पाक आतंकवाद के जनक जनरल 'जिया उल हक' भारत और पाक के बीच जयपुर टेस्ट मैच देखने के बहाने दिल्ली में तशरीफ ले आए। दिल्ली से पाक वापसी के वक्त जिया उल हक ने एक मखसूस लहजे में जिक्र किया था कि भारत और पाक के बीच अगली जंग पारंपरिक नहीं, बल्कि परमाणु युद्ध होगा। जिया उल हक का वो बयान सियाचिन पर पाक सेना की शर्मनाक शिकस्त की बौखलाहट थी। जनवरी 1999 में पाक फौज कारगिल में घुसपैठ कर चुकी थी। जून 1999 में कारगिल युद्ध चरम पर था। जंग के मैदान से भारतीय सैनिकों की लाशें ताबूतों में आ रही थीं, मगर आठ जून 1999 को भारत व पाक के दरम्यान विश्व कप का मैच खेला गया। कारगिल युद्ध समाप्त हुआ। पाक परस्त आतंकियों ने 13 दिसंबर 2001 को भारतीय संसद पर हमला कर दिया जिसमें नौ सुरक्षाकर्मियों ने शहादत को गले लगाकर हमारे मुल्क के सियासी हुक्मरानों को महफूज बचा लिया था। भारतीय सेना 'ऑपरेशन पराक्रम' के तहत सरहदों पर पहुंच चुकी थी। मगर कारगिल जंग का गुनाहगार पाक जरनैल 'परवेज मुशर्रफ' 14 जुलाई 2001 को 'आगरा समिट' के बहाने अपनी बेगम के साथ ताजमहल का दीदार करने पहुंच गया। मुशर्रफ का भारत में आना कारगिल युद्ध के बलिदानी सैनिकों व सैन्य परिवारों का अपमान था। 24 सितंबर 2002 को अक्षरधाम हमला हुआ। मगर सन् 2004 में भारतीय टीम पाकिस्तान के दौरे पर थी। 16 अप्रैल 2005 को परवेज मुशर्रफ अजमेर शरीफ की चौखट पर सजदा कर रहा था। सन् 2006 में तथा जून 2008 में 'एशिया कप' के लिए भारतीय टीम एक बार फिर पाक दौरे पर थी। उसके ठीक बाद 26 नवंबर 2008 को पाक पोषित आतंकियों ने मुंबई पर हमला करके 166 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। मगर 30 मार्च 2011 को पाक वजीरे आजम 'यूसुफ रजा गिलानी' वल्र्ड कप का सेमीफाइनल देखने के लिए 'मोहाली' में तशरीफ ले आए थे। सन् 2012-13 में पाक टीम भारत के दौरे पर थी। पाकिस्तान से क्रिकेट डिप्लोमेसी के जरिए भारत एक मुद्दत से संबंध सुधारने में लगा रहा, लेकिन पाकिस्तान आतंक के जरिए भारत को गहरे जख्म देता रहा है। न्यूज चैनलों व यू-ट्यूब चैनलों पर पाक क्रिकेटरों व फनकारों के भारत विरोधी बयान सरेआम सुने जा सकते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने 'सिंधु जल समझौता' रद्द करके पाक के कई न्यूज व यू-ट्यूब चैनल भी बंद किए हैं। लिहाजा मातृभूमि की रक्षा में बलिदान हो रहे सैनिकों के सम्मान में भारत को आतंकी मुल्क से क्रिकेट डिप्लोमेसी भी खत्म करनी होगी।

आप का नजरिया

पर्यटन साख के कंधे

कोई आईपीएल जैसा क्रिकेट मैच भी पर्यटन की साख को कंधे पर उठा लेता है और रोमांच का हर किस्सा जुबान बन जाता। अचानक मैच के दिन यह धर्मशाला वो धर्मशाला शहर नहीं रहता। यहां परवान चढ़ता है चप्पा-चप्पा और बेजुबान आकर्षण भी बोलने लगता। पर्यटन बोलता है उन तमाम रास्तों पर जो धर्मशाला शहर के क्रिकेट स्टेडियम तक पहुंचाते हैं और एक साथ कई हाईवे पर्यटन के पार्टनर बन जाते हैं। ऊना से, पठानकोट से आती सडक़ों पर आईपीएल मैच की रौनक रंग बरसाती है, तो पर्यटन की क्षमता का समुद्र यकायक धर्मशाला में बहने लगता है। धर्मशाला में क्रिकेट स्टेडियम को साधुवाद यह कि इस शहर ने खुद को आयोजनों के लायक बना लिया। तब करीब सौ से डेढ़ करोड़ की लागत से हुआ क्रिकेट में निवेश, आज पर्यटन के हासिल को व्यक्त करता है। ऐसे में सवाल यह कि पूरे प्रदेश में अब तक हजारों करोड़ व्यय करके हमने पर्यटन की जरूरतों और पर्यटक के मूड को पढऩे में आखिर किया ही क्या। प्रदेश में कई मनोरम दृश्य और मनोरंजन के क्लाइमेक्स आधुनिक सैलानियों के मक्का बन सकते हैं, मगर योजनाओं के तात्कालिक लाभ ने इन्हें सियासी संदर्भों में फिजूलखर्ची का शिकार कर लिया। मसलन धर्मशाला में प्रस्तावित कान्वेंशन सेंटर के नाम पर सियासत ने दिल इतना छोटा कर लिया कि प्रस्तावित परिसर पिछले कई सालों से धूल चाट रहा है। कान्वेंशन पर्यटन हिमाचल में हाई एंड टूरिज्म की सफल पारी खेल सकता है, तो साहसिक खेलों में कई स्की विलेज बनकर उभर सकते हैं। कहीं मनाली स्की विलेज की पैरवी के खिलाफ आंदोलन की कीलें न ठोंकी होतीं, तो आज मनोरंजन का एक कारवां वहां की गतिविधियों में मशगूल होता। पर्यटन में निवेश के सरकारी दस्तावेज बेकार सिद्ध हुए, फिर भी कोई सबक लिया नहीं गया। ऐसे में धर्मशाला स्टेडियम अपने आकर्षण का आईना और पर्यटन का भविष्य ही नहीं सींचता, बल्कि व्यवस्था के पैमानों में इस शहर को स्मार्ट सिटी होने का रुतबा भी जोड़ता है। यही एक शहर है जो क्रिकेट मैचों के बहाने खुद को चलना सिखाता है, वरना करीब पच्चीस हजार लोगों की अतिरिक्त भीड़ से जुड़े ट्रैफिक इंतजाम राष्ट्रीय स्तर पर अपाहिज नजर आते। ऐसे में कुछ लोगों का यह भी नजरिया रहा है कि यहां दूसरी राजधानी के तौर पर कुछ कार्यालयों व निगम-बोर्डों के मुख्यालय स्थापित किए जाएं। इसी परिप्रेक्ष्य में वाइल्ड लाइफ तथा पर्यटन विकास निगम के मुख्यालयों का शिफ्ट होना कारगर माना जा रहा है। बहरहाल पर्यटन व शहरी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रदेश को अभी से तैयार होना पड़ेगा। महा आयोजनों की दृष्टि से कई साधु-संत या धार्मिक गुरुओं के समागम भीड़ तो हिमाचल में ले आते हैं, लेकिन ये जत्थे पर्यटन के लिए नकारात्मक प्रभाव ही दर्शाते हैं। इसी तरह कुछ धार्मिक श्रद्धालुओं के झुंड मंदिर मार्गों के साथ-साथ प्रमुख पर्यटक स्थलों को केवल भीड़ की सौगात दे जाते हैं, जबकि उनके भ्रमण का उद्देश्य केवल लंगर और सडक़ तक ही सीमित है। यानी हिमाचल में पर्यटन के जिस हिस्से में भीड़ भर रही है, वहां नकारात्मक प्रभाव सामने आ रहे हैं। कुछ सामाजिक व राष्ट्रीय असंतोष के मुहाने भी हिमाचल में पर्यटन के मार्फत आए हैं, फिर भी प्रदेश की पुलिस व्यवस्था के कारण हम इस उद्योग को जी पा रहे हैं।

पाकिस्तान-भारत के मौजूदा तनाव ने अफगानिस्तान की चिंता बढ़ाई

काबुल,08 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान और भारत के बीच ताजा तनाव ने अफगानिस्तान के व्यापार के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। बंदरगाहों पर अफगानिस्त से निर्यात होने वाले शिपमेंट रुक गए हैं। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इन्वेस्टमेंट ने कहा कि इस स्थिति ने अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पर और दबाव बढ़ा दिया है।

टोलो न्यूज के अनुसार, चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इन्वेस्टमेंट के बोर्ड सदस्य खान जान अलोकोजय ने कहा कि यह स्थिति अफगानिस्तान के लिए नुकसानदेह है। सीमित आपूर्ति और उच्च मांग के कारण भारत में अफगान सामान अधिक महंगे हो गए हैं। भारत के लोगों को अफगानिस्तान के ताजे और सूखे फल पसंद हैं। दोनों देशों के बीच तनाव अफगानिस्तान के लिए गंभीर मुद्दा है।

बोर्ड सदस्य ने पाकिस्तान और भारत की सरकार से पारगमन और व्यापार के मुद्दों को राजनीतिक और सुरक्षा मामलों से अलग करने का आह्वान किया है। वित्र मंत्रालय ने अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पर भारत-पाकिस्तान तनाव के प्रत्यक्ष प्रभाव के बारे में भी चिंता व्यक्त की है। उप वित्त मंत्री अब्दुल लतीफ नाजारी ने कहा कि भारत-पाकिस्तान संबंधों में तनाव अफगानिस्तान की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। अफगानिस्तान का जरूरी सामान वाघा सीमा के जरिए आयात होता रहा है।बढ़ते तनाव के साथ यह प्रक्रिया निस्संदेह अफगानिस्तान के आयात और निर्यात को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

इस बीच, कुछ विशेषज्ञों का सुझाव है कि अफगानिस्तान भारत के साथ व्यापार जारी रखने के लिए ईरान के चाबहार बंदरगाह का अधिक से अधिक उपयोग कर सकता है। आर्थिक विशेषज्ञ मीर शकर याकूबी ने कहा कि क्षेत्रीय तनाव की स्थिति को देखते हुए वाघा के विकल्प के रूप में चाबहार बंदरगाह का उपयोग करने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। इस बंदरगाह के माध्यम से व्यापार को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया जा सकता है।अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार ने दोनों देशों से वार्ता का आह्वान किया है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल से भारत में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे चीन के चार नागरिक गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल से रक्सौल बॉर्डर के रास्ते भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करते चीन के संदिग्ध चार नागरिक को एसएसबी ने नेपाल- भारत मैत्री ब्रिज से गिरफ्तार कर लिया। इसमें एक महिला भी है। वह बार- बार अपना बयान बदल रही है। एसएसबी के अनुसार, चीन की महिला खुद को कभी नेपाल तो कभी चीन का नागरिक बता रही है। वह हिंदी , नेपाली , अंग्रेजी और चीनी भाषा फर्राटेदार बोल रही है। जांच अधिकारियों ने बताया कि इस महिला के पास मिले कागजों में पाकिस्तान के मोबाइल नंबर मिले हैं। इस महिला का सबंध पाकिस्तान भी हो सकता है। वह वहां के किसी व्यक्ति के संपर्क में है। एसएसबी के अनुसार, तीनों पुरुष चीनी नागरिक पिछले एक हफ्ते से काठमाडू में रह रहे थे और रक्सौल बॉर्डर से भारत में घुसपैठ करना चाहते थे। इस काम में उनकी मदद यह चीनी महिला कर रही थी। चारों से पूछताछ जारी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-नेपाल के रक्सौल बॉर्डर पर एसएसबी को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यहां से गुजरने वाले सभी लोगों की गहन जांच की जा रही है। भारत मे प्रवेश करने वाले लोगो का पहचान पत्र देख कर ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है।

अमेरिका को इजराइल-हमास युद्ध 24 घंटे में रुकने की उम्मीद

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका ने उम्मीद जताई है कि इजराइल-हमास युद्ध 24 घंटे में रुक सकता है। उसकी भारत-पाकिस्तान के मौजूदा तनाव पर भी नजर है। अमेरिका ने साफ किया है कि चीन पर टैरिफ वापस नहीं होगा। इस बीच ब्रिटेन से बड़ा व्यापार समझौता संभव है। भारत-पाकिस्तान के तनाव पर नजर, चीन पर टैरिफ वापस नहीं होगा, ब्रिटेन से बड़ा व्यापार समझौता संभव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवालों पर इन मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। ट्रंप ने कहा कि वह चीन पर टैरिफ वापस लेने के लिए तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि इजराइल और हमास के लिए नए युद्धविराम और बंधक सौदे के प्रस्ताव की अच्छी खबर अगले 24 घंटों में आ सकती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच गोलीबारी के बाद होने वाले घटनाक्रमों पर उनकी बारीकी से नजर है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार सुबह ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते की घोषणा कर सकते हैं। यह दर्जनों व्यापारिक साझेदारों पर भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद पहला समझौता होगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह एक बड़े और अत्यधिक सम्मानित देश के प्रतिनिधियों के साथ एक प्रमुख व्यापार समझौते की घोषणा करेंगे।

सिस्टीन चैपल से निकला काला धुआं, अब तक नहीं चुना गया नया पोप

वेटिकन सिटी। वैटिकन के सिस्टीन चैपल की चिमनी से बुधवार को निकले काले धुएं ने यह संकेत दे दिया कि कैथोलिक चर्च को फिलहाल नया पोप नहीं मिला है। 133 कार्डिनल्स ने इस गुप्त और पारंपरिक प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है, लेकिन पहले दौर की वोटिंग में कोई स्पष्ट निर्णय नहीं हो सका। कैथोलिक चर्च के 2,000 साल पुराने इतिहास में सबसे अधिक भौगोलिक विविधता वाले इस कॉन्क्लेव की शुरुआत बुधवार को रोमन रीति-रिवाजों, लाल वस्त्रधारी कार्डिनल्स की उपस्थिति, लैटिन मंत्रोच्चारण और भव्य माहौल के बीच हुई। पहले मतदान के असफल रहने के बाद कार्डिनल्स गुरुवार को फिर से मतदान करेंगे। सेंट पीटर्स स्क्वायर में हजारों श्रद्धालु विशाल स्क्रीन पर मतदान प्रक्रिया का इंतजार करते रहे। जैसे ही चिमनी से धुआं निकला, लोगों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी, हालांकि काले धुएं ने उम्मीदों पर फिलहाल पानी फेर दिया। वहीं, लंदन से आए 27 वर्षीय गैब्रियल कैप्री ने कहा, उम्मीद है कि कार्डिनल्स ऐसा नेता चुनें जो शांति स्थापित कर सके और चर्च को एकजुट करने की क्षमता रखता हो।

तालिबान और एनआरएफ एक दूसरे पर हमला न करने पर सहमत

काबुल,08 मई (एजेंसियां)।

तालिबान और नेशनल रेजिस्टेंस फ्रंट (एनआरएफ) कल एक-दूसरे पर हमला न करने पर सहमत हो गए। एनआरएफ ऐसा सैन्य गठबंधन है, जो तालिबान के दमनकारी शासन के खिलाफ अफगानों को लामबंद करता है। इसको प्रतिरोध मोर्चा भी कहा जाता है। इसके नेता अहमद मसूद हैं। हमले रोकने की रजामंदी बुधवार दोपहर परवान प्रांत के केंद्र में दोनों पक्षों के बीच हुई ।

इस पहली बैठक में अहमद मसूद के समर्थकों और तालिबान प्रतिनिधियों ने लड़ाई रोकने के विकल्पों पर चर्चा की। एनआरएफ की स्थापना अगस्त 2021 में अहमद मसूद ने की थी। एनआरएफ के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुजाहिदीन के पूर्व कमांडर अलमास जाहिद और छह सदस्यीय तालिबान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व तालिबान के खुफिया उप नेता मोहम्मद मोहसिन हाशिमी ने किया।

इस बैठक में हिस्सा लेने वाले एनआरएफ के नेता मोहम्मद आलम एजेदयार ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि दोनों पक्ष दूसरे दौर की वार्ता होने तक एक-दूसरे पर हमला नहीं करने पर सहमत हुए हैं। यह बैठक करीब तीन घंटे बाद समाप्त हुई। इस बीच, तालिबान प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने कहा कि तालिबान पंजशीर के मुद्दे पर चर्चा करना चाहता था, लेकिन मसूद के समर्थक भावी सरकार की संरचना पर चर्चा करना चाहते थे। इसलिए वार्ता का कोई ठोस नतीजा नहीं निकला।

तालिबान के सांस्कृतिक आयोग के सदस्य अनामुल्लाह समांगानी ने कहा कि पंजशीर पर चर्चा शासन प्रणाली की समग्र संरचना पर केंद्रित रही। तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के सदस्य नूरुल्लाह नूरी ने कहा कि आने वाले दिनों में चर्चा के नतीजे सामने आएंगे।

अगर चर्चा का कोई नतीजा नहीं निकलता तो सैन्य हमले का विकल्प तो खुला ही है। प्रतिरोध मोर्चा के सदस्य हामिद सैफी ने कहा कि वार्ता के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। इसके बावजूद, हमारे पास सभी सैन्य तैयारियां भी हैं।

दोहरा चेहरा: कभी गीदड़ भभकी देता है तो कभी गिड़गिड़ाता है पाकिस्तान

इस्लामाबाद। एक तरफ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ गीदड़ भभकी दे रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ उनकी ही सरकार के मंत्री भारत के साथ खुद तनाव कम करने की गुहार लगा रहे हैं। अब दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल से फोन पर बात की है। तुर्की के मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह बातचीत बुधवार देर रात हुई। यानी भारतीय सेना द्वारा सीमापार आतंकवादी ढांचे पर की गई सटीक कार्रवाई के एक दिन बाद पाकिस्तानी एनएसए ने कथित तौर पर डोभाल से फोन पर बात की है। एक इंटरव्यू में पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने इस बातचीत की पुष्टि की। यह बातचीत भारत के एनएसए अजित डोभाल और पाकिस्तान के एनएसए असीम मलिक के बीच हुई। यह पहली सीधी बातचीत है जो 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, डार ने इस बातचीत के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी, इस संपर्क को दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच तनाव को कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इस टेलीफोन कॉल की पुष्टि भारत या पाकिस्तान की किसी आधिकारिक एजेंसी ने अब तक नहीं की है। एनएसए डोभाल ने अमेरिका के एनएसए एवं विदेश मंत्री मार्को रुबियो, चीन के विदेश मंत्री वांग यी, रूस के एनएसए सर्गेई शोइगु, ब्रिटेन के एनएसए जोनाथन पॉवेल, सऊदी अरब के एनएसए मुसैद अल-ऐबन, संयुक्त अरब अमीरात के एनएसए तहनून बिन जायद अल नाहयान, जापान के एनएसए मसाटाका ओकानो और फ्रांस के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार इमैनुएल बोने के साथ अलग-अलग फोन पर बातचीत की। सूत्रों ने बताया कि डोभाल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में उन्हें कुछ जानकारी दी।

ब्रिटेन और सिंगापुर ने जारी की नई ट्रैवल एडवाइजरी, नागरिकों को जम्मू-कश्मीर और सीमा क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह

लंदन,08 मई (एजेंसियां)।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते सैन्य तनाव को देखते हुए ब्रिटेन के विदेश कार्यालय (एफसीडीओ) ने बुधवार को अपना यात्रा परामर्श अपडेट कर दिया है। इसमें ब्रिटिश नागरिकों को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से 10 किलोमीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की यात्रा से सख्त परहेज करने की सलाह दी गई है।

नवीनतम परामर्श में विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील क्षेत्रों जैसे पहलगाम, गुलमर्ग, सोनमर्ग, श्रीनगर शहर, और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की यात्रा से भी मना किया गया है। इसके अलावा, लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के 10 मील (लगभग 16 किलोमीटर) के भीतर किसी भी क्षेत्र में यात्रा पर पूरी तरह रोक लगाने की सिफारिश की गई है।

ब्रिटिश सरकार ने यह कदम भारत द्वारा हाल ही में किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद उठाया है, जिसमें भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इस सैन्य कार्रवाई के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव और अधिक गहराया है।

ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने बयान में कहा, क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा स्थिति अत्यधिक संवेदनशील बनी हुई है। हम अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और उन्हें अपील करते हैं कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें।

सिंगापुर ने भी जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

सिंगापुर के विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों को भारत के जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान की सभी गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सख्त हिदायत दी गई है। मंत्रालय ने विशेष रूप से भारत-पाकिस्तान सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति को अस्थिर और संवेदनशील बताया है और वहां यात्रा कर रहे सिंगापुर के नागरिकों से अत्यधिक सतर्कता बरतने को कहा है।

इस बीच, भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी पर्यटकों से अपील की है कि वे आधिकारिक दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी यात्रा से पूर्व स्थानीय प्रशासन या दूतावासों से जानकारी प्राप्त करें।

अंतरिक्ष यान सोयुज एमएस-27 लॉन्च पैड तक पहुंचा

रूस का बहुप्रतीक्षित अंतरिक्ष यान सोयुज एमएस-27 लॉन्च पैड तक पहुंच चुका है। यह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर रवाना होने को तैयार है। दुनिया अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक और बड़ी छलांग लगाने जा रही है। यह ऐतिहासिक यान रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस द्वारा संचालित किया जाता है और इसे सबसे भरोसेमंद अंतरिक्ष यानों में गिना जाता है। इसकी लॉन्चिंग कजाकिस्तान स्थित बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से होगी, जो कि वही ऐतिहासिक स्थल है जहां से 1961 में यूरी गगारिन ने पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान भरी थी। पांच अप्रैल को यह यान विशेष तैयारियों के तहत लॉन्च पैड तक पहुंचाया गया। इस प्रक्रिया को रोल आउट कहा जाता है, जिसमें यान को उसकी असेंबली साइट से लॉन्च प्लेटफॉर्म तक रेल मार्ग से बेहद सावधानी के साथ लाया जाता है।

अमेरिका रॉबर्ट एफ. कैनेडी हत्याकांड की 60,000 और फाइलों को सार्वजनिक करेगा

वॉशिंगटन,08 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने बुधवार को पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ. कैनेडी हत्याकांड से जुड़ी करीब 60,000 फाइलों को सार्वजनिक करने की घोषणा की। कैनेडी की हत्या साल 1968 में हुई थी।

तुलसी गबार्ड ने कहा कि यह पिछले महीने जारी की गई करीब 10,000 फाइलों के अतिरिक्त हैं। उन्होंने कहा कि 10,000 फाइलों से खुलासा हुआ कि विदेशी धरती पर अफवाह फैल रही थी कि कैनेडी को उनकी वास्तविक हत्या की तारीख से एक महीने पहले गोली मार दी गई थी। गैबर्ड के अनुसार, हाल ही में जारी की गई फाइलें संघीय सरकार की अलमारियों में दशकों से पड़ी हुई थी। उन्हें पहले कभी भी डिजिटल नहीं किया गया था या जनता के लिए सुलभ नहीं बनाया गया था।

उन्होंने कहा कि अब तक सार्वजनिक की गई फाइलों में लॉस एंजिल्स पुलिस का कैनेडी के हत्यारे और प्रत्यक्षदर्शियों के साक्षात्कार की रिकॉर्डिंग शामिल हैं। अतिरिक्त फाइलें पर पहले से जारी की गई फाइलों के साथ अपलोड की जाती रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि पूर्व सीनेटर रॉबर्ट एफ कैनेडी की हत्या अब भी रहस्य बनी हुई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में आते ही रॉबर्ट कैनेडी की हत्या से संबंधित दस्तावेजों को सार्वजनिक करने का वादा किया था। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गाबार्ड का मानना है कि रॉबर्ट एफ कैनेडी की हत्या के लगभग 60 साल बाद अमेरिकी लोगों को पहली बार राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में संघीय सरकार की जांच की समीक्षा करने का अवसर मिला है।

बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सेना के वाहन को बम से उड़ाया, 12 सैनिकों की मौत

क्वेटा,08 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी सेना और वहां की सरकार के खिलाफ बलूचों में जबरदस्त गुस्सा है। वे लगातार अपनी आवाज उठा रहे हैं और पाकिस्तानी सेना उनकी आवाज को दवाने का काम कर रही है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों ने बोलन घाटी में पाकिस्तानी सैनिकों से भरे एक वाहन को रिमोट बम से उड़ा दिया। इस धमाके में वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। इसके अलावा बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तान के बम निरोधी दस्ते को टारगेट करते हुए एक आईईडी ब्लास्ट भी किया, जिसमें दो सैनिक मारे गए हैं।

इस तरह बलूचों के हमले में एक दिन के अंदर 14 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई है। भारत से सीमा पर पैदा हुए तनाव और एयरस्ट्राइक के बीच पाक को यह करारा झटका लगा है। पाकिस्तान के बम निरोधी दस्ते को टारगेट करते हुए एक आईईडी ब्लास्ट भी किया, जिसमें दो सैनिक मारे गए हैं। इस तरह बलूचों के हमले में एक दिन के अंदर 14 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई है।

भारत से सीमा पर पैदा हुए तनाव और एयरस्ट्राइक के बीच पाक को यह करारा झटका लगा है। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत का रुख पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक है।

आतंकियों के अड्डे ध्वस्त होने के बाद पाकिस्तान के सेना प्रमूख मुनीर पर भारी दबाव

इस्लामाबाद। भारत ने आतंकियों के खिलाफ पाकिस्तान में जबरदस्त कार्रवाई की है। इससे वहां के आतंकी संगठन बौखला गए हैं। वे पाकिस्तान सेना के प्रमुख पर जवाबी कार्रवाई का दबाव बना रहे हैं। इसी दबाव के चलते पाकिस्तान लगातार दो दिनों से सीमा पर जोरदार फायरिंग कर रहा है। वहीं सुरक्षबलों ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। पाकिस्तान में भारतीय सेना की एयरस्ट्राइक के बाद ऐसी खलबली मची है कि वह बौखलाहट में मासूम कश्मीरियों को निशाना बना रहा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि आतंकियों के खिलाफ भारत की इस बड़ी कार्रवाई के बाद पाकिस्तानी सेना के चीफ आसिम मुनीर पर भी काफी दबाव है। बौखलाहट में पाकिस्तान कोई भी कदम उठा सकता है। सावधानी के तौर तीनों सेनां में परमाणु हथियारों को हैंडल करने वाली टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। वहीं भारतीय वायुसेना के विमान आसमान में लगातार पट्रोलिंग कर रहे हैं।वहीं भारत ने भी इस बार तैयारी पूरी कर रखी है। जल, थल और आसमान तीनों जगहों पर भारतीय सेना अलर्ट पर है। भारत के जवान मल्टी लेयर एयर डिफेंस नेटवर्क को ऐक्टिवेट कर दिया गया है। वहीं अरब सागर में युद्ध पोतों को तैयार कर दिया गया है। इसके अलावा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सीमा पर भारतीय सेना अलर्ट पर है। पाकिस्तानी सेना के चीफ आसिम मुनीर ने कुछ दिन पहले ही भारत को गीदड़भभकी दी थी और कहा था कि अगर भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी कार्रवाई की तो वे चुप नहीं बैठेंगे। अब निश्चित तौर पर आसिम मुनीर पर भारत के खिलाफ कुछ करने का दबाव जरूर होगा।

पैरा चैंपियन निरंजन सिंह ने भारत के लिए जीता रजत

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)। एशियन पैरा-आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप में 65 किग्रा भारवर्ग (बैठकर खेलने की श्रेणी) में मध्यप्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले निरंजन सिंह ने रजत पदक हासिल किया है। यह एक ऐतिहासिक अवसर है, जब पीपल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया राजधानी में प्रतिष्ठित 23वीं एशियन आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप और 22वीं एशियन पैरा-आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप की मेजबानी कर रही है। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

मध्यप्रदेश से ताल्लुक रखने वाले निरंजन ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा, आर्मरेसलिंग में आना आसान नहीं था। मैंने कई खेल खेले हैं, क्रिकेट भी खेला और कुछ अन्य खेलों में भी भाग लिया। इस महीने के अंत में मैं व्हीलचेयर क्रिकेट के नेशनल्स में भी हिस्सा लेने जा रहा हूं, लेकिन आर्मरेसलिंग ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया है।

निरंजन की जिंदगी संघर्षों से भरी रही, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने कहा, मैं दिव्यांग हूं, मेरा जन्म बिना पैरों के हुआ था, इसलिए मेरे हाथ ही मेरी ताकत बन गए। उन्होंने कहा, मैंने ट्रैक्टर चलाया — क्लच, ब्रेक, एक्सेलेरेटर सब हाथों से संभाला। बाद में मैं डिलीवरी ड्राइवर की नौकरी करने लगा और अपने दम पर दुनिया को जाना। उसी दौरान मेरी मुलाकात वर्ल्ड चैंपियन अरविंद राजन से हुई, जिनका मुझ पर विश्वास मेरी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बना। उन्होंने मुझे कोच मनीष कुमार से मिलवाया और वहीं से मेरी नई यात्रा शुरू हुई।

उन्होंने आगे कहा, मैंने 2021 में इस खेल की शुरुआत की और 2022 में हैदराबाद में अपने पहले नेशनल्स में भाग लिया -जहां मैंने बाएं हाथ से जीत हासिल की। उस जीत ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ा दिया। उसके बाद मैंने दुबई में एशियन चैंपियनशिप में हिस्सा लिया और कांस्य पदक जीता। तब से यह यात्रा काफी फलदायी रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

केन्द्रीय खेलमंत्री मनसुख मांडविया करेंगे चेन्नई में फिट इंडिया साइक्लिंग रैली का नेतृत्व

नई दिल्ली। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित होने वाली फिट इंडिया साइक्लिंग रैली का आयोजन 9 मई 2025 को चेन्नई में किया जाएगा। इस रैली का नेतृत्व केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया करेंगे। यह रैली सुबह 6:30 बजे ऐतिहासिक वॉर मेमोरियल से शुरू होकर वहीं समाप्त होगी। साइक्लिंग रूट शहर के दर्शनीय स्थलों से होकर गुज़रेगा, जिसमें नेपियर ब्रिज और मरीना बीच जैसी प्रमुख जगहें शामिल हैं। यह मार्ग प्रतिभागियों को चेन्नई के खूबसूरत तटीय इलाकों का अनुभव कराएगा। रैली शुरू होने से पहले वॉर मेमोरियल के सामने स्थित आइलैंड ग्राउंड्स पर सुबह 6:00 बजे से जुम्बा और योगा सेशन का आयोजन होगा, जो प्रतिभागियों के लिए एक ऊर्जावान वार्म-अप होगा। इस रैली को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाएंगे हॉकी के पूर्व ओलंपियन और 1980 में ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान वी.भास्करन। उनके साथ एशियन गेम्स में एक संस्करण में दो गोल्ड मेडल जीतने वाले एकमात्र भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी हरिंदर पाल संधू भी उपस्थित रहेंगे। इस आयोजन में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई), तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण के खिलाड़ी और चेन्नई के साइक्लिंग प्रेमी उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत देशभर में लोगों को फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में यह एक और बड़ा कदम है। 'संडे ऑन साइकिल' जैसे कार्यक्रमों की तरह यह चेन्नई संस्करण भी एक उत्साहपूर्ण आयोजन होगा जो स्वास्थ्य, उत्सव और सामुदायिक भावना का प्रतीक बनेगा।

चैम्पियंस लीग: पीएसजी ने आर्सेनल को हराकर फाइनल में बनाई जगह, रुइज़ और हकीमी रहे हीरो

पेरिस। फैबियन रुइज़ और अचरफ हकीमी के गोलों की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने बुधवार देर रात को आर्सेनल को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 2-1 से हराकर कुल 3-1 के अंतर से चैम्पियंस लीग 2024-25 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। यह क्लब के इतिहास में दूसरी बार फाइनल में पहुंचना है। रुइज़ और हकीमी के गोलों ने दिलाई जीत पहले चरण में 1-0 से बढ़त हासिल कर चुकी पीएसजी ने अपने घरेलू मैदान 'पार्क डेस प्रिंस' में शानदार प्रदर्शन किया। 27वें मिनट में फैबियन रुइज़ ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट मारकर पहला गोल किया। इसके बाद दूसरे हाफ में अचरफ हकीमी ने 72वें मिनट में दूसरा गोल दागकर मुकाबले को लगभग खत्म कर दिया। साका ने लौटाई उम्मीद, लेकिन चूके मौके पर आर्सेनल के लिए बुकायो साका ने 76वें मिनट में एक गोल कर वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन इसके बाद एक ओपन गोल मिस कर बैठे। इससे पहले गोलकीपर डोनारुम्मा ने कई शानदार बचाव कर आर्सेनल को शुरुआती बढ़त लेने से रोका। विवादित पेनल्टी और मिस हुआ मौका 64वें मिनट में पीएसजी को एक विवादित पेनल्टी मिली, जब हकीमी के शॉट पर गेंद आर्सेनल के लुईस-स्केली के हाथ से छू गई।

अपने आईपीएल भविष्य पर बोले एमएस धोनी-अभी मेरे लिए कोई फैसला लेने का समय नहीं

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) धोनी का आखिरी सीजन होगा या नहीं, इसका फैसला

खुद माही ने भी अभी नहीं किया है। 43 वर्षीय धोनी ने कहा कि वो हर साल सिर्फ दो महीने ही खेलते हैं और हर सीजन के बाद उन्हें यह तय करने के लिए 6-8 महीने मेहनत करनी होती है कि उनका शरीर अगले सीजन का दबाव झेल पाएगा या नहीं। आईपीएल से बाहर, लेकिन सीएसके के लिए दिल से खेल रहे हैं धोनी कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रोमांचक जीत के बाद धोनी ने कहा, अभी मेरे लिए कोई फैसला लेने का समय नहीं है, लेकिन जहां भी जाता हूं वहां मुझे प्यार और अपनापन महसूस होता है। धोनी इस सीजन कम फिजिकल योगदान दे रहे हैं, सीएसके कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी माना कि धोनी के घुटने उन्हें लंबे समय तक बल्लेबाजी करने की इजाजत नहीं देते। बुधवार को 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए धोनी 13वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए आए। उन्होंने शिवम दुबे के साथ मिलकर मैच को आखिरी ओवर तक पहुंचाया और आंद्रे रसेल की गेंद पर एक अहम छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।

पाकिस्तान अटैक के बीच पंजाब-दिल्ली आईपीएल मैच रद्द

खिलाड़ियों को स्पेशल ट्रेन से निकाला गया, राजीव शुक्ला बोले- लीग जारी रखने का फैसला आज

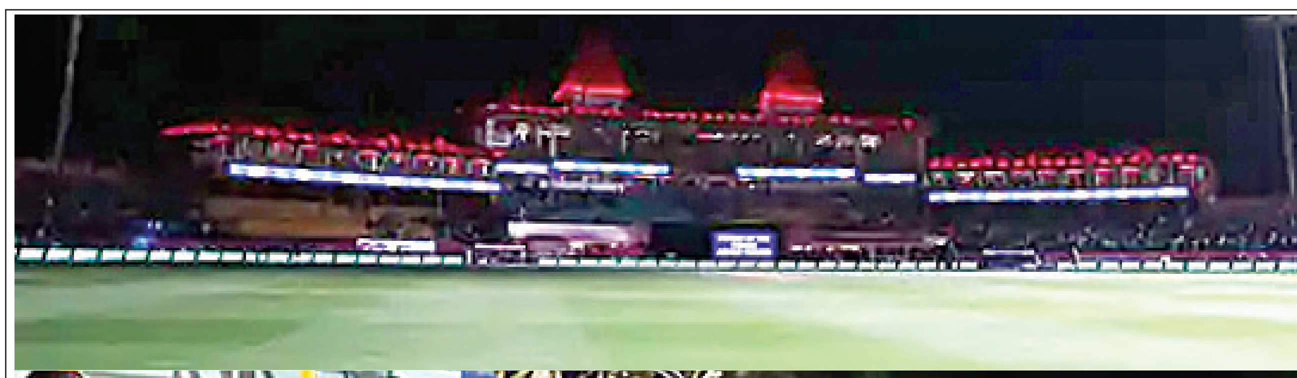

धर्मशाला, 08 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अटैक के चलते धर्मशाला के एचपीसीए मैदान पर खेले जा रहे पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच को रद्द कर दिया गया है। बीसीसीआई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी पुष्टि की है। प्लेयर्स और सपोर्ट स्टाफ को स्पेशल ट्रेन के जरिए धर्मशाला से निकाला गया है।

राजीव शुक्ला ने कहा- 'धर्मशाला से सभी को निकालने के लिए हम स्पेशल ट्रेन का अरेंजमेंट कर रहे हैं। टूर्नामेंट जारी रखने का फैसला कल (शुक्रवार) किया जाएगा। फिलहाल खिलाड़ियों की सेफ्टी सबसे ज्यादा जरूरी है। भारत-पाक टेंशन के बीच धर्मशाला में मैच होना भी संभव नहीं था।'

पाकिस्तान के अटैक के बाद मैदान की सभी फ्लडलाइट्स बंद कर दी गई हैं और सभी फैंस को बाहर निकाल दिया गया है। मैदान से बाहर निकलते हुए फैंस ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। इधर, बीसीसीआई ने आईपीएल के शेष मैचों के आयोजन के लिए आईपीएल कमेटी के साथ इमरजेंसी ऑनलाइन मीटिंग बुलाई है। मिली जानकारी के अनुसार, आईपीएल होगा या नहीं इस पर फैसला शुक्रवार को लिया जाएगा।

खेल रोके जाने से पहले पंजाब ने 10.1 ओवर में एक विकेट पर 122 रन बना लिए थे। प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर नाबाद लौटे। प्रियांश आर्या 70 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें टी नटराजन ने माधव तिवारी के हाथों कैच कराया। धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ हैं। भारत-पाक जंग के कारण धर्मशाला का एयरपोर्ट बंद है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई टीमों के प्लेयर्स, सपोर्ट स्टाफ और ब्रॉडकास्टर्स को निकालने के लिए स्पेशल ट्रेन का अरेंजमेंट किया है।

धर्मशाला में पंजाब-दिल्ली मैच रद्द होने के बाद बीसीसीआई ने इमरजेंसी ऑनलाइन मीटिंग बुलाई है। सूत्र बताते हैं कि यह मीटिंग आईपीएल के शेष मैचों के आयोजन पर चर्चा करने के लिए रखी है। मिली जानकारी के अनुसार, आईपीएल होगा या नहीं इस पर फैसला शुक्रवार को लिया जाएगा।

सऊदी प्रो लीग 2024-25: खिताबी दौड़ में पिछड़ा अल नासर, अल इत्तिहाद से हार के बाद चौथे स्थान पर फिसला

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासर को सऊदी प्रो लीग के एक अहम मुकाबले में अल इत्तिहाद के खिलाफ 2-3 की हार का सामना करना पड़ा। अल-अव्वल पार्क में खेले गए इस मुकाबले में अल नासर ने दो गोल की बढ़त बना ली थी, लेकिन दूसरे हाफ में टीम ने वह बढ़त गंवा दी। रोनाल्डो इस मैच में गोल करने में नाकाम रहे।

तीसरे मिनट में सादियो माने ने दिलाई बढ़त

अल नासर की शुरुआत जबरदस्त रही और तीसरे मिनट में ही सादियो माने ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह मौका उन्हें इत्तिहाद के डिफेंडर अब्दुलएलाह अल-अमारी की गलती से मिला, जिनकी बैक पास किक माने के पास पहुंच गई। माने ने गेंद को कंट्रोल करने के बाद गोलकीपर प्रेड्रैग राजकोविच को छकाते हुए गेंद को नेट में डाल दिया। पहले हाफ में 2-0 की मजबूत स्थिति में थी अल नासरपहले हाफ के खत्म होने से पहले अल नासर ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। इस बार माने ने असिस्ट किया और अयमन यहया ने बिना समय गंवाए गेंद को नेट में पहुंचाया। पहले हाफ के बाद ऐसा लग रहा था कि अल नासर आसानी से मुकाबला जीत लेगी।

बेंजेमा-कांते ने किया पलटवार, औआर ने दिलाई जीत

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही अल इत्तिहाद ने आक्रामक रुख अपनाया और पांच मिनट के अंदर वापसी के संकेत दे दिए। रोनाल्डो के पुराने साथी करीम बेंजेमा ने हेडर के जरिए गेंद को आगे बढ़ाया और इसके तीन मिनट बाद ही एन'गोलो कांते ने कट बैक पास पर शानदार गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। निर्णायक गोल हौस्सेम औआर के नाम रहा, जिनका पहला शॉट अल नासर के गोलकीपर बेंटो ने रोक लिया था, लेकिन रिबाउंड पर गेंद इत्तिहाद के खिलाड़ी से टकराकर नेट में चली गई।

पडिक्कल की जगह मयंक अग्रवाल को टीम में किया शामिल

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मुकाबलों के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने बुधवार को मयंक अग्रवाल को चोटिल देवदत्त पडिक्कल के स्थान पर टीम में शामिल किया है। पडिक्कल को दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है, जिसके चलते उन्हें पूरे टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा है। पडिक्कल रहे आरसीबी के प्रमुख बल्लेबाज़ बाएं हाथ के बल्लेबाज़ देवदत्त पडिक्कल इस सीजन आरसीबी की बल्लेबाज़ी का मजबूत स्तंभ रहे। उन्होंने 10 पारियों में 247 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 150.60 रहा और वे 11 मैचों के बाद टीम के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ थे। आरसीबी में लौटे मयंक अग्रवाल बेंगलुरु के स्थानीय खिलाड़ी मयंक अग्रवाल एक दशक से भी अधिक समय बाद आरसीबी की टीम में लौटे हैं। मयंक ने अब तक 127 आईपीएल मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 2661 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और 13 अर्धशतक दर्ज हैं। आरसीबी ने उन्हें 1 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया है।

महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप 2027 की मेजबानी करेगा ब्राजील, इन 8 शहरों में होंगे मैच

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)। फीफा ने ऐलान किया है कि 2027 में होने वाला महिला फुटबॉल विश्व कप पहली बार दक्षिण अमेरिका की सरजमीं पर आयोजित होगा और इसकी मेजबानी ब्राजील करेगा। इस टूर्नामेंट के सभी 64 मुकाबले 8 अलग-अलग शहरों के प्रतिष्ठित स्टेडियमों में खेले जाएंगे।

माराकाना से लेकर रेसिफे तक, इन शहरों में होगी विश्व कप की रौनक

इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए जिन आठ स्टेडियमों को चुना गया है, उनमें सबसे प्रमुख है रियो डी जनेरियो का माराकाना स्टेडियम, जो फुटबॉल इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है। इसके अलावा मुकाबले इन शहरों में होंगे:

बेलो होरिज़ोंटे – मिनेइराओ स्टेडियम
ब्रासीलिया – नेशनल स्टेडियम
फोर्टालेज़ा – कास्टेलाओ एरिना
पोर्टो एलेग्रे – बेइरा-रियो स्टेडियम
रेसिफे – पर्नामबुको एरिना
साल्वाडोर – फोंटे नोवा एरिना
साओ पाउलो – इताकेइरा एरिना

ब्राजील की ऊर्जा और रंगीन संस्कृति को महसूस करेगा विश्व: फीफा – फीफा अध्यक्ष जियानी इंफेंटिनो ने कहा, सांबा से लेकर फ्रेभो तक, खूबसूरत समुद्रतटों से लेकर आधुनिक शहरों तक—दुनिया 2027 में ब्राज़ील की ऊर्जा, रंग और गर्मजोशी को महसूस करेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि यह टूर्नामेंट मेज़बान शहरों के लिए यादगार अनुभव होगा और इसका सकारात्मक असर व्यापक होगा।

कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगी – फीफा महासचिव मैटियास ग्राफस्ट्रोम ने कहा, यह वर्ल्ड कप महिला फुटबॉल के इतिहास में एक ऐतिहासिक मोड़ होगा क्योंकि पहली बार यह टूर्नामेंट दक्षिण अमेरिका में हो रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह आयोजन पूरे महाद्वीप की अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगा। 2027 महिला विश्व कप 24 जून से 25 जुलाई के बीच खेला जाएगा और इसमें कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगी।

राजस्थान रॉयल्स ने नितीश राणा, संदीप शर्मा की जगह लिए प्रिटोरियस और नांद्रे बर्गर को किया शामिल

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने टीम में दो अहम बदलाव किए हैं। नितीश राणा और संदीप शर्मा के चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनके स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रिटोरियस और नांद्रे बर्गर को टीम में जोड़ा है।

नितीश की जगह लुआन-ड्रे प्रिटोरियस

राजस्थान रॉयल्स ने चोटिल नितीश राणा की जगह लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को टीम में शामिल किया है। नितीश राणा ने आरआर के लिए इस सीज़न दो प्रभावशाली पारियां खेली थीं। पहली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ गुवाहाटी में 36 गेंदों पर 81 रन और दूसरी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ दिल्ली में 28 गेंदों पर 51 रन।

आईपीएल के बयान के अनुसार राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने नितीश राणा के स्थान पर लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को टीम में शामिल किया है, जो चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। 19 वर्षीय प्रिटोरियस एक आक्रामक बाएं हाथ के ओपनर बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं। उन्हें राजस्थान ने 30 लाख रुपये में साइन किया है। उन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है, लेकिन 2025 एसए20 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 12 मैचों में 397 रन बनाए थे, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 166.80 रहा था। पार्ल रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ 51 गेंदों में 97 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड की हैम्पशायर टीम ने विटैलिटी ब्लास्ट के लिए भी साइन किया। 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप में वे दक्षिण अफ्रीका के टॉप स्कोरर भी रहे थे।

संदीप शर्मा की जगह शामिल हुए नांद्रे बर्गर

तेज गेंदबाज़ संदीप शर्मा ने इस सीजन 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे, लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुभमन गिल का शॉट रोकने के प्रयास में उनकी उंगली में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। उनकी जगह टीम में दक्षिण अफ्रीकी तेज़ गेंदबाज़ नांद्रे बर्गर को 3.5 करोड़ रुपये में टीम से जोड़ा गया है। बर्गर पिछले सीजन में भी राजस्थान रॉयल्स के साथ थे। आईपीएल के बयान के अनुसार राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों के लिए चोटिल संदीप शर्मा की जगह नंद्रे बर्गर को टीम में शामिल किया है।

प्लेऑफ से बाहर हुई राजस्थान रॉयल्स

राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन इस सीजन निराशाजनक रहा है। टीम 12 में से सिर्फ 3 मैच जीत पाई है और अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। वे पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुके हैं। सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स भी बाहर हो चुकी हैं।

ट्रंप का कहना है कि वे चीन के साथ वार्ता शुरू करने टैरिफ कम नहीं करेंगे

वाशिंगटन, 08 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने बीजिंग के साथ ट्रेड वार की बातचीत शुरू करने के लिए चीन के 145 फीसदी टैरिफ को कम करने पर विचार नहीं करेंगे, इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि चीन को पहले अपनी एकतरफा टैरिफ बढ़ोतरी वापस लेनी चाहिए।

ट्रम्प ने कहा, चीन को पहले अपनी एकतरफा टैरिफ बढ़ोतरी वापस लेनी चाहिए

इसके साथ ही, ट्रम्प ने चीन के दावे को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका ने स्विट्जरलैंड में ट्रेड वार्ता शुरू की थी। चीन ने भी ट्रम्प के टैरिफ में और बढ़ोतरी के विरोध किया, कहते हुए कि वे अमेरिका के प्रस्तावों का आकलन कर रहे हैं। ट्रम्प ने आंकड़ों का सहारा लेते हुए कहा कि चीन में बेरोजगारी बहुत ज्यादा हो गई है और कारखाने बंद हो रहे हैं। उन्होंने इसके असर से सहमतता जताई, लेकिन चीन को टैरिफ बढ़ाने से पहले अपनी बढ़ोतरी वापस लेनी चाहिए, यह उनकी मांग है। चीन ने अमेरिका के प्रस्तावों का आकलन करने का दावा किया है, लेकिन उन्होंने ट्रम्प को अपनी टैरिफ बढ़ोतरी कैंसिल करने का कहा है। इसमें दस्तावेजीकरण है कि स्विट्जरलैंड में होने वाले चीनी-अमेरिकी बैठक से पहले यह खुलासा हुआ है। ट्रम्प ने इस बिल्कुल भी अपनी गैरहाजिरगी नहीं दी है और देश में चल रहे व्यापार वार्ता की एक समीक्षा के दौरान इस पर अवधान निशानी स्थापित की है। इस संदर्भ में, व्यापार क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे कठिनाइयों को हल करने के लिए दोनों पक्षों की उम्मीद जताई जा रही है। बाकी, चीन और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता के मामले में और योजनाएं तय की जा सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों में कर्ज बढ़ने का खतरा: एसएंडपी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों के लिए कर्ज का जोखिम भी बढ़ेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने गुरुवार को यह बात कही। रेटिंग एजेंसी ने दोनों देशों को बीबीबी- और सीसीसी+ प्रदर्शकों के साथ रेटिंग दी है। वह आगाह करते हैं कि अगले दो से तीन सप्ताह तक तनाव के उच्च स्तर पर रह सकता है और महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई की संभावना है। भारतीय सुरक्षा बलों ने मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इसके परिणामस्वरूप, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री ने भारत के विरोध में फिर से कार्रवाई की तयारी करने का एलान किया है। एसएंडपी ने कहा है कि भारत अपनी आर्थिक वृद्धि मजबूत रखेगा जबकि पाकिस्तान सरकार अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए कदम उठाएगी। यह तनाव सबके लिए अमंगलकारी है और दोनों देशों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

महंगाई से राहत! वेज और नॉन-वेज थाली सस्ती हुई, शाकाहारी थाली 4 फीसदी घटकर सिर्फ 26.3 रुपए रह गई

नई दिल्ली। देश की जनता के लिए अच्छी खबर है। एक नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2025 में एक सामान्य शाकाहारी थाली की कीमत 4 फीसदी घटकर सिर्फ 26.3 रुपए रह गई है। इस गिरावट की वजह सब्जियों के दामों में तेज गिरावट है, जैसे कि टमाटर 34, आलू 11 और प्याज 6 फीसदी तक सस्ते हो गए हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट का शिकार हो गए। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है। अमेरिकी बाजारों में पिछले सत्र के दौरान आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,631.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.27 प्रतिशत उछल कर 17,738.16 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 246.05 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की छलांग लगा कर 41,360.02 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.45 प्रतिशत फिसल कर 8,559.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.92 प्रतिशत टूट कर 7,626.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 133.69 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,115.96 के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,214.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत लुढ़क कर 6,891.48 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,471.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 36,879.54 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 250.03 अंक यानी 1.09 प्रतिशत उछल कर 22,941.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 150.83 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,697.32 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,588.07 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,355.26 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत उछल कर 3,873.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

गूगल ने फिर दिखाया 200 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता

नई दिल्ली। टेक दिग्गज गूगल में फिर से कर्मचारियों की छंटनी की खबरें मिल रही है। रिपोर्टों की मानें तो कंपनी ने अपने ग्लोबल बिजनेस यूनिट में से करीब 200 कर्मचारियों को कंपनी से निकाल निकाल दिया है। गूगल के लिए यह टीम दुनियाभर में सेल्स और पार्टनरशिप का काम देखती है। बताया जा रहा है कि बड़ी-बड़ी टेक कंपनियां आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंफ्रास्ट्रक्चर पर अधिक ध्यान दे रही हैं। एक बड़े पैमाने पर इंडस्ट्री में बदलाव हो रहा है और शायद कर्मचारियों की छंटनी की भी यही वजह हो सकती है। इस वजह से कंपनी कर रही स्मॉल एडजस्टमेंट गूगल के इस कदम की जानकारी द इन्फॉर्मेशन ने अपनी रिपोर्ट में दी है। बताया जा रहा है कि कंपनियां डेटा सेंटर और एआई डेवलपमेंट पर खर्च कर रही हैं। इसके चलते कई पुराने सेगमेंट्स खत्म हो रहे हैं या वहां कर्मचारियों की संख्या कम की जा रही है। रॉयटर्स को दिए एक बयान में गूगल ने इन बदलावों को स्मॉल एडजस्टमेंट बताया। इनका मकसद सहयोग को अधिक बढ़ावा देना और ग्राहकों को कितनी जल्दी सेवाएं दी जा रही हैं, इसमें सुधार करना है।

नई उड़ान: भारत में स्टारलिंक की एंट्री का रास्ता साफ!

नई दिल्ली, 08 मई (एजेंसियां)।

शिक्षा, स्वास्थ्य और ऑनलाइन बिजनेस को मिलेगा बढ़ावा

भारत सरकार ने नवाचारी अंतरिक्ष कंपनी स्टारलिंक को देश में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने के लिए मंजूरी दी है। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम (डीओटी) ने स्टारलिंक को भारत में आधिकारिक रूप से ब्रॉडबैंड सेवा आरंभ करने की अनुज्ञा दे दी है। स्टारलिंक जो स्पेसएक्स की एक यूनिट है, दुनिया भर में लो-लेटेंसी और हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए विख्यात है। स्टारलिंक का नेटवर्क उच्च गति और विश्वसनीय सेवा प्रदान करने में सक्षम है और यह भारत के दूरदराज क्षेत्रों, पहाड़ी इलाकों और सीमावर्ती गांवों में डिजिटल समृद्धि लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार को नई दिशा मिल सकती है। स्टारलिंक की एंट्री से भारत के दूरदराज क्षेत्रों, पहाड़ी इलाकों और सीमावर्ती गांवों में डिजिटल क्रांति आ सकती है, जहां अभी तक ब्रॉडबैंड इंटरनेट नहीं पहुंच सका है. इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और ऑनलाइन बिजनेस को काफी बढ़ावा मिलेगा।

डिजिटल सिस्टम पर साइबर हमले की आशंका, केंद्र सरकार ने हाई अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को साइबर हमलों से बचाने के लिए हाई अलर्ट जारी किया है। बिजली उत्पादन केंद्र, राष्ट्रीय बिजली ग्रिड, बैंक, अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण सेवाएं उन बुनियादी ढांचों में आती हैं जिन्हें हमला होने की संभावना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना तकनीक मंत्रालय ने इंडियन कंप्यूटर इमर्जेंसी रिस्पांस टीम को साइबर हमलों के खिलाफ जागरूक रहने के लिए निरंतर निगरानी में रखने के निर्देश दिए हैं। डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विसेज, मालवेयर, डिनायल ऑफ सर्विसेज और सोशल इंजीनियरिंग जैसे साइबर हमले भी मंगलमय समूह में शामिल हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी ध्यान रखा जा रहा है, और नियमित एडवाइजरी द्वारा संवेदनशील सामग्री को नियंत्रित किया जा रहा है। सरकारी अधिकारियों ने दावा किया है कि उन्हें किसी भी स्थिति का सामना करने की पूरी तैयारी है। बिजली मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि नेशनल पॉवर ग्रिड चौबीस घंटे निगरानी में रहता है, जिससे हमलों का पहल पहचाना जा सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लाहौर में एयर डिफेंस ...

हालांकि, काउंटर अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम और एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से भारत ने इन हमलों को निष्क्रिय कर दिया। हमलों को निष्क्रिय करने के बाद मलबे को बरामद कर लिया गया है।वक्तव्य के अनुसार, गुरुवार सुबह देश के सशस्त्र बलों ने अपनी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान जिस तरह से हमले कर रहा है, भारत का जवाब भी वैसा ही है। जवाबी कार्रवाई में लाहौर में पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया गया। करारा जवाब पाने के बाद पाकिस्तान को गोलाबारी रोकना पड़ी। पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों द्वारा अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। इन्हें एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा बेअसर कर दिया गया। इन हमलों के कई स्थानों से बरामद मलबे पाकिस्तानी हमलों की पुष्टि करते हैं।उधर, हमारे जम्मू ब्यूरो के मुताबिक आज देर रात सवा आठ बजे के करीब पाकिस्तान ने जम्मू को निशाना बना कर मिसाइलों और ड्रोनों से हमला कर दिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के इस नापाक हमले को नाकाम कर दिया। खबर यह भी है कि पाक सेना ने आरएस पुरा सेक्टर में इंटरनेशनल बार्डर पर गोलों की बरसात की। पाकिस्तान ने अखनूर, सांबा और पठानकोट को भी निशाना बना कर ऐसे ही मिसाइल और ड्रोन हमले किए। पाकिस्तान की ओर से इस मिसाइल और ड्रोन हले के तुरंत बाद जम्मू में ब्लैक आउट कर दिया गया। जम्मू शहर, जम्मू हवाई अड्डे और शहर की ओर बढ़ते मिसाइलों और ड्रोनों को समय रहते जमींदोज कर दिया गया। फिलहाल इसके प्रति अभी कोई पुष्टि नहीं हो पाई हे कि इस हमले में कोई जान-माल की क्षति हुई है या नहीं।अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान की ओर से स्वार्म ड्रोनों का इस्तेमाल किया गया जिनमें से दो को जम्मू शहर के बीचों बीच स्थित जम्मू यूनिवर्सिटी के पास मार गिराया गया। सेना का कहना है कि पाक हमले को पूरी तरह से नाकाम कर दिया गया है जिसके लिए एस-400 का इस्तेमाल किया गया। ड्रोन हमलों को नाकाम बनाने के लिए देसी एंटी ड्रोन हथियारों का इस्तेमाल किया गया। समाचार भेजे जाने तक जिन इलाकों में हमले हुए हैं वहां अभी भी ब्लैक आउट है और खतरे के सायरन लगातार बज रहे हैं। इस बीच पाक सेना ने आरएसपुरा में इंटरनेशनल बार्डर पर भीषण गोलाबारी आरंभ की थी जबकि राजौरी कस्बे के भीतर भी तोपखाने के गोले गिरे थे।भारतीय सेना ने हार्पी ड्रोन के जरिए लाहौर का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह किया। हार्पी ड्रोन को इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। यह एक लॉयटरिंग म्युनिशन है। जिसे मुख्य रूप से दुश्मन के रडार सिस्टम और हवाई रक्षा प्रणालियों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसी ड्रोन के जरिए भारत ने पाकिस्तान में हमले किए। पाकिस्तानी सेना ने भी यह स्वीकार किया कि भारत ने कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों सहित कई स्थानों को निशाना बनाने के लिए ड्रोन हमले किए हैं। भारत ने पाकिस्तान के जिन इलाकों को निशाना बनाया है, उन जगहों पर इजराइल से मिले हार्पी ड्रोन का इस्तेमाल किया है। दुनिया के सबसे घातक ड्रोन में शुमार हार्पी ने पाकिस्तान की कई इमारतों को भारी नुकसान पहुंचाया है। सरकार का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और अब तक 100 से अधिक आतंकी भारतीय सेना की कार्रवाई में मारे गए हैं।

हार्पी ड्रोन इजराइल द्वारा निर्मित मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) है, जिसे इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। यह एक लॉयटरिंग म्युनिशन है। जिसे मुख्य रूप से दुश्मन के रडार सिस्टम और हवाई रक्षा प्रणालियों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह ड्रोन निगरानी और सटीक हमले दोनों में सक्षम है, जो इसे सैन्य अभियानों में एक प्रभावी हथियार बनाता है। हार्पी ड्रोन का फायर एंड फॉरगेट मिसाइल भी कहा जाता है। क्योंकि हमला करने के बाद ये ड्रोन नष्ट हो जाता है। भारत ने इन्हें 2000 में इजराइल से खरीदा था। हार्पी ड्रोन को इजराइल ने 1980 के दशक में विकसित किया गया था। यह मूल रूप से सप्रेशन ऑफ एनिमी एयर डिफेंस मिशनों के लिए बनाया गया था, जिसमें दुश्मन के रडार और हवाई रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाया जाता है। हार्पी का एक उन्नत संस्करण, हारोप बाद में विकसित किया गया, जिसमें अधिक उन्नत सेंसर और लंबी रेंज शामिल है। हारोप को भारत सहित कई देशों ने अपनाया है। इसे खुद या ऑपरेटर द्वारा संचालित किया जा सकता है।लॉयटरिंग म्युनिशन (कामिकेज ड्रोन), जो लक्ष्य पर सीधे हमला करने के लिए खुद को नष्ट कर देता है। ये ड्रोन अधिकतम 185 किमी/घंटा (115 मील/घंटा) गति से उड़ान भर सकता है। इस ड्रोन के अलग-अलग संस्करण 500 से लेकर 1000 किमी तक की दूरी तय कर सकते हैं। एक बार एयरबोर्न होने पर ये आसमान में करीब छह से नौ घंटे तक रह सकते हैं। ये ड्रोन अपने साथ 32 किलो तक हथियार लेकर उड़ सकते हैं। हार्पी ड्रोन हवा में लंबे समय तक मंडराने की क्षमता रखता है। यह किसी निर्धारित क्षेत्र में उड़ान भरता है, दुश्मन के रडार सिग्नल का पता लगाता है, और फिर स्वचालित रूप से या ऑपरेटर के आदेश पर लक्ष्य पर हमला करता है। यह ड्रोन अपने लक्ष्य पर गोता लगाकर हमला करता है और अपने विस्फोटक वारहेड के साथ खुद को नष्ट कर देता है, जिससे लक्ष्य को भारी नुकसान होता है। हारोप (हार्पी का उन्नत संस्करण) निगरानी ड्रोन और घातक मिसाइल दोनों के रूप में कार्य करता है। यह लक्ष्य क्षेत्रों पर मंडराता है और फिर पता लगने पर लक्ष्य में गोता लगाता है, जिससे यह समय-संवेदनशील खतरों के खिलाफ अत्यधिक प्रभावी हो जाता है।भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने जिन नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए, उसमें 100 से अधिक आतंकी मारे गए हैं। संसद में हुई इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद रहे। इस दौरान विपक्ष के नेताओं को जवाबी कार्रवाई और भविष्य की तैयारियों की जानकारी दी गई।

बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि विपक्ष के सभी नेताओं ने परिपक्वता दिखाई और किसी तरह की नोकझोंक नहीं की। यह बैठक दोनों देशों के तनाव के मुद्दे पर व्यापक राजनीतिक आम सहमति बनाने के लिए बुलाई गई थी। सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हमारे सशस्त्र बलों को बधाई दी और बिना किसी असहमति के सरकार को अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। बैठक में हैदराबाद से निर्वाचित ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाने के लिए वे सशस्त्र बलों और सरकार की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा, मैंने यह भी कहा कि हमें टीआरएफ के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को इसे आतंकवादी संगठन घोषित करना चाहिए। हमें अमेरिका से भी टीआरएफ को देश में विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए कहना चाहिए।इससे पहले दोनों देशों के बीच उपजे तनावपूर्ण हालात के मद्देनजर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक समाप्त होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संकट की इस घड़ी में हम सरकार के साथ हैं। खड़गे ने कहा कि कुछ चीजें ऐसी हैं, जिनके बारे में हमें गोपनीयता का हवाला देकर जानकारी नहीं दी गई। राहुल गांधी ने कहा कि हमने सरकार को पूरा समर्थन दिया है। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद थे। कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में सरकार विपक्ष के नेताओं को ऑपरेशन सिंदूर के बाद की जवाबी कार्रवाई और भविष्य की तैयारियों को लेकर जानकारी दे रही है।कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ सरकार को पूरा समर्थन और सेना के साथ एकजुटता दिखाते हुए संविधान बचाओ रैलियों समेत पार्टी के सभी तय कार्यक्रम रोक दिए हैं। वहीं तनाव के माहौल में पीएम मोदी ने तीन देशों का दौरा रद्द कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी 13 से 17 मई तक नॉर्वे, क्रोएशिया और नीदरलैंड के दौरे पर जाने वाले थे।ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों को लेकर स्थानीय बलों के साथ लगातार संपर्क में हैं। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमलों के बाद पाकिस्तान की ओर से युद्धविराम उल्लंघन पर कड़ी नजर रखी जा रही है। रक्षा अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि सेना और सुरक्षा बल पाकिस्तान की किसी भी संभावित गलत हरकत के लिए हाई अलर्ट पर हैं।इन हमलों को देखते हुए अमेरिकी दूतावास ने सभी कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा है। लाहौर और उसके आस-पास ड्रोन विस्फोटों, संभावित हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की खबरों के कारण लाहौर में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास ने सभी कर्मचारियों और पाक में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर रहने का निर्देश दिया है। वाणिज्य दूतावास को रिपोर्ट भी मिली है कि अधिकारी लाहौर के मुख्य हवाई अड्डे से सटे कुछ इलाकों को खाली करा सकते हैं। दूतावास ने कहा कि ऐसे अमेरिकी नागरिक जो खुद को संघर्ष वाले क्षेत्र में पाते हैं, उन्हें सुरक्षित तरीके से वहां से निकल जाना चाहिए। अगर वहां से निकलना सुरक्षित नहीं है, तो उन्हें सुरक्षित जगह पर रहना चाहिए।

आपात स्थितियों में ...

के साथ निकट समन्वय बनाए रखने की भी सलाह दी गई।

बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों तथा रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, विद्युत मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और दूरसंचार मंत्रालय सहित सभी प्रमुख मंत्रालयों के सचिवों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के संवेदनशील दौर से गुज़रने के दौरान निरंतर सतर्कता, संस्थागत तालमेल और स्पष्ट संचार का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, परिचालन तत्परता और नागरिक सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

सीमाई राज्यों ...

गृह मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्णय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, भारत की सीमा, सेना और नागरिकों की ओर आंख उठाने वालों को भारत का मुंहतोड़ जवाब है। बैठक में उपस्थित सभी मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और तीनों सेनाओं का अभिनंदन किया।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को नजरअंदाज किए बिना ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से इसका उचित जवाब दिया है जिससे पूरी दुनिया को एक मज़बूत संदेश गया। उन्होंने कहा कि ठोस सूचनाओं के आधार पर भारतीय सशस्त्र सेनाओं द्वारा आतंकी कैंपों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर ने पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति का परिचय दिया है। शाह ने कहा कि इस समय देश ने एकजुटता का जो प्रदर्शन किया है उससे देशवासियों का हौसला बढ़ा है।अमित शाह ने कहा कि 6-7 मई, 2025 की रात भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने आतंकवादियों से जुड़े 9 लक्षित स्थानों पर हमला कर आतंकी ढांचे को नष्ट कर दिया। भारतीय सशस्त्र सेनाओं द्वारा किए गए इस हमले में लश्कर-ए-तैय्यबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिज़्बुल मुजाहिदीन और अन्य आतंकी संगठनों के आतंकवादी प्रशिक्षण और हथियार कैंपों और ठिकानों को नष्ट कर दिया गया।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मॉक ड्रिल के लिए जारी दिशा-निर्देशों के तहत सभी राज्य अपनी तैयारियां रखें। उन्होंने कहा कि अत्यावश्यक सेवाओं जैसे अस्पताल, अग्निशमन आदि के सुचारू संचालन की व्यवस्था की जाए और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। गृह मंत्री ने राज्यों से एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, होमगार्ड, एनसीसी आदि को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट रखने को कहा। उन्होंने कहा कि नागरिकों और गैरसरकारी संगठनों के माध्यम से जनभागीदारी सुनिश्चित करने की कोशिश की जाए।अमित शाह ने कहा कि सोशल एवं अन्य मीडिया में अवांछनीय तत्वों द्वारा देश विरोधी दुष्प्रचार पर कड़ी नजर रखी जाए और राज्य सरकारों और केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से इस पर त्वरित कार्रवाई हो। गृह मंत्री ने कहा कि निर्बाध संवाद बनाए रखने के हरसंभव प्रयास हों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को भी और दुरुस्त किया जाए। उन्होंने राज्यों से कहा कि वे जनता में अकारण भय फैलने से रोकें और अफवाहों के खिलाफ लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए उचित कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन, सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच समन्वय को और बेहतर किया जाए।

सऊदी अरब के...

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची बुधवार की मध्य रात्रि नई दिल्ली पहुंचे। आज अराघची और जयशंकर के बीच भी मुलाकात हुई।पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार सुबह ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। जिनमें जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर ए तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के ठिकाने शामिल हैं। भारत ने ये हमले बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, मुरीदके और सियालकोट में किए। इन हमलों में बड़ी संख्या में आतंकियों के मारे जाने की खबर है। वहीं भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की बात कही है, जिससे क्षेत्र में संघर्ष छिड़ने की आशंका पैदा हो गई है। दुनिया के देशों ने भारत और पाकिस्तान से संयम बरतने की अपील की है। अब सऊदी अरब और ईरान के विदेश मंत्री के भारत दौरे को भी इन्हीं कोशिशों से जोड़कर देखा जा रहा है।

ओटीटी पर...

नाटक और प्रसारित न करें। इसका साफ मतलब है कि अब देश में पाकिस्तानी सामग्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लग गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की स्थिति पहले से ही खराब है और अब भारत ने उसके मनोरंजन उद्योग को भी तगड़ा झटका दिया है। सरकार ने यह निर्णय राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। सभी डिजिटल और ओटीटी मंचों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने प्लेटफॉर्म से पाकिस्तानी सामग्री को तत्काल प्रभाव से हटा दें। अब दर्शक भारत में न तो पाकिस्तानी गाने सुन पाएंगे और न ही वेब सीरीज़ या टीवी ड्रामे देख सकेंगे।पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कड़ा फैसला लिया है। पहले कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों और मशहूर हस्तियों पर रोक लगाई गई थी, और अब एक कदम आगे बढ़ाते हुए सभी तरह की पाकिस्तानी सामग्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे पाकिस्तानी मनोरंजन उद्योग को बड़ा झटका लग सकता है। अब न तो पाकिस्तानी गाने सुनाई देंगे और न ही उनकी वेब सीरीज़ या कोई अन्य वीडियो कंटेंट भारत में दिखाया जाएगा। सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यह आदेश तुरंत लागू किया जाए। इस फैसले के पीछे सरकार ने 2021 के आईटी नियमों का हवाला देते हुए बताया कि ऐसा कोई भी कंटेंट नहीं दिखाया जाना चाहिए जो भारत की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाए, देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने, भारत और अन्य देशों के रिश्तों को बिगाड़े, लोगों को हिंसा के लिए उकसाए या समाज में अशांति फैलाए।

अब लखनऊ में...

और भारत को आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। सबसे खास बात यह है कि योगी सरकार ने दिसंबर 2021 में ब्रह्मोस प्रोजेक्ट के लिए लखनऊ में 80 हेक्टेयर भूमि निःशुल्क आवंटित की थी। सिर्फ 3.5 वर्षों में इस परियोजना को निर्माण से उत्पादन की अवस्था तक लाना प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए उत्तर प्रदेश में ब्रह्मोस जैसी मिसाइल का बनना बहुत महत्वपूर्ण है। यह कदम भारत की सैन्य ताकत को और मजबूत करेगा और उत्तर प्रदेश को देश की रक्षा में एक खास भूमिका निभाने वाला राज्य बनेगा। इस प्लांट के शुरू होने से उत्तर प्रदेश सीधे तौर पर देश की सुरक्षा और विकास में योगदान देगा। यह एक बड़ी और जरूरी परियोजना है, जिसमें उत्तर प्रदेश की बड़ी भागीदारी होगी। ब्रह्मोस मिसाइल की यह यूनिट राज्य की पहली अत्याधुनिक और हाई-टेक यूनिट होगी। इससे उत्तर प्रदेश के डिफेंस कॉरिडोर में एयरोस्पेस से जुड़ी इकाइयों और उद्योगों का विकास होगा। साथ ही, राज्य में नई और आधुनिक निर्माण तकनीकें भी शुरू हो सकेंगी।ब्रह्मोस प्रोजेक्ट शुरू होने से उत्तर प्रदेश में पहले से मौजूद एयरोस्पेस कंपनियों को उनके काम और अनुभव के हिसाब से कई नए मौके मिलेंगे। इससे नई तरह की मशीनें बनाने की तकनीक और जांच की सुविधाएं भी तैयार की जाएंगी। इस प्रोजेक्ट से करीब 500 इंजीनियरों और तकनीशियनों को सीधे काम मिलेगा। इसके अलावा, कई हजार कुशल, अर्द्ध-कुशल और सामान्य काम करने वाले लोगों को भी परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस यूनिट को चलाने में मदद करने वाले बाकी उद्योगों में भी बहुत से लोगों को काम मिलेगा। ब्रह्मोस भारत और रूस का ज्वाइंट वेंचर है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूसी संघ के संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। ब्रह्मोस नाम दो महान राष्ट्रों के प्रतीकस्वरूप रखा गया है, जो दो महान नदियों- ब्रह्मपुत्र की प्रचंडता और मॉस्कवा की शांति को दर्शाता है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना भारत की ओर से 50.5 फीसदी और रूस की ओर से 49.5 फीसदी हिस्सेदारी के साथ की गई थी। यह अपने प्रकार का पहला रक्षा संयुक्त उद्यम (जेवी) है, जिसे भारत सरकार ने किसी विदेशी सरकार के साथ मिलकर स्थापित किया है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल के डिजाइन, विकास, उत्पादन और विपणन (मार्केटिंग) की जिम्मेदारी निभाता है, जिसमें भारतीय और रूसी उद्योगों का सक्रिय योगदान होता है।

वर्ष 2032 तक अतिचारी चाल चलेंगे गुरु ग्रह

ज्योतिष के अनुसार, गुरु का मिथुन राशि में प्रवेश और शनि का वक्री होना कई बदलाव लाएगा। इससे मौसम में परिवर्तन और राजनीतिक उथल-पुथल हो सकती है। सत्ता में बैठे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दक्षिण भारत और पूर्वी भारत में कम वर्षा से किसानों को कष्ट होगा। केंद्र सरकार में बदलाव की संभावना है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गुरु का अतिचारी होना और इसके साथ शनि का वक्री होना हमेशा कष्टकारी साबित होता है। इससे बड़े-बड़े पदों पर बैठे लोगों को भी मुसीबत का सामना करना पड़ता है। वहीं, इस साल यह स्थिति तब बनेगी जब गुरु गोचर करते हुए मिथुन राशि में 14 मई को प्रवेश करेंगे और अतिचारी गति से चलते हुए 5 महीने बाद कर्क राशि में 18 अक्तूबर को प्रवेश कर जाएंगे। वहीं, इस बीच शनि भी वक्री रहेंगे। इससे मौसम में कई बदलाव देखने को मिलेंगे और राजनीतिक उथल पुथल भी देखने को मिल सकती है।

गुरु का अतिचारी गति में होना तथा शनि का वक्री होना राजाओं को भी कष्ट देता है। यानी सत्ता में बैठे लोगों को तकलीफ देता है। यही स्थिति इस वर्ष बनने जा रही है जब गुरु गोचर में 14 मई को मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे और अतिचारी गति से चलते हुए कर्क राशि में केवल 5 महीने के समय में ही 18 अक्टूबर को प्रवेश कर जायेंगे। सामान्यता गुरु एक राशि को पार करने में 12 महीने का समय लेते हैं, जबकि इस वर्ष गुरु अतिचारी होकर मिथुन से अगली राशि कर्क में मात्र 5 महीने में पहुंच जाएंगे और फिर सूर्य से दूर होने के चलते वक्री होकर पुनः मिथुन राशि में वापस आ जाएंगे। गुरु के अतिचारी होने के समय 13 जुलाई से लेकर 28 नवंबर तक शनि वक्री रहेंगे। दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम में पाप ग्रह शनि का वक्री होना और शुभ ग्रह गुरु का अतिचारी होना असामान्य वर्षा का योग बना रहा है। जून के महीने और जुलाई के मध्य तक मानसून सामान्य रहेगा किंतु बाद में कम वर्षा से देश के कई भागों विशेषकर दक्षिण भारत और पूर्वी भारत में किसानों को कष्ट होगा। जून के महीने में हिमालय के पहाड़ी क्षेत्रों में बादल फटने से जन-धन की हानि भी होने की आशंका है। कुल मिलकर इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के 4 महीनों में (जून से सितम्बर) के बीच 95% से कुछ कम वर्षा होगी।

मेदिनी ज्योतिष के ग्रंथ भविष्य फल भास्कर के अनुसार जब क्रूर ग्रह वक्री हों तथा शुभ ग्रह अतिचारी हों तब असामान्य वर्षा और दुर्भिक्ष से जन-धन की हानि होती है।

क्रूरा वक्रा यदा काले सोम्या: शीघ्रास्तु चागता:।।
अनावृष्टि च दुर्भिक्षं नृपराष्ट्रभयन्करा :।।

गुरु की अतिचारी चाल

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, अतिचारी चाल का मतलब है कि बहुत तेज चलना और त्वरित होना। यहां गुरु की अतिचारी चाल का अर्थ है कि गुरु जिस राशि में मौजूद हैं, वहां सामान्य चाल ना चलकर बहुत तेजी से गोचर कर रहे हों। आमतौर पर गुरु एक राशि से दूसरी राशि में 12 से 13 महीने तक मौजूद रहते हैं लेकिन अतिचारी होते हैं, तब वह जल्दी राशि परिवर्तन करते हैं और जीवन के सभी क्षेत्रों में जैसे करियर, पारिवारिक जीवन, लव लाइफ, तरक्की आदि समेत सभी महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। ज्योतिष में गुरु ग्रह ज्ञान, करियर, शिक्षा, भाग्य, धर्म, संतान, धन, वैवाहिक जीवन आदि के कारक ग्रह हैं।, जब गुरु अतिचारी चाल चलते हैं तब इनके जल्दी प्रभाव देखने को मिलते हैं।

गुरु साल 2025 में 3 बार बदलेंगे चाल

गुरु ग्रह 14 मई को अचितारी चाल से मिथुन राशि में गोचर करेंगे और फिर 11 नवंबर को वक्री चाल चलते हुए फिर 5 दिसंबर को मिथुन राशि में फिर से गोचर कर जाएंगे। गुरु अतिचारी चाल में तीन गुणा अधिक तेजी के साथ चलते हैं और बहुत कम समय में राशि परिवर्तन करके वक्री अवस्था लौट जाते हैं। ऐसे में साल 2025 में गुरु तीन बार अपनी चाल बदलने वाले हैं। गुरु की अतिचारी चाल से मेष राशि, सिंह राशि, कन्या राशि, तुला राशि, कुंभ राशि और मीन राशि वालों के सुख-सौभाग्य में अच्छी वृद्धि होगी। गुरु के अतिचारी होने पर हुई थी इतिहास में कई बड़ी घटनाएं

महाभारत युद्ध

महाभारत काल में ठीक ऐसी ही घटना घटित हुई थी जब देवगुरु पूरे आठ वर्ष के लिए अतिचारी अवस्था में गोचर किए थे और उसका परिणाम किसी से छुपा नहीं है। उस समय कौरवों और पांडवों के बीच जबरदस्त युद्ध हुआ था। इतना अधिक रक्तचाप होने के बाद ही पांडवों ने सत्ता हासिल कर पाया था।

द्वितीय विश्य युद्ध

साल 1938 में भी गुरु अतिचारी हुए थे। गुरु 31 मार्च 1038 को कुंभ राशि में गोचर किया था। इसके बाद 30 सितंबर को मकर राशि और 7 नवंबर को पुनरू कुंभ राशि में आ गए थे उस समय भी दुनिया पर काफी खतरा मंडराया था। उस समय हिटलर के प्रकोप के अलावा साल 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध हुआ था। जिसमें करोड़ों लोगों ने अपनी जान गवाई थी।

भारत देश आजाद

साल 1947 में भी गुरु अतिचारी हुए थे। 18 जनवरी को गुरु वृश्चिक राशि में प्रवेश किया था। इसके

बाद 11 मई को तुला राशि और 17 सितंबर को पुनरूवृश्चिक राशि में आ गए थे।उस समय देशभर में आजादी के लिए लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इसके साथ ही 15 अगस्तए 1947 को भारत को स्वतंत्रता मिली थी।

कोरोना

साल 2020 में भी गुरु अतिचारी हुए थे। 30 मार्च 2020 को गुरु मकर राशि में प्रवेश करके अतिचारी हुए थे और 30 जून को पुनरू राशि परिवर्तन करके धनु राशि में प्रवेश किए थे और नवंबर में दोबारा मकर राशि में आ गए थे। गुरु की तेज गति से चलने से दुनियाभर के लोगों को कोरोना वायरस की महामारी का प्रकोप झेलना पड़ा था। जिसमें लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी काफी बुरा असर पड़ा था। हालांकिए इसे राहु.केतु की स्थिति के कारण माना जाता है। लेकिन कोरोना काल गुरु के कारण भी हुआ था।

2025 में गुरु के अतिचारी होने पर देश दुनिया पर प्रभाव

ज्योतिषों के अनुसार साल 2025 में गुरु के अतिचारी होने से दुनियाभर में काफी अधिक प्रभाव देखने को मिल सकता है। इससे करियर आर्थिक स्थिति के साथ-साथ युद्ध संकट आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ सकता है। इस अवधि में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। गुरु की चाल में तेजी होने से दुनियाभर में कई युद्ध हो सकते हैं। कई देशों के बीच युद्ध होने की आशंका मानी जा रही है। इसके साथ ही एक बार फिर आर्थिक मंदी की ओर बढ़ सकते हैं। जैसा 1929 में हुआ था। जब अमेरिकी शेयर बाजार में एक बड़ी गिरावट आई। जो इस दुर्घटना का वैश्विक प्रभाव पड़ा और इसे महामंदी की शुरुआत माना जाता है। गुरु के अतिचारी होने से धर्म संबंधित घटनाएं बढ़ सकती है। विभिन्न धर्मों के लोग अपनी परंपराएं दूसरों के ऊपर थोपने की कोशिश कर सकते हैं। देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में ऐसी स्थिति देखने को मिल सकती है।

राजनीतिक असर

भविष्यफल भास्कर के अनुसार जब गुरु अतिचारी गति में हों तथा ठीक उसी समय शनि वक्री हों तो राजाओं का पतन होता है यानी कुछ सत्ताधारी लोगों की सत्ता डगमगा सकती है। गुरु के मिथुन राशि में अतिचारी होने के समय इस वर्ष शनि भी मीन राशि में गोचर करते हुए वक्री होंगे। आजाद भारत की कुंडली (15 अगस्त 1947, मध्य रात्रि, दिल्ली) की है जिसमें मिथुन राशि में सर्वाष्टकवर्गः में केवल 21 बिंदु हैं तथा मिथुन में गुरु के भिन्नाष्टक वर्ग में केवल 3 बिंदु मिल रहे हैं जिस कारण से इस वर्ष केंद्र सरकार में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसके साथ ही मिथुन राशि से प्रभावित पश्चिम बंगाल में अगले वर्ष चुनाव के बाद सत्ता परिवर्तन भी हो सकता है।

होंगे ये बदलाव

धनु राशि से प्रभावित उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ बीजेपी अपने नेतृत्व और मंत्रिमंडल में बदलाव कर सकती है ऐसी संभावना बनती दिख रही है। सितंबर 2025 से लेकर सितंबर 2032 तक आजाद भारत की कुंडली में सप्तमेश और द्वादशेश मंगल की अशुभ दशा चलेगी और इस दौरान गुरु गोचर में हर वर्ष कुछ महीनों के लिए अतिचारी होंगे। मंगल की दशा और गुरु के अतिचारी होने के प्रभाव से विवाह में तलाक की दर में तेज़ी से बढ़ोतरी हो सकती है। जन्म दर कम होगी, तकनीकी शिक्षा विशेषकर इंजीनियरिंग में युवाओं का रुझान बढ़ेगा, मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में विदेशी निवेश बढ़ेगा, कानून की पढ़ई और करियर में आशातीत उन्नति होगी। समाज में धार्मिक विवाद को लेकर तनाव हो सकता है। मानसिक रोग और प्रेम संबंधों में तनाव बढ़ेगा जिससे युवाओं की शादी को लेकर रुचि कम हो सकती है।

प्रभाव

व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा। देश में आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

12 राशियों पर प्रभाव

गुरु के अतिचारी होने से 12 राशियों के जीवन में किसी न किसी तरह से प्रभाव अवश्य देखने को मिल सकता है। मेष राशि सिंह तुला धनु मकर कुंभ और मीन राशि के जातकों को काफी लाभ मिल सकता है। इस राशि के जातकों का अध्यात्म की ओर अधिक झुकाव हो सकता है। सुख.सुविधाओं में तेजी से वृद्धि हो सकती है। आपको यात्रा के कई अवसर मिल सकते हैं। आत्मविश्वास में तेजी से वृद्धि हो सकती है। इसके साथ ही नौकरी-बिजनेस में भी काफी लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहने वाली है।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शनि जयंती पर करें इन चीजों का दान

शनिदेव होते हैं खुश, बुरी नजर से मिलेगी राहत

शनि जयंती न्याय और कर्मफल के देवता शनिदेव के जन्म का प्रतीक है। इस साल यह पावन पर्व 27 मई 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन शनिदेव की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और उनका आशीर्वाद पाने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि शनि जयंती पर कुछ विशेष चीजों का दान करने से शनिदेव खुश होते हैं और उनकी बुरी नजर से राहत मिलती है।

शनि जयंती पर करें ये दान

काले तिल – काले तिल शनिदेव को बेहद प्रिय हैं। शनि जयंती के दिन काले तिलों का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। इससे शनिदेव की कृपा मिलती है और जीवन में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। इसके अलावा आप काले तिलों को जल में डालकर स्नान भी कर सकते हैं।

सरसों का तेल – शनिदेव को सरसों का तेल चढ़ाना और इसका दान करना बहुत फलदायी माना जाता है। इस दिन सरसों के तेल का दान करने से कुंडली में अशुभ ग्रहों का प्रभाव कम होता है। इस दिन आप गरीब और जरूरतमंद लोगों को सरसों का तेल दान कर सकते हैं।

लोहा – लोहा शनिदेव की धातु मानी जाती है। शनि जयंती पर लोहे की वस्तुओं का दान करना लाभकारी होता है। आप इस दिन लोहे के बर्तन, कील या कोई भी छोटी लोहे की चीज दान कर सकते हैं। यह दान शनि के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में भी मदद करता है।

काले वस्त्र – काले रंग के वस्त्र शनिदेव को समर्पित हैं। इस दिन काले रंग के वस्त्रों का दान करना शुभ माना जाता है। आप गरीब या जरूरतमंद लोगों को काले कपड़े या जूते दान कर सकते हैं। इससे शनिदेव प्रसन्न होते हैं और मनचाहा फल देते हैं।

उड़द की दाल – उड़द की दाल का दान भी शनि जयंती पर विशेष महत्व रखता है। काली उड़द की दाल का दान करने से शनिदेव की कृपा मिलती है और आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं। आप उड़द की दाल से बनी खिचड़ी भी दान कर सकते हैं।

छाता और जूते – इस दिन छाता और जूते का दान करना भी फलदायी माना जाता है। यह दान उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होता है, जो जरूरतमंद हैं और कठिन परिस्थितियों से जूझ रहे हैं। साथ ही इससे सुख और शांति की प्राप्ति होती है।

इन बातों का रखें ध्यान

दान हमेशा श्रद्धा और भक्ति भाव से करना चाहिए।

दान करने वाले व्यक्ति के मन में किसी भी प्रकार का अहंकार नहीं होना चाहिए।

अपनी क्षमतानुसार दान करें।

दान ऐसी जगह करें जहां वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक वह पहुंच सके।

बुद्ध पूर्णिमा की रात दीपक से करें ये दुर्लभ उपाय, खुशियों से भर जाएगा जीवन

बुद्ध पूर्णिमा का दिन बेहद पावन माना जाता है। यह बौद्ध धर्म के लोगों के लिए सबसे खास दिनों में से एक है। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति का प्रतीक है। इस साल यह पावन पर्व 12 मई, 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन लोग दान-पुण्य और पूजा-पाठ करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बुद्ध पूर्णिमा की रात दीपक से किए गए कुछ दुर्लभ उपाय आपके जीवन में खुशियों की रोशनी भर सकते हैं? तो आइए इस आर्टिकल में जानते हैं।

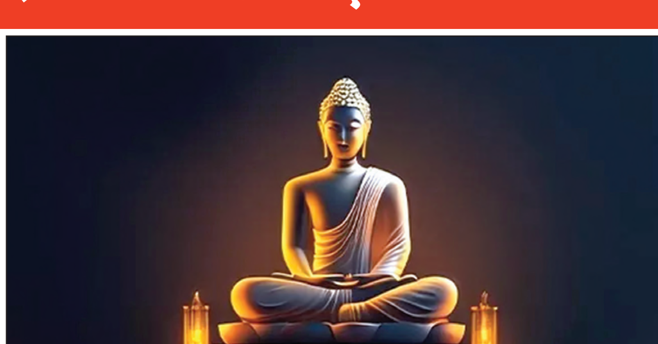

दीपक से करें ये उपाय

घर के मुख्य द्वार – बुद्ध पूर्णिमा की रात एक मिट्टी का दीपक अपने घर के मुख्य द्वार पर जलाएं। माना जाता है कि यह उपाय घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और सकारात्मकता का संचार करता है। इसके साथ ही इससे जीवन की बाधाओं और परेशानियों का अंत होता है।

पीपल पेड़ के पास – अगर आपके घर के पास कोई पीपल का वृक्ष है, तो बुद्ध पूर्णिमा की रात उसके नीचे एक दीपक जलाएं। पीपल के वृक्ष को हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म दोनों में ही पवित्र माना जाता है। माना जाता है कि भगवान बुद्ध को इसी वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था। ऐसे में इस स्थान पर दीपक जलाने से ज्ञान और बुद्धि में वृद्धि होती है।

देवी लक्ष्मी के समक्ष – बुद्ध पूर्णिमा की रात मां लक्ष्मी की प्रतिमा के सामने घी का दीपक जलाएं और उन्हें कमल का फूल अर्पित करें। मां लक्ष्मी को धन और समृद्धि की देवी माना जाता है। इस उपाय से आपके घर में धन का आगमन होता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

बुद्ध भगवान की प्रतिमा के सामने – भगवान बुद्ध की प्रतिमा के सामने एक छोटा सा मिट्टी का दीपक जलाएं और उनका ध्यान करें। यह उपाय आपके मन को शांति देगा और नकारात्मक विचारों को दूर करेगा। साथ ही मानसिक तनाव से छुटकारा मिलेगा।

तुलसी के समक्ष – इस दिन तुलसी के पौधे के पास एक दीपक जलाएं। तुलसी को पवित्र और शुभ माना जाता है। इस उपाय को करने से पारिवारिक जीवन में मधुरता आती है। साथ ही जीवन में कभी धन की कमी नहीं होती है।

घर में कांच टूटना, पानी गिरना या आरती की थाल गिरना, बेवजह नहीं होती ये घटनाएं, जानें किस बात की ओर इशारा?

घर में काम करते समय अक्सर हमारे हाथ से पानी गिर जाता है, शीशा टूट जाता है या थाली गिर जाती है। इन घटनाओं को हम सामान्य समझकर इग्नोर कर देते हैं। लेकिन ज्योतिषशास्त्र और शकुन शास्त्र में इन्हें शुभ और अशुभ संकेतों से जोड़कर देखा जाता है। घर में कांच टूटना या अचानक से हाथ से थाली गिरना बेवजह नहीं होता है ये घटनाएं हमें आने वाले समय से जुड़े कई संकेत देते हैं। इन्हें समझकर भविष्य में आने वाली मुसीबतों से बचा या सावधान रहा जा सकता है।

हाथ से आरती की थाल नीचे गिरना

अगर पूजा के दौरान आपके हाथ से अचानक आरती का थाल या पूजा की सामग्री नीचे गिर जाए, तो इसे अच्छा संकेत नहीं माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि भगवान आपकी पूजा से प्रसन्न नहीं हैं या वो उसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा, पूजा के दौरान हाथ से आरती की थाल गिरना इस बात का संकेत भी माना जाता है कि आने वाले समय में आपको किसी बड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कोई भी निर्णय या जरूरी काम सोच-समझकर करना चाहिए। साथ ही, श्रद्धा पूर्वक शांत मन से भगवान की विधि-पूर्वक पूजा-अर्चना जरूर करें।

जल से भरा लोटा या गिलास नीचे गिरना

ऐसी मान्यता है कि अगर पूजा के लिए जल से भरा लोटा लेकर जाते समय इसमें से पानी या कलश नीचे गिर जाए, तो यह बिल्कुल भी अच्छा संकेत नहीं होता है। इसका अर्थ होता है कि आपके पितर या पूर्वज आपसे नाराज हो सकते हैं। इसके अलावा, हाथ से पानी से भरा गिलास का नीचे गिरना भी अशुभ संकेत होता है। माना जाता है कि यह घर-परिवार में आने वाली किसी समस्या का संकेत हो सकता है। इसे लेकर एक मान्यता यह भी है कि गिलास का पानी गिर जाने का मतलब होता है कि आपके घर पर कोई प्यासा या भूखा व्यक्ति दस्तक दे सकता है। इसी के चलते पुराने समय में लोग घर में जल गिरने पर भोजन की मात्रा बढ़ा देते थे ताकि किसी मेहमान के घर आने पर खाना कम न पड़े।

घर में कांच का टूटना

कुछ लोगों का मानना है कि घर में कांच का टूटना शुभ नहीं होता है। यह आने वाले समय में जीवन में किसी संकट आने के संकेत की ओर इशारा करता है। हालांकि, कांच के टूटने से जुड़े संकेतों का उल्लेख शकुन शास्त्र या किसी धार्मिक ग्रंथ में नहीं मिलता है। लेकिन वास्तुशास्त्र के अनुसार अगर घर में कांच या शीशा टूट जाए, तो उसे तुरंत घर से हटा देना चाहिए। टूटा हुआ कांच घर में रखना शुभ नहीं माना जाता है। इसे घर में रखने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है और सकारात्मक ऊर्जा कम होने लगती है। ऐसे में अगर आपसे गलती से कांच या शीशा टूट जाए, तो उसे तुरंत घर से बाहर कर दें।

गेहूं या चावल का जमीन पर गिरना

अगर रसोई घर में काम करते समय आपके हाथ से अचानक गेहूं, चावल या कोई अनाज का डिब्बा गिर जाए, तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। ऐसा कहते हैं कि धरती पर अनाज का गिरना मां अन्नपूर्णा के अपमान के समान होता है। ऐसे में वो आपसे रुष्ट हो सकती हैं और जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, अनाज पर पैर लगना भी बहुत अशुभ माना जाता है। अक्षत माता लक्ष्मी को बहुत प्रिय होता है। ऐसे में अगर इस पर पैर पड़ जाए या इसका डिब्बा हाथ से गिर जाए, तो उसे तुरंत उठाकर अपने माथे से लगाएं। साथ ही, माता लक्ष्मी और अन्नपूर्णा मां से क्षमा भी जरूर मांगें। ऐसा न करने से जातक के घर-परिवार में समस्याएं आ सकती हैं।

अजय देवगन: बॉलीवुड का सबसे भरोसेमंद फ्रैंचाइज़ी हीरो

बॉलीवुड के सबसे विश्वसनीय सितारों में से एक, अजय देवगन, आज न केवल एक अभिनेता हैं, बल्कि एक चलती-फिरती फ्रैंचाइज़ी मशीन बन चुके हैं। उनकी हालिया फिल्म 'रेड 2', 1 मई को रिलीज़ होने के कुछ ही दिनों में अपनी लागत निकालकर 79 करोड़ से ज्यादा कमा चुकी है, और अब यह 100 करोड़ क्लब की ओर तेज़ी से बढ़ रही है। लेकिन यह फिल्म केवल शुरुआत है- आने वाले दो वर्षों में अजय कई हिट फिल्मों की अगली कड़ियों में नजर आएंगे, जिनमें 'दे दे प्यार दे 2', 'गोलमाल 5', 'धमाल 4', 'शैतान 2', 'दृश्यम 3' और 'सन ऑफ सरदार 2' शामिल हैं।

अजय देवगन बॉलीवुड के सबसे सफल और बहुआयामी अभिनेता हैं, जिन्होंने विभिन्न शैलियों में अपनी अभिनय क्षमता का लोहा मनवाया है। उनकी फिल्मों की फ्रैंचाइज़ी ने उन्हें एक ऐसा स्थान दिलाया है जहाँ वह एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक सिनेमाई ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में स्थापित हो गए हैं।

दिलचस्प बात यह है कि अजय अलग-अलग शैली की फ्रैंचाइज़ीज़ का नेतृत्व कर रहे हैं-चाहे वह 'सिंघम' जैसा एक्शन हो, 'दृश्यम' जैसी इमोशनल थ्रिलर, या 'गोलमाल' जैसी फुल ऑन कॉमेडी। उनकी हर फ्रैंचाइज़ी एक अलग दुनिया पेश करती है, और दर्शक खुशी-खुशी हर ब्रह्मांड का हिस्सा बन जाते हैं। यही उनकी ताकत है-वो हर जॉनर में विश्वसनीयता लेकर आते हैं।

जहाँ एक ओर 'सिंघम' ने एक पुलिस यूनिवर्स की नींव रखी जिसमें रणवीर सिंह और अक्षय कुमार जैसे सितारे भी जुड़े, वहीं 'दृश्यम' ने परिवार और बलिदान की गहराई दिखाई। इसके उलट 'गोलमाल' और 'धमाल' दर्शकों को हंसी के समुंदर में डुबो देते हैं।

हालाँकि हर सीक्वल सफल नहीं रहा-जैसे 'सन ऑफ सरदार' या 'टोटल धमाल' को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली-फिर भी अजय का जादू बरकरार है। उनके द्वारा निभाए गए किरदार दर्शकों को इतने पसंद हैं कि वे कहानी कमजोर हो तो भी थिएटर तक खींच लाते हैं।

अजय देवगन ने फ्रैंचाइज़ियों के ज़रिए न सिर्फ अपने करियर को फिर से परिभाषित किया है, बल्कि एक ऐसा सिनेमाई ब्रह्मांड रचा है, जिसमें हर किरदार को समय के साथ और मजबूती दी गई है। यही वजह है कि वह आज बॉलीवुड में सीक्वल्स के सबसे मजबूत स्तंभ बन चुके हैं।

आलिया भट्ट और ऐश्वर्या राय कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल होंगी

भारतीय सिनेमाई हस्तियां एक बार फिर प्रतिष्ठित फेस्टिवल de Cannes में अपनी चमक बिखेरने के लिए तैयार हैं। आलिया भट्ट और ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस साल के भव्य समारोह में अपनी मौजूदगी को कन्फर्म किया है।

ग्लोबल ब्यूटी ब्रांड के भारतीय चेहरे वाली एक्ट्रेसेस इंटरनैशनल हस्तियों की प्रभावशाली लिस्ट में शामिल होंगी। उरपपशी में अपनी मौजूदगी को लेकर आलिया ने पीटीआई को दिए एक बयान में अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, पहली बार कुछ खास होता है और मैं इस साल सिनेमा और सेल्फ एक्सप्रेशन के इस फेस्टिवल De Cannes में अपनी शुरुआत करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

सुंदरता का मतलब व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और आत्म-मूल्य का जश्न

एक्टर और प्रड्यूसर ने सुंदरता की अपनी बदलती परिभाषा को लेकर कहा, मेरे लिए, सुंदरता का मतलब व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और आत्म-मूल्य का जश्न मनाना है। आलिया भट्ट ने कहा, यह लिमिटलेस है, ये यूनीक है। मुझे ऐसे ब्रांड के साथ खड़े होने पर गर्व है जो हर महिला की यात्रा का जश्न मनाता है और उन्हें अपनी रोशनी में चमकने का अधिकार देता है।

आलिया के साथ ऐश्वर्या राय बच्चन भी होंगी, जिनकी पिछले दो दशकों में मौजूदगी भारतीय शान और ग्लोबल आकर्षण का जाना- पहचाना चेहरा बन गई है। हालांकि दोनों के आने को लेकर खबर कन्फर्म है, लेकिन इस बात का कन्फर्मेशन नहीं है कि फैन्स दोनों को एक साथ रेड कार्पेट पर चलते हुए देख पाएंगे या नहीं। इस बीच, आलिया वर्तमान में संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं। वह अगली बार अल्फा में नजर आएंगी। इस जासूसी फिल्म में एक्ट्रेस पहली बार लीड रोल में हैं, जो YRF की जासूसी ब्रह्मांड पर आधारित है और क्रिसमस के दिन रिलीज होने वाली है।

इंटरनेशनल नो डाइट डे पर चीज पिज्जा खाती दिखीं रकुल प्रीत सिंह, बोलीं

बिना किसी गिल्ट के खाओ

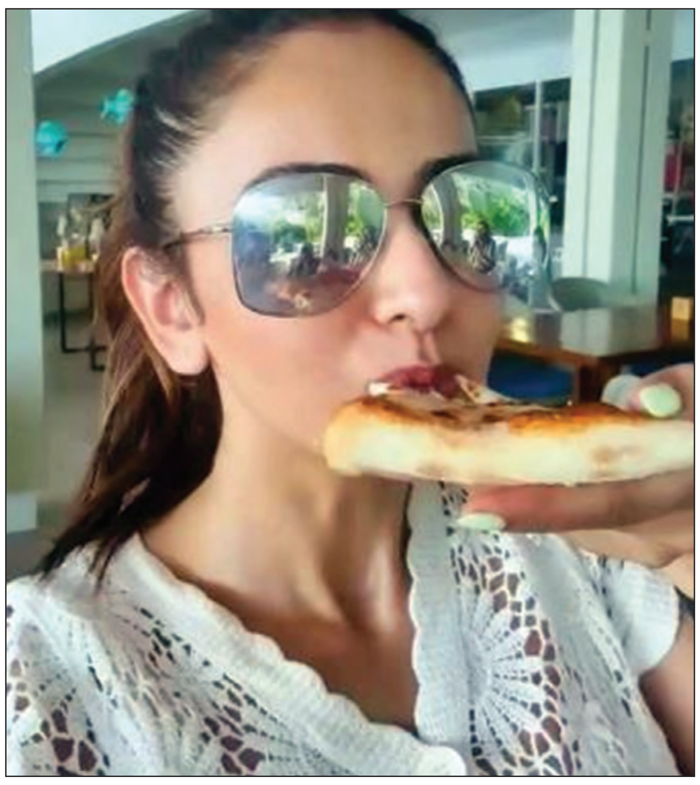

बॉलीवुड इंडस्ट्री में फिटनेस पर ज्यादा जोर दिया जाता है। डांस, जबरदस्त एक्शन और बिजी शेड्यूल में खुद को एक्टिव रखने के लिए फिट होना बेहद जरूरी है। इसके लिए कई सेलिब्रिटीज डाइट पर ही रहते हैं, उन्हें देख फैंस भी ऐसी स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो करने लगते हैं। कई बार यह बोरिंग हो जाता है। ऐसे में हर साल 6 मई को इंटरनेशनल नो डाइट डे मनाया जाता है। इस दिन लोग डाइट के सभी नियमों को तोड़कर अपने पसंद के खाने का लुत्फ उठाते हैं। यह दिन न सिर्फ आम लोग मनाते हैं, बल्कि सितारे भी सेलिब्रेट करते हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने भी इस दिन को चीज़ पिज्जा खाकर सेलिब्रेट किया। इसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर भी शेयर किया। रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर यह वीडियो शेयर किया। वीडियो में वह चीज़ पिज्जा बड़े मजे से खाती नजर आ रही हैं। अपनी डाइट को भूलकर वह अपनी पसंदीदा चीज़ का लुत्फ उठा रही हैं। इस दौरान वह सेल्फी कैमरे के जरिए इन पलों को कैद भी कर रही हैं।

रकुल का 'इंटरनेशनल नो डाइट डे' सेलिब्रेट करने का अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'यह एक याद दिलाने वाला मैसेज है: आपको कभी-कभी बिना किसी गिल्ट के खाना खाने की इजाजत है।' इसके आगे उन्होंने हैशटैग 'इंटरनेशनल नो डाइट डे' का इस्तेमाल किया। वर्क फ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आएंगी। फिलहाल वह फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। 'दे दे प्यार दे 2' साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'दे दे प्यार दे' का सीक्वल है। फिल्म के सीक्वल की घोषणा होते ही फैंस काफी उत्साहित हैं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा कर रहे हैं। यह फिल्म 14 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने एक बार फिर साबित कर दिया कि क्यों वह मेट गाला की अनडिस्पुटेड क्वीन हैं

प्रियंका चोपड़ा जोनास ने मेट गाला में अपनी धमाकेदार वापसी की और उम्मीद के मुताबिक, हमेशा की तरह, इस बार भी उन्होंने पूरी शाम पर अपना कब्जा जमा लिया। अपने पांचवें मेट गाला रेड कार्पेट पर चलते हुए, ग्लोबल आइकन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह मेट गाला की निर्विवाद क्वीन बी क्यों मानी जाती हैं। ओलिवियर रूस्टिंग के सहयोग से डिज़ाइन किए गए बालमेन के शो-स्टॉपिंग कॉउचर क्रिएशन में, और बुलगारी के नवीनतम हाई ज्वैलरी कलेक्शन के बेमिसाल गहनों के साथ, प्रियंका ने सिनेमा की ताकत और फैशन की बादशाहत का अनोखा संगम पेश किया।जैसे ही उन्होंने रेड कार्पेट पर कदम रखा, सारी निगाहें उन पर टिक गईं। उनके सहज ग्लैमर, प्रभावशाली उपस्थिति और बेमिसाल करिश्मे ने पूरी दुनिया को फिर याद दिला दिया कि वे सिर्फ चएढ गाला में शामिल नहीं होतीं – वे इसे एक स्तर ऊपर ले जाती हैं।फैशन मोमेंट से कहीं ज़्यादा, प्रियंका की यह उपस्थिति इस बात का एक सशक्त प्रतीक है कि कैसे वह मेट वॉक करने वाली पहली भारतीय स्टार बनीं और जिसने वास्तव में फैशन के सबसे बड़े वैश्विक मंच पर बॉलीवुड के लिए मार्ग प्रशस्त किया। वो आईं। उन्होंने जलवा दिखाया। और एक बार फिर जीत ली बाज़ी।

फिल्म केसरी वीर का गीत ढोलिडा ढोल नगाड़ा हुआ रिलीज

सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय, सूरज पंचोली और डेब्यू एक्ट्रेस आकांक्षा शर्मा स्टारर फिल्म केसरी वीर ट्रेलर रिलीज के बाद से ही दर्शकों में चर्चा का विषय बनी हुई है। दर्शकों के बीच फ़िल्म का उत्साह बढ़ रहा है, मेकर्स ने दर्शकों को फिल्म का दूसरा गाना ढोलिडा ढोल नगाड़ा रिलीज कर सरप्राइज़ दिया है। इस गाने में सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा गरबा करते नज़र आ रहे हैं, साथ ही प्रेम की मासूमियत को भी बेहतरीन एक्सप्रेशंस के साथ बखूबी पेश करते हैं। ढोलिडा ढोल नगाड़ा में नवरात्रि की ऊर्जा साफ झलकती है, और यह नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी एक-दूसरे के साथ गजब की केमिस्ट्री और शानदार तालमेल दिखाती है। यह गाना सुनिधि चौहान, कीर्तिदान गढ़वी और गौरव चाटी ने गाया है, जबकि इसके बोल सृजन ने लिखे हैं।

मोंटी शर्मा ने इस गीत को संगीतबद्ध और प्रोड्यूस किया है, और इसे पैनोरमा म्यूजिक के लेबल के तहत रिलीज़ किया गया है। वहीं हाल ही में रिलीज़ हुआ केसरी वीर का ट्रेलर 14वीं शताब्दी में सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए लड़े गए वीर योद्धाओं की संघर्षगाथा को दर्शाता है। इसमें सुनील शेट्टी निडर योद्धा वेगड़ा जी की भूमिका निभा रहे हैं।उनके साथ सूरज पंचोली एक अनसुने वीर हमीरजी गोहिल की भूमिका में नज़र आएंगे, और आकांक्षा शर्मा फिल्म में एक शक्तिशाली महिला योद्धा रजल के किरदार में दिखाई देंगी। तीनों मिलकर खतरनाक खलनायक ज़फ़र (विवेक ओबेरॉय) से टक्कर लेते हैं, जो जबरन धर्म परिवर्तन करवाने की कोशिश करता है।

सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय, सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा जैसे दमदार कलाकारों से सजी फिल्म केसरी वीर का निर्देशन प्रिंस धीमान ने किया है और इसका निर्माण कानू चौहान ने चौहान स्टूडियोज के बैनर तले किया है। पैनोरमा स्टूडियोज द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज़ की जा रही यह फिल्म एक्शन, इमोशन और ड्रामा से भरपूर है, और 23 मई को दुनियाभर में दर्शकों को रोमांचित करने आ रही है।

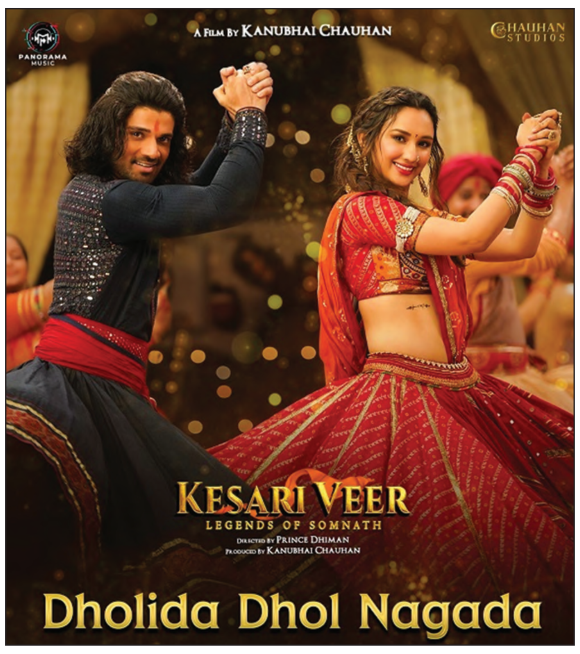

नोरा फतेही ने बिलबोर्ड फीचर के साथ इतिहास रचा

एक ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत नोरा फतेही ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह एक सच्ची ग्लोबल स्टार हैं। नोरा फतेही एक बार फिर सुर्खियों में हैं, इस बार टैलेंट मैनेजर और सीईओ अंजुला आचार्य और रैपर किंग जैसे इंडस्ट्री के पावर प्लेयर्स के साथ बिलबोर्ड फीचर की शोभा बढ़ा रही हैं! वार्नर ब्रदर्स के साथ तीनों की अभूतपूर्व साझेदारी ने उन्हें बिलबोर्ड फीचर में एक प्रमुख स्थान दिलाया है, जहाँ उनके संगीत और मनोरंजन के ज़रिए संस्कृतियों को जोड़ने के प्रयासों को सराहा गया है। यह कवर फीचर नोरा की पॉप म्यूजिक की दुनिया में क्रॉसओवर को सुदृढ़ करता है, और अंजुला आचार्य ने इसे संभव बनाने के लिए 5 जंक्शन रिकॉर्ड्स और वार्नर रिकॉर्ड्स के साथ मिलकर इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। स्नेक के साथ बाधाओं को तोड़ने से लेकर एक ग्लोबल पॉप कलाकार के रूप में अपनी जगह बनाने तक, नोरा की यात्रा वही है जिसका इंडस्ट्री को इंतजार था।

इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी साझा करते हुए नोरा ने लिखा: एक और मील का पत्थर! बिलबोर्ड कवर पर मेरी पहली उपस्थिति! यह बहुत बड़ी बात है, मेरे वैश्विक म्यूजिक करियर के विज़न की दिशा में एक और कदम! अभी बहुत कुछ होने वाला है, और मैं तब तक इंतज़ार नहीं कर सकती जब तक दुनिया देख न ले कि आगे क्या होने वाला है! अपनी टीम की आभारी हूँ-यह हमारा समय है.जेसन डेरुलो के साथ उनके धमाकेदार कोलाब स्नेक से लेकर रेवनी के साथ उनके हिट अफ्रोपॉप सिंगल पेपेटा और जैक नाइट के साथ प्रशंसकों के पसंदीदा डर्टी लिटिल सीक्रेट तक, नोरा एक जीवंत और बहुमुखी वैश्विक संगीत सूची बनाना जारी रखती हैं। उनके सोलो ड्रॉप आई एम बॉसी ने एक उभरती हुई ग्लोबल पॉप ताकत के रूप में उनकी उपस्थिति को और मजबूत किया।

संगीत के अलावा, नोरा फिल्म और फैशन में भी धूम मचा रही हैं। उन्होंने बी हैप्पी में अपनी मुख्य भूमिका से दर्शकों को प्रभावित किया और अब वे बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट द रॉयल्स में नजर आने वाली हैं। फैशन के मोर्चे पर, उन्होंने लुई वुइटन की म्यूज़ के रूप में पेरिस फैशन वीक में अपनी चमक बिखेरी और ऑस्कर आफ्टर-पार्टी में सब का ध्यान अपनी ओर खींचा।उनकी यात्रा का एक गौरवपूर्ण क्षण वह था जब वह फीफा वर्ल्ड कप के मुख्य कार्यक्रम में परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बनीं थी, जिसे लाखों लोगों ने देखा। नोरा फतेही सिर्फ सीमाएँ पार नहीं कर रही हैं – एक-एक दमदार कदम के साथ, वह वैश्विक पॉप की कहानी में अपना नाम खुद लिख रही हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दु:ख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 मई 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी दोपहर 02:59 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 12:09 तक
योग : वज्र रात्रि 02:56 तक
करण : बालव दोपहर 02:59 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39 , सूर्यास्त 06:29 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , प्रदोष व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ड्रोन हमलों और बढ़ते सीमा तनाव के बीच

भजनलाल ने बुलाई उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक

जयपुर, 08 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमले और सीमा क्षेत्रों में बढ़ते तनाव के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज शाम मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक बुलाई। बैठक में राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य सचिव, गृह सचिव, राज्य पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), डीजी इंटेलिजेंस, और एडीजी (कानून व्यवस्था) सहित राज्य के तमाम सुरक्षा और प्रशासनिक विभागों के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों को सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रखने के निर्देश दिए गए।

पाकिस्तान की ओर से जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और बीकानेर जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन्स की गतिविधियों और ब्लैकआउट के मद्देनज़र राजस्थान सरकार ने इन क्षेत्रों को स्पेशल वॉच ज़ोन घोषित कर दिया है। पुलिस, इडक्र और प्रशासन को आपसी समन्वय से 247 निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने आमजन से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार केंद्र सरकार और सेना के साथ समन्वय में है। सभी संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी की जा रही है और आमजन की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। संभावित आपात स्थिति को देखते हुए डिजास्टर मैनेजमेंट टीमों को एक्टिव मोड में रखा गया है। साथ ही सभी सीमावर्ती जिलों के अस्पतालों और एंबुलेंस नेटवर्क को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

सीमा तनाव के बीच राजस्थान सरकार का बड़ा फैसला

राज्य के सभी सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियाँ रद्द, सीमावर्ती जिलों में प्रशासन सतर्क

जयपुर, 08 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की ओर से सीमा पार से जारी उकसावे और ड्रोन हमलों के बीच राजस्थान सरकार ने राज्य के सभी सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियाँ रद्द कर दी हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह निर्णय एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक के बाद लिया।मुख्यमंत्री की सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों से सीधी बातचीत : मुख्यमंत्री ने जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और बीकानेर जिलों के जिलाधिकारियों (कलेक्टरों) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) से सीधे फोन पर बात की और जमीनी हालात की जानकारी ली।

उन्होंने निर्देश दिया कि : सीमा पर चौकसी बढ़ाई जाए, स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड में रहे, आपातकालीन सेवाओं और राहत तंत्र को सक्रिय रखा जाए।

मुख्यमंत्री निवास पर हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में शामिल हुए : मुख्य सचिव सुधांशु पंत, गृह सचिव आनंद कुमार, राज्य पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) यू.आर. साहू, एडीजी लॉ एंड ऑर्डर विशाल बंसल, डीजी इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल। बैठक में सीमावर्ती जिलों में बलों की तैनाती, डिजास्टर मैनेजमेंट, स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, और ब्लैकआउट प्रोटोकॉल की समीक्षा की गई राज्य सरकार ने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और केवल अधिकृत स्रोतों से मिली जानकारी पर ही भरोसा करें। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सायरन बजने पर जागरूकता और सतर्कता आवश्यक : संभागीय आयुक्त

जोधपुर, 08 मई (एजेंसियां)। संभागीय आयुक्त जोधपुर डॉ. प्रतिभा सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष का औचक निरीक्षण कर वहां की कार्यप्रणाली, संसाधनों तथा आपदा प्रबंधन व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. सिंह ने सिविल डिफेंस द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए कंट्रोल रूम में उपकरणों की उपलब्धता, दूरभाष सुविधा, वायरलेस सेट की कार्यशीलता एवं शहर में स्थापित सायरनों की सूची की समीक्षा की। उन्होंने क्यूआरटी टीम की तैनाती और उसकी 24 घंटे सतत कार्यप्रणाली की जानकारी भी ली।

संभागीय आयुक्त ने विशेष रूप से ब्लैकआउट सायरन प्रणाली पर बल देते हुए कहा कि सायरन बजने की स्थिति में सभी नागरिक स्वेच्छा से अपने घरों व वाहनों की लाइट बंद करें तथा सुरक्षित स्थान पर रहें। उन्होंने यह भी कहा कि ब्लैकआउट के नियमों की सख्ती से पालना करें और किसी भी प्रकार के पैनिक में न आएं।

डॉ. सिंह ने कंट्रोल रूम में प्राप्त संदेशों के रजिस्टर, शिकायतों की प्रविष्टि, एवं उनके निस्तारण की प्रक्रिया का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित कार्मिकों से कार्यप्रवाह की शृंखला एवं शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कंट्रोल रूम की टेलीफोन, टॉर्च, बैटरी बैकअप जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी जांच की।

संभागीय आयुक्त ने कंट्रोल रूम में तैनात समस्त कार्मिकों को निर्देश दिए कि वे अत्यंत सतर्कता व जिम्मेदारी से कार्य करें तथा किसी भी आपात सूचना प्राप्त होते ही तुरंत उच्चाधिकारियों को अवगत कराएं, ताकि त्वरित निर्णय लिए जा सकें।

अग्रवाल वैश्य समाज राजस्व मंत्री विपुल गोयल का करेगा अभिनंदन : सुमित हिन्दुस्तानी

फरीदाबाद, 08 मई (एजेंसियां)। अग्रवाल वैश्य समाज 11 मई रविवार को कैथल में हरियाणा के स्थानीय निकाय एवं राजस्व मंत्री विपुल गोयल का अभिनंदन करेगा। अग्रवाल वैश्य समाज कि इस दिन कैथल में होने वाली प्रदेश स्तरीय बैठक का उद्घाटन मंत्री विपुल गोयल करेंगे और वह समाज को आगे बढ़ाने के लिए दिशा निर्देश देंगे। यह जानकारी देते हुए समाज के प्रदेश प्रवक्ता सुमित गर्ग हिन्दुस्तानी ने बताया कि इस बैठक में प्रदेश के सभी पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, लोकसभा और विधानसभा अध्यक्ष, महिला एवं युवा संगठन के पदाधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस बैठक में प्रांतीय अधिवेशन करने, युवा इकाई का प्रशिक्षण शिविर लगाने, महिला शक्ति सम्मेलन आयोजित करने, जिला क्षेत्रीय मुद्दों पर प्रशासन को ज्ञापन देने के साथ–साथ सदस्यता अभियान चलाने के बारे में विचार किया जाएगा।

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने बताया कि उनका संगठन समाज की राजनीति में भागीदारी को बढ़ाने के लिए पिछले 15 सालों से लगातार काम कर रहा है। वह चाहते हैं कि समाज में युवा पीढ़ी आगे आकर सक्रिय राजनीति में हिस्सेदारी करे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा समाज में शादियों में फिजुल खर्ची को रोकने के लिए भी समाज ने कदम उठाए हैं।अशोक बुवानीवाला ने कहा कि कैथल में होने वाली बैठक में इन सभी बातों पर गहनता से विचार किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर का असर : हरियाणा में मेडिकल अलर्ट, 25 प्रतिशत बेड रिजर्व

चंडीगढ़, 08 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हरियाणा में हाई अलर्ट जारी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अब लापरवाही से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चिकित्साकर्मियों और पैरामेडिक्स की छुट्टियों पर पूर्ण विराम लगा दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने साफ निर्देश दिए हैं कि सभी को तैयार रहना होगा। सरकारी अस्पतालों के अलावा निजी अस्पतालों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने बेड का 25% हिस्सा हमेशा इमरजेंसी के लिए रखें।

स्वास्थ्य विभाग ने 8 मई को सभी सीएमओ को पत्र भेजा। इसमें कहा गया– आपके अधीन कोई भी कर्मचारी मुख्यालय छोड़ने की अनुमति अवश्य लें। छुट्टी डीजी ही मंजूर करेंगे। सरल शब्दों में कहें तो इन दिनों कोई छुट्टी नहीं, कोई यात्रा नहीं। सिर्फ बाध्यता है।

जब देश सोता है, तो कुछ लोग आपके स्वास्थ्य और सुरक्षा का आश्वासन बनने के लिए जागते रहते हैं। उनका योगदान सिर्फ़ अस्पतालों तक सीमित नहीं है; वे हमारी राष्ट्रीय रीढ़ हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, सिर्फ़ सीमा पर ही नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम में कार्रवाई हो रही है। और ये हलचल तैयारी से है, डर से नहीं। हरियाणा ने जो चेतावनी दी है, वो समझदारी भरा कदम है; जिम्मेदारी का मतलब है कि जब वक्त आए तो एक भी जान न जाए।

भाखड़ा डैम से पंजाब पुलिस को हटाकर तैनात की जाए सेंट्रल फोर्स : हुड्डा

चंडीगढ़।, 08 मई (एजेंसियां)। भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड के अध्यक्ष को बंधक बनाने की की कोशिश और बीबीएमबीओ को लॉक लगाना निंदनीय, गैरकानूनी, असंवैधानिक और अस्वीकार्य है। आम आदमी पार्टी के जिस मंत्री ने यह काम किया है, उसे तुरंत बर्खास्त करना चाहिए। साथ ही केंद्र सरकार को मामले का संज्ञान लेते हुए भाखड़ा डैम से पंजाब पुलिस को हटाकर, तुरंत सेंट्रल फॉर्सेज की तैनाती करनी चाहिए। ये मांग उठाई है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने।

हुड्डा अपने आवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हम एक संघीय ढांचे का हिस्सा हैं। भाखड़ा और नांगल डैम केंद्र सरकार के प्रोजेक्ट हैं। वहां पर तैनात तकनीकि कमेटी राज्यों को पानी के वितरण का फैसला लेती है। इसमें किसी की तानाशाही नहीं चल सकती। इसलिए हरियाणा किसी और के हिस्से का नहीं, बल्कि अपने हिस्से का पानी मांग रहा है। 1966 से लेकर आज तक कभी इस जल वितरण को लेकर विवाद नहीं हुआ। आखिर आज ऐसे हालात क्यों पैदा किए जा रहे हैं। क्योंकि पंजाब में चुनाव आने वाले हैं और आम आदमी पार्टी की सियासी जमीन खिसक चुकी है। इसलिए आप पार्टी पानी पर कोरी राजनीति कर रही है।

हाई कोर्ट ने भी पंजाब सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वो जल वितरण में दखलअंदाजी ना करे। ऐसे में पंजाब सरकार कोर्ट के आदेशों की भी अवमानना कर रही है। ऐसे में हरियाणा सरकार को भी अपनी बात मजबूती से उठानी चाहिए। तुरंत केंद्र सरकार से दखल की मांग करते हुए इस विवाद को खत्म किया जाना चाहिए। विपक्ष हरियाणा हित के मसलों पर सरकार के साथ खड़ा है। प्रदेश सरकार को किसी तरह की कमजोरी नहीं दिखानी चाहिए। हम प्रदेश के हक का एक–एक बूंद पानी लेकर रहेंगे।हुड्डा ने कहा कि पहले से ही एसवाईएल का निर्माण ना होने के चलते हरियाणा के अधिकारों पर कुठाराघात हो रहा है। ऊपर से जो पानी प्रदेश को मिल रहा है, उसपर भी अब संकट छा गया है।

पानी पर राजनीति न करे मान सरकार : सैनी

चंडीगढ़, 08 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जल विवाद पर पंजाब सरकार के रूख पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार न तो संविधान को मानती है, न संवैधानिक संस्थाओं को मानती है और न ही संविधान का सम्मान करती है। पंजाब सरकार ने जल विवाद पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को दरकिनार किया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से आग्रह किया कि वे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को मानते हुए हरियाणा के पानी को छोड़े। मुख्यमंत्री पंचकूला स्थित नाडा साहिब गुरुद्वारा में मत्था टेकने उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज यहां आने का परम सौभाग्य मिला है और नाडा साहिब गुरुद्वारा में शीश नवाकर देश प्रदेश की भलाई के लिए अरदास की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब गुरुओं की धरती है। समय–समय पर गुरुओं ने हमेशा भलाई और कल्याण का संदेश दिया है और हम उन्हीं की शिक्षाओं को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। जब पंजाब – हरियाणा एक थे, तब भी कोई भेदभाव नहीं था। परंतु आज पंजाब की मान सरकार अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए यह भेदभाव खड़ा कर रही है। उन्होंने कहा कि हम पंजाब के हक का पानी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि जो हरियाणा का हिस्सा है, वो भी पीने के पानी का, हम केवल वहीं मांग रहे हैं।

नायब सिंह सैनी ने हाईकोर्ट का धन्यवाद देते हुए कहा कि हाई कोर्ट ने सोच विचार करके और दोनों पक्षों की बातें सुनकर अपना फैसला दिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को न मानना संवैधानिक पीठ का अपमान है। संवैधानिक फैसलों को न मानना इनकी फितरत रही है।

उन्होंने कहा कि हमारा संविधान सर्वोच्च है और संवैधानिक पीठ का सम्मान करना हम जैसे संवैधानिक पदों पर बैठे हुए व्यक्तियों का दायित्व है। परंतु हाईकोर्ट के फैसले को दरकिनार करते हुए और उसको न मानते हुए डैम पर जाकर ताला लगा देना व धरने पर बैठ जाना, ये सही नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के लोगों को पीने के पानी की आवश्यकता है। समय के साथ पानी की दिक्कत आ रही है। यह जीवन पानी से चलता है, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री अपनी राजनीति को चमकाने के लिए पानी को रोक कर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि जब डैम में पानी का लेवल आज के मुकाबले कम था, तब भी हरियाणा को उसके हिस्से का पूरा पानी मिला। आज ऐसी क्या बात हो गई है। पानी पर राजनीति न करें।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाईकोर्ट ने जो फैसला दिया है, उसे मान सरकार को स्वीकार करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से आग्रह करते हुए कहा कि पानी के विषय पर राजनीति न करें। राजनीति करने के लिए और भी बहुत विषय है। हरियाणा के पानी को छोड़िए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारे देश के निहत्थे लोगों पर, बहन बेटियों के सुहाग को जिस प्रकार से उजाड़ने का काम पड़ोसी देश ने किया, वो निंदनीय है। उन्होंने सेना के जवानों को साधुवाद दिया, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर चला कर आतंकवाद के ऊपर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश कूटनीति के तहत आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। हमारी सेनाओं ने जो कार्रवाई की है पूरा देश सशस्त्र बलों के साथ खड़ा है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज जब देश ऐसी परिस्थिति में है, उस समय भी मान साहब अपनी राजनीति में लगे हुए हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यह हाईकोर्ट के फैसले की अवमानना है। संवैधानिक पीठ के निर्णय को कायम रखना, उसका सम्मान करना यह हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट को वर्तमान स्थिति से अवगत कराया है, जो भी फैसला हाईकोर्ट का होगा हमें स्वीकार है। हम उसका सम्मान करते हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस बनी रणभूमि : बीजेपी नेताओं में भिड़ंत, चला आरोप-प्रत्यारोप का दौर

मुंगेर (एजेंसियां)।

बीजेपी के नेता एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर आपस में भिड़ गए। मुंगेर में मीडिया के सामने भाजपा विधायक, प्रदेश प्रवक्ता और जिलाध्यक्ष ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप शुरू कर दिए। असल में, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया एक दिन के दौरे पर आज मुंगेर पहुंचे थे। यहां सर्किट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अफजर शमशी द्वारा तोपखाना बाजार में आयोजित वक्फ अधिनियम 2025 के जन जागरण अभियान कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे।

इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भाजपा विधायक प्रणव कुमार यादव, जिलाध्यक्ष अरुण कुमार पोद्दार और अन्य कई पार्टी नेता, प्रो. अफजर शमशी के घर पहुंचे। विवाद तब हुआ जब प्रदेश प्रवक्ता ने अपने घर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी। प्रेस कॉन्फ्रेंस का कमरा बहुत छोटा था, जिससे पत्रकारों, नेताओं और खुद राष्ट्रीय प्रवक्ता को

काफी परेशानी हुई। इसी बात को लेकर नेताओं के बीच तकरार शुरू हो गई।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया जब प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलना शुरू ही किए थे कि अचानक बिजली चली गई। बिजली जाने के बाद उन्होंने बोलना बंद कर दिया और कहा कि अब प्रेस कॉन्फ्रेंस सर्किट हाउस में होगी। लेकिन प्रदेश प्रवक्ता अजफर शम्सी और उनके बेटे का कहना था कि प्रेस कॉन्फ्रेंस उनके घर में ही हो। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम के लिए तय किए गए हॉल में पत्रकारों को बुलाया, लेकिन वहां भी अंधेरा और भीड़ होने की वजह से प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हो सकी। जब बीजेपी विधायक प्रणव कुमार यादव ने सुझाव दिया कि कार्यक्रम यहीं हो जाने दें और फिर सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाए, तो अजफर शम्सी और विधायक के बीच बहस शुरू हो गई। आखिर में गौरव भाटिया ने तय किया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस सर्किट हाउस में ही होगी, जिसके बाद सभी पत्रकार वहां पहुंच गए।

सर्किट हाउस में जब गौरव भाटिया फ्रेश होने के लिए अंदर गए, तो वहीं बैठने की जगह को लेकर विधायक, प्रदेश प्रवक्ता और जिलाध्यक्ष आपस में झगड़ने लगे। अजफर शम्सी और जिलाध्यक्ष अरुण पोद्दार एक तरफ थे और विधायक प्रणव कुमार दूसरी तरफ। तीन मिनट तक सबके बीच बहस चलती रही। जब गौरव भाटिया बाहर आए, तब जाकर सभी शांत हुए। ये पूरा झगड़ा कैमरे में रिकॉर्ड हो गया, जिसमें साफ दिखा कि कैसे बीजेपी के नेता मीडिया के सामने एक-दूसरे से लड़ रहे थे। इन हालातों को देखते हुए गौरव भाटिया ने कहा कि उन्हें ऊपर से आदेश मिला है कि फिलहाल कोई बयान नहीं देना है, इसलिए प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द की जाती है।

वहीं, विधायक प्रणव कुमार ने कैमरे के बाहर बताया कि प्रदेश प्रवक्ता अजफर शम्सी चाहते थे कि पूरा कार्यक्रम उनके घर में हो। बैनर में विधायक का फोटो और नाम तक नहीं था। उन्हें प्रदेश से पता चला कि गौरव भाटिया मुंगेर आ रहे हैं। बिजली कटने से पहले गौरव भाटिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का समर्थन करते हुए भारतीय सेना और प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया था। उन्होंने आतंकियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यह बीजेपी की सरकार है, अगर कोई देश की तरफ आंख उठाकर देखेगा, तो जवाब मिलेगा। तभी बिजली चली गई और उनका भाषण रुक गया।

नीरा उत्पादन के लिए 2 लाख ताड़ के पेड़ चिन्हित, 20 हजार टैपर्स को मिलेगा लाभ

पटना (एजेंसियां)।

बिहार सरकार ने ताड़ के पेड़ों से नीरा रस निकालने को बढ़ावा देने के लिए 'मुख्यमंत्री नीरा संवर्धन योजना' शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य ताड़ पेड़ मालिकों और टैपर्स को रोजगार और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। यह योजना अप्रैल से जुलाई तक, करीब 65 दिनों के ताड़ी के मौसम के लिए लागू की गई है।

इस बार सरकार ने लगभग दो लाख ताड़ के पेड़ों से नीरा निकालने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए प्रदेशभर में 20 हजार टैपर्स चिन्हित किए गए हैं। सबसे ज्यादा टैपर्स और ताड़ के पेड़ नालंदा, गया, मुजफ्फरपुर और वैशाली जिलों में चिह्नित हुए हैं। इन टैपर्स का सत्यापन जीविका के माध्यम से किया गया है और उन्हें मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की ओर से लाइसेंस जारी किया गया है।

योजना के तहत टैपर्स को 8 रुपये प्रति लीटर नीरा के हिसाब से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यदि कोई टैपर 10 पेड़ों से नीरा निकालता है, तो उसे कुल 15,600 रुपये की राशि सीधे

उसके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। इसके अलावा पेड़ों को चिन्हित करने के लिए टैपर्स को प्रति पेड़ 30 रुपये की अलग राशि भी दी जाएगी।

ताड़ पेड़ के मालिकों को भी इस योजना में शामिल किया गया है। उन्हें 3 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से, अधिकतम 10 पेड़ों तक के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

इसके अनुसार, पेड़ मालिक को 585 रुपये प्रति पेड़ की दर से अधिकतम 5,850 रुपये की राशि दी जाएगी। यदि किसी के पास 10 से कम पेड़ हैं, तो उन्हें समानुपातिक राशि मिलेगी।

नीरा की बिक्री के लिए कई जगहों पर नीरा बिक्री केंद्र भी बनाए गए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा केंद्र नालंदा जिले में स्थापित किए गए हैं।

राज्य सरकार का मानना है कि नीरा न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम, सोडियम और फास्फोरस जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। साथ ही इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। यह एक प्राकृतिक प्रोबायोटिक भी है, जो पाचन को बेहतर बनाने और हीमोग्लोबिन बढ़ाने में सहायक होता है।

पटना एसटीएफ और खगड़िया पुलिस की बड़ी कार्रवाई शहर के बीचोबीच गन फैक्टरी का किया किया भंडाफोड़

खगड़िया

बुधवार शाम पटना एसटीएफ और खगड़िया पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शहर के कमलपुर मोइन इलाके में संचालित अवैध गन फैक्ट्री का खुलासा हुआ है। घनी आबादी वाले क्षेत्र में चल रहे इस हथियार निर्माण केंद्र से दो दर्जन से अधिक निर्मित और अर्धनिर्मित हथियार, पिस्टल की सामग्री और हथियार बनाने के औजार बरामद किए गए हैं। मौके से चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनसे पूछताछ जारी है। फिलहाल पुलिस ने उनकी पहचान उजागर नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार वे खगड़िया जिले के बाहर के रहने वाले हैं और स्थानीय अपराधियों के सहयोग से यह अवैध कारोबार चला रहे थे।

एसपी राकेश कुमार ने अमर उजाला को बताया कि एसटीएफ को खुफिया सूचना मिली थी कि कमलपुर मोइन क्षेत्र के एक खपरैल मकान में अवैध हथियार निर्माण का काम चल रहा है। इसके बाद स्थानीय

पुलिस के सहयोग से छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान हथियार निर्माण में प्रयुक्त मशीन, औजार और पिस्टल की सामग्रियां बरामद हुईं।

एसटीएफ सूत्रों के अनुसार मौके से दो दर्जन से अधिक अर्धनिर्मित पिस्टल और कई तैयार हथियार बरामद हुए हैं। इन हथियारों को देखने से साफ है कि इन्हें बाजार में बेचने के लिए तैयार किया जा रहा था।

जिस घर में यह फैक्ट्री चल रही थी, वह घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वहां लोगों का आना-जाना तो होता था, लेकिन कभी किसी ने शक नहीं किया कि वहां अवैध हथियार बनाए जा रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ के आधार पर जिले में अन्य संभावित ठिकानों पर भी छापेमारी की जा रही है। एसपी ने बताया कि इस पूरे मामले में आगे की जानकारी जल्द ही प्रेस वार्ता के माध्यम से साझा की जाएगी।

पहलगाम जैसी हिमाकत बिहार में, धर्म पूछकर लोगों की पिटाई, मामला दर्ज

दरभंगा (एजेंसियां)।

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने धर्म पूछ-पूछकर 26 हिन्दू की गोली मारकर हत्या कर दी। अब कुछ ऐसी ही कहानी बिहार में भी हुई है। दरभंगा में कुछ मुस्लिम समुदाय के युवकों ने धर्म पूछ-पूछकर हिन्दू धर्म के युवकों की लाठी-डंडे और धारदार हथियार से हमला किया है। घटना जाले थाना क्षेत्र के कर्बला पोखर के पास की है। इस हमले में करीब एक दर्जन ग्रामीण युवक एवं अधेड़ लोग घायल हुए हैं। पीड़ितों ने घटना घटना के खिलाफ जाले थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्यवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि

अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि 6 मई की रात दो बाइक की आपस मे टक्कर हुई थी। घटना के दौरान दोनों तरफ से तू-तू मैं-मैं हुई। देखते ही देखते मामला बिगड़ने लगा और फिर सड़क से गुजरने वाले लोगों से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उनका नाम और धर्म पूछकर लाठी डंडे और धारदार हथियार के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। इस दौरान करीब 11 लोग घायल हुए हैं, जिनमे से कई लोगों के सिर फट गए और कई लोगों को गम्भीर चोट आई है। सभी घायलों का इलाज जाले के प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में किया जा रहा है। इस मामले को लेकर जाले थाना में मनोज कुमार यादव के आवेदन पर कुल 21 मुस्लिम लोगों के खिलाफ धर्म पूछकर मारपीट करने की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के संबंध में जाले थानाध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया कि घटना का संज्ञान में आते ही त्वरित कार्रवाई की गई है। आरोपियों को चिन्हित करते हुए अब तक चार लोगों की गिरफ्तारी की चुकी है, जबकि अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। मनोज कुमार यादव के आवेदन पर 21 मुस्लिम लोगो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मामले की जांच की जा रही है।

सीवान में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर जश्न, तिरंगा यात्रा में लड़कियों ने लगाए जमकर नारे

सीवान

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पूरे देश में खुशी का माहौल है। इसी क्रम में सीवान में भी लोगों ने जश्न मनाया और सेना के समर्थन में तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान एक मासूम बच्ची की मनमोहक तस्वीर सामने आई, जिसमें वह हाथों में सेना के समर्थन में एक पोस्टर लिए यात्रा में शामिल दिख रही है। इस तस्वीर की अब खूब चर्चा हो रही है। यह तिरंगा यात्रा शहर के डीएवी मोड़ से शुरू होकर दरबार रोड होते हुए जेपी चौक तक पहुंची। इसमें भारतीय सेना में भर्ती की तैयारी कर रही युवतियों, समाजसेवियों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्थानीय लोगों ने सेना की कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि अब भारत बदल चुका है और जो देश को आंख दिखाएगा, उसे करारा जवाब मिलेगा। लोगों का कहना है कि अगर युद्ध जैसी स्थिति आई तो देश का हर नागरिक सीमा पर खड़ा नजर आएगा।

यात्रा में शामिल महिलाओं ने कहा कि सुहागिन महिलाओं की पहचान उनका सिंदूर होता है और जब आतंकवादियों ने उस पर हमला किया, तो सेना ने उसका माकूल जवाब दिया। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर दुश्मन को उसकी भाषा में जवाब देना जानते हैं और भारत की ओर आंख उठाने वालों को अब ऐसा ही अंजाम भुगतना पड़ेगा।

भारत-नेपाल बॉर्डर पर चार चीनी नागरिक गिरफ्तार

रक्सौल बॉर्डर से अवैध रूप से घुसपैठ की कर रहे थे कोशिश

चंपारण (एजेंसियां)।

पूर्वी चंपारण जिले में 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनज़र भारत-नेपाल सीमा पर पहले से ही हाई अलर्ट जारी है। इसी बीच, रक्सौल बॉर्डर पर एसएसबी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चार चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी अवैध रूप से भारतीय सीमा में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे।

गिरफ्तारी के दौरान उनके पास से कोई वैध दस्तावेज बरामद नहीं हुआ। पूछताछ में पता चला कि चारों चीन के हुनान प्रांत के निवासी हैं। उनकी पहचान हैडेन विजोन, लीन युंगा घौई, ही क्युन हैनसेन हुवांग लिविंग के रूप में हुई है। इनके साथ दो नेपाली महिला गाइड भी पकड़ी गई थीं, जिन्हें पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है। मोतीहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि चारों चीनी नागरिक बिना वीजा के भारत में प्रवेश कर रहे थे। इस मामले में सुरक्षा एजेंसियों को सूचित कर दिया गया है और प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आगे की जांच जारी है। फिलहाल, रक्सौल सहित पूरे भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र पर एसएसबी द्वारा विशेष चौकसी बरती जा रही है।

भीषण आग से तीन परिवारों के चार घर खाक, एक मवेशी की जलकर मौत

दरभंगा (एजेंसियां)।

मधुबनी जिले के अंधराठाढ़ी प्रखंड के रुद्रपुर थाना क्षेत्र के हरना पंचायत वार्ड 1 में आग लगने की बड़ी घटना हुई है। इसमें तीन लोगों गीता देवी, मंटूनिया देवी और महेश यादव के कुल 4 घर जलकर राख हो गए। इस हादसे में एक मवेशी की जलने से मौत हो गई और चार मवेशी झुलस गए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। आग लगने से घरों में रखे ज़मीन के कागज़, सर्टिफिकेट, अनाज, कपड़े, बर्तन आदि जल गए। कुल मिलाकर करीब 7 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि आग मवेशी घर में घूरा (कचरे के ढेर) से निकली चिंगारी के कारण लगी।

घरों के मालिकों ने बताया कि रात में अचानक एक घर में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि आस-पास के तीन और घर भी इसकी चपेट में आ गए। जैसे ही लोगों को आग लगने की खबर मिली, दर्जनों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सभी ने चापाकल और मोटर की मदद से आग बुझाने की पूरी कोशिश की। इसी

बीच फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी आ गई और आग बुझाने का काम किया, लेकिन तब तक चार घर पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे।

घटना की जानकारी मिलते ही रुद्रपुर के घूम-घूम कर सेवा देने वाले पशु डॉक्टर डॉ. उमाशंकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने मरे हुए मवेशी का पोस्टमार्टम किया और जो मवेशी झुलसे थे, उनका इलाज शुरू किया। हरना पंचायत के कर्मचारी धर्मपाल ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की।

घटना के समय पंचायत मुखिया मो. तौव्वाब अंसारी, पंचायत समिति सदस्य सुभेश्वर यादव, राम विलास धांगर और कई अन्य लोग मौजूद थे। जिला प्रशासन लगातार लोगों से सतर्क रहने और निगरानी रखने की अपील कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com